शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 249 | गुवाहाटी | बुधवार, 5 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बजट सत्र : असम में 56,19,587 परिवारों के पास राशन कार्ड उपलब्ध पेज 3
आईएनएस विक्रांत पर हुआ नाइट लैंडिंग ट्रायल, जून तक होगा ऑपरेशनल पेज 4
शीघ्र गठित होगा उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग, मुख्यमंत्री का निर्देश पेज 5
भारत को विश्व शक्ति के रूप में मिली नई पहचान : कोविंद पेज 8

पीएम ने भूटान नरेश के सामने उठाया डोकलाम का मुद्दा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के समक्ष भारत-भूटान-चीन की सीमा पर स्थित डोकलाम का मुद्दा उठाया। मोदी और वांगचुक के बीच हुई वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हर मुद्दे पर विस्तार से बात हुई जिसमें आपसी सुरक्षा हितों से जुड़े तमाम मुद्दे भी शामिल थे। बैठक में भारत सरकार की तरफ से भूटान की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए हर तरह की मदद देने पर भी सहमति बनी है। इसमें भूटान को अधिक वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने से लेकर भूटान में पैदा होने वाले कृषि उत्पादों को दूसरे देशों में ज्यादा निर्यात करने की सहूलियत देना भी शामिल होगा। दोनों देश रक्षा संबंधों को भी और मजबूत करेंगे। भूटान के राजा वांगचुक दो दिवसीय भारत यात्रा पर आये हैं। सोमवार को उनकी विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात हुई थी तो मंगलवार को उन्होंने पीएम मोदी से आधिकारिक बैठक की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी उन्होंने मुलाकात की। पीएम मोदी के साथ हुई उनकी बैठक की जानकारी देने के लिए मीडिया के समक्ष आए विदेश सचिव विनय क्वात्रा से जब यह पूछा गया कि क्या डोकलाम का मुद्दा उठा था। क्वात्रा सवाल का सीधा जबाव देने से बचते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे पर भारत और भूटान लगातार एक दूसरे से संपर्क में है और इनके बीच हर मुद्दे पर बात हुई है। जहां तक हाल ही में दिए गए कुछ बयान से संबंध का मामला है तीनपक्षीय सीमा (डोकलाम) की स्थिति के बारे में भारत का रुख पहले से स्पष्ट है और इसे बताया गया है। डोकलाम के बारे में आगे विदेश सचिव ने कहा कि भारत सरकार इससे जुड़े हर मुद्दे पर नजर रखती है और सुरक्षा के लिहाज से जो भी जरूरी है वह कदम उठाती है। दरअसल, भूटान के प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि डोकलाम मुद्दा सिर्फ भारत व भूटान का मामला नहीं है बल्कि चीन भी इसका हिस्सा है। वर्ष 2017 में डोकलाम में ही भारत और चीन के सैनिक एक दूसरे के सामने तकरीबन दो महीने तक आमने-सामने के टकराव की स्थिति में रहे थे। विदेश सचिव ने बताया कि पीएम मोदी और भूटान नरेश वांगचुक के बीच हुई वार्ता में एक तरह से भारत की तरफ से इस पड़ोसी देश को दी जाने वाली मदद का रोडमैप तैयार हुआ है। इसके तहत पांच तरह की मदद भारत देगा। पहला, भूटान में 13वीं पंचवर्षीय योजना लागू हो रही है, आज की बैठक में सहमति बनी की भारत इसके लिए मदद बढ़ाएगा। इस बारे में आगे विस्तार से फैसला होगा। दूसरा, भूटान के आग्रह पर भारत ने उसे ज्यादा वित्तीय मदद देने को तैयार हो गया है। यह मदद मौजूदा वित्तीय कर्ज के स्तर के अतिरिक्त होगी। तीसरा फैसला यह हुआ है कि भूटान के कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने में भी भारत मदद करेगा। साथ ही भूटान को जरूरी उत्पादों जैसे पेट्रोलियम, उर्वरक व कोयला की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। चौथा फैसला यह हुआ है कि जयगांव के नजदीक दोनो देशों की सीमा पर पहला इंटग्रेटेड चेक पोस्ट बनाया जाएगा। पांचवा फैसला यह हुआ है कि भारत-भूटान के बीच पहला रेल -शेष पृष्ठ दो पर

बिहू नृत्य को विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को असम आ रहे हैं। बोहाग बिहू के दिन बिहू नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की गयी है। गुवाहाटी शहर के सोरूसजाई स्टेडियम में एक ही समय में 11 हजार से अधिक बिहुवा-बिहुवतियां (पुरुष-महिला नृत्य कलाकार) बिहू नृत्य का प्रदर्शन कर विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। इस दिन असम प्रदेश भाजपा प्रधानमंत्री मोदी का गुवाहाटी एयरपोर्ट से सड़क के रास्ते सोरुसजाई स्टेडियम तक पहुंचने के दौरान भव्य स्वागत करने की योजना बना रही है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन असम प्रदेश भाजपा प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत करने की तैयारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि इसी दिन चांगसारी स्थित एम्स का भी प्रधानमंत्री औपचारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की लंबे समय से यह इच्छा रही है कि पूर्वोत्तर के लोगों को चिकित्सा सेवा प्रदान करने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाए। 14 अप्रैल -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : आईईडी धमाका, दो बिहारी मजदूर समेत पांच घायल

इंफाल। उखरूल जिले के फुंगरेतांग और व्यूलैंड क्षेत्र के बीच सोमवार शाम को शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस विस्फोट में पांच लोग घायल हो गए। सभी पांच घायल राज्य में रहने वाले गैर-मणिपुरी थे। इन घायलों में चार दुकानदार और एक ठेला चालक शामिल थे, जिनको इलाज के लिए उखरुल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से दो, बिहार के रहने वाले संजय कुमार प्रसाद और मंगल महतोन हैं। यह दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब उसने ऐसा प्रयास किया है। भारत इसे सिरे से खारिज करता है। मंत्रालय ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। नाम बदलने से इस वास्तविकता को बदला नहीं जा सकेगा। दरअसल, चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का चीनी, तिब्बती और पिनइन लिपि में नामों का सेट जारी किया है, जिसमें दो भू-भागों के नाम, दो आवासीय क्षेत्रों के नाम, -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं।

- वृंद

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति कल काजीरंगा में

गोलाघाट (हिंस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 06 अप्रैल को काजीरंगा का दौरा करने के लिए राज्य के दौरे पर पहुंच रही हैं। वह 7 अप्रैल को काजीरंगा में राज्य वन विभाग की ओर से आयोजित होने वाले गज महोत्सव में भाग लेंगी। राज्य के वन विभाग ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर गोलाघाट जिला के बोकाखात सार्वजनिक मैदान में बने अस्थायी हेलीपैड में राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

हर छह लोगों में से एक बांझपन का शिकार : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंगलवार को एक नई रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें दावा किया गया है कि वैश्विक स्तर पर छह में से एक व्यक्ति बांझपन का शिकार है। संगठन का कहना है कि व्यसकों की लगभग 17.5 प्रतिशत आबादी बांझपन से शिकार है। जरूरतमंद लोगों को सस्ते और गुणवत्ता के इलाज की आवश्यकता है। हाई इनकम वाले देशों में दर 17.8 प्रतिशत और मध्यम और निम्न आय वाले देशों में 16.5 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस -शेष पृष्ठ दो पर

हावड़ा मामले में बिहार का कनेक्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने पिछले हफ्ते हावड़ा जिले में राम नवमी की शोभायात्रा के दौरान अपने पास कथित तौर पर *रिवॉल्वर* रखने वाले युवक को बिहार के मुंगेर से गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले हफ्ते राम नवमी के उत्सव के दौरान हावड़ा के शिबपुर और काजीपारा इलाकों में दो समूहों के बीच झड़पें हुई थीं तथा राज्य आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) हिंसा की जांच कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर इससे संबद्ध एक कथित वीडियो में एक धार्मिक शोभायात्रा के दौरान इस युवक को अपने हाथ में रिवॉल्वर लिये देखा जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि उसे बिहार -शेष पृष्ठ दो पर

नाथुला के पास हिमस्खलन, सात की मौत, 80 से ज्यादा हैं फंसे

नई दिल्ली। सिक्किम के नाथुला इलाके में मंगलवार को हुए हिमस्खलन में सात पर्यटकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। वहीं, करीब 80 पर्यटकों के अंदर फंसे होने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि घायलों को राज्य की राजधानी गंगटोक के अस्पताल में लाया जा रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बचाव और निकासी अभियान जारी है। मालूम हो कि नाथुला पास चीन की सीमा पर स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण एक प्रमुख पर्यटन -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना के बढ़ते केस से घबराए नहीं : मांडविया

नई दिल्ली। पूरे देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। सामने आए ताजा आंकड़ों में कई जगहों पर यह महामारी बहुत तेज से अपने पैर फिर से पसार रही है। यह एक ऐसा वायरस है जो कि लगातार खुद को म्यूटेट कर रहा है। सिर्फ भारत मे ही इसके 214 वैरिएंट खोजे जा चुके है। एक बार फिर से पूरे देश में कोरोना के बढ़ते केसों की वजह से आम आदमी को स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी है। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि सरकार हाल ही में बढ़े -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ धीरज भटनागर के रामचरितमानस के किए हिंदी काव्यानुवाद का रक्षामंत्री ने किया विमोचन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राजनीति में लोगों का नेताओं पर विश्वास कम होता जा रहा है, क्योंकि उनकी कथनी और करनी में अंतर है। भगवान राम की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों के दिलों पर वही व्यक्ति राज करेगा, जो विश्वसनीयता के संकट को चुनौती की तरह स्वीकार करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज डॉ धीरज भटनागर द्वारा गोस्वामी तुलसीदास के अवधी में लिखे रामचरितमानस के हिंदी (खड़ी बोली) काव्यानुवाद का विमोचन किया। सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार व अन्य संत उपस्थित थे। सुंदर -शेष पृष्ठ दो पर

113 संगठनों का मोर्चा, देशव्यापी संघर्ष की तैयारी

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के बाद अब एक देशव्यापी युवा आंदोलन की तैयारी जोरों पर है। देश भर के 113 समूहों और संगठनों ने साथ आकर *संयुक्त युवा मोर्चा* गठित किया है। युवा हल्लाबोल के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम ने मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी है। रोजगार के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। एक दिन पहले दिल्ली में हुई बैठक में 22 राज्यों से विभिन्न भर्ती समूह और युवा संगठन शामिल हुए थे। उस बैठक में भारत रोजगार संहिता लागू कराने पर आम सहमति बनी है। आंदोलन की जमीन तैयार करने को लेकर देश भर में युवा महापंचायत आयोजित की जाएंगी। जून में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में युवाओं का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें सभी प्रांतों से भारी संख्या में युवा शामिल होंगे। प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण, पूर्व आईपीएस रहे यशोवर्धन आजाद, उत्तरप्रदेश से राजेश सचान, पंजाब के लवप्रीत सिंह और अमनदीप कौर, तमिलनाडु से डॉक्टर पी ज्योति कुमार व जम्मू कश्मीर के विंकल शर्मा भी मौजूद रहे। अनुपम ने बताया, सोमवार को हुई बैठक में कई राज्यों के भर्ती समूह जैसे बिहार शिक्षक अभ्यर्थी, मध्यप्रदेश शिक्षक अभ्यर्थी, उत्तरप्रदेश पुलिस अभ्यर्थी, कार्यपालक सहायक, सेना अभ्यर्थी, राजस्थान लाइब्रेरियन अभ्यर्थी, रेलवे अभ्यर्थी, आशा वर्कर्स, कंप्यूटर शिक्षक अभ्यर्थी, महिला कामगार संघ, बिहार उर्दू अनुवादक, लेखपाल, खुदाई खिदमतगार सहित तमिलनाडु, केरल, जम्मू कश्मीर और पंजाब सहित 22 राज्यों के युवा समूहों ने एक साथ आकर बड़े आंदोलन की जमीन तैयार करने का फैसला किया है। इसके अतिरिक्त इस मुहिम -शेष पृष्ठ दो पर

राजनेता की तरह पीएम मोदी ने किया व्यवहार : आजाद

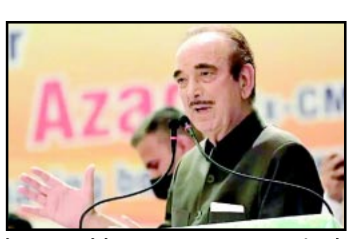

नई दिल्ली। पूर्व राज्यसभा सांसद और डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने पीएम मोदी को उदार बताया है। वहीं, कांग्रेस के जी-23 नेताओं के भाजपा के करीबी होने के आरोप का उन्होंने खंडन कर दिया। बातचीत में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि मैंने उनके साथ जो किया, उसके लिए मुझे मोदी को श्रेय देना चाहिए। वह बहुत उदार हैं। विपक्ष के नेता के रूप में मैंने उन्हें किसी भी मुद्दे पर नहीं बख्शा, चाहे वह धारा 370 हो या सीएए या हिजाब। आजाद ने कहा कि उनके कुछ बिल मैंने पूरी तरह फेल कर दिए, लेकिन मुझे उन्हें श्रेय देना चाहिए कि उन्होंने एक राजनेता की तरह व्यवहार किया, उसका बदला नहीं लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

नाटो में शामिल हुआ फिनलैंड, मॉस्को ने दी धमकी

मॉस्को। फिनलैंड मगंलवार को दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा गठबंधन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल हो गया, जिसे रूस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के समय से ही इस ऐतिहासिक घटनाक्रम की आहट सुनाई दे रही थी। दस्तावेजों को सौंपने के साथ ही नॉर्डिक राष्ट्र आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा गठबंधन का सदस्य बन गया। फिनलैंड की सदस्यता यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य में एक बड़े बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ से अपनी हार के बाद इस देश ने तटस्थता अपनाई थी, लेकिन इसके नेताओं ने यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण के कुछ महीने बाद ही संकेत दिया था कि वे नाटो गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं। यह कदम रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए रणनीतिक और राजनीतिक रूप से झटका है। वह लंबे अरसे से शिकायत करते आए हैं कि नाटो रूस की ओर विस्तार कर रहा है। वहीं, गठबंधन का कहना है कि इससे मॉस्को को कोई खतरा नहीं है। रूस ने चेतावनी दी कि फिनलैंड की नाटो की सदस्यता से उत्पन्न सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए उसे *प्रतिशोधी उपाय* करने के लिए विवश होना पड़ेगा। मॉस्को ने यह भी कहा है कि अगर नाटो अपने 31वें सदस्य राष्ट्र के क्षेत्र में अतिरिक्त -शेष पृष्ठ दो पर

अंबानी फिर एशिया के सबसे धनी व्यक्ति

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी एक बार फिर एशिया के सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स ने मंगलवार को जारी 2023 के अरबपतियों की सूची में यह जानकारी दी। अंबानी के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गौतम अडाणी वैश्विक सूची में खिसक कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। अडाणी 24 जनवरी को दुनिया के तीसरे सबसे धनी व्यक्ति थे। उस समय उनकी संपत्ति 126 अरब डॉलर थी। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद उनकी संपत्ति में तेजी से गिरावट हुई। फोर्ब्स ने कहा कि अडाणी की कुल संपत्ति अब 47.2 अरब डॉलर है और वह अंबानी के बाद दूसरे सबसे धनी भारतीय हैं। अंबानी (65) 83.4 अरब डॉलर की संपत्ति के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सांप्रदायिक हिंसा पर नकवी ने राज्य सरकारों को दी नसीहत, बोले-

सीएम योगी से लें सीख

नई दिल्ली। बिहार और बंगाल ने हो रही सांप्रदायिक हिंसा ने राजनीति को भी गर्मा दिया है। वहां दोनों राज्यों में सत्तासीन दलों के नेता इन दंगों में भाजपा का हाथ होने का आरोप लगा रहे हैं तो भाजपा की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तीखा हमला बोला है। बिना किसी दल का नाम लिए उन्होंने बिहार की नीतीश सरकार और बंगाल की ममता सरकार पर दंगाइयों पर कार्रवाई से बचने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सबक लेने की सलाह दी है। मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में अपने चिर-परिचित अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि सेक्युलर दुकान पर कम्युनल पकवान का पॉलिटिकल पराक्रम दंगाइयों को हिरासत में लेने के बजाय उनकी हिफाजत में जुटा है। बिहार और पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के प्रश्न पर कहा कि दंगे इंसान ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत को लहूलुहान करते हैं। अब देश न बलवों और न ही बलवाइयों को बर्दाश्त कर सकता है। दोनों राज्यों की सरकार पर बिना नाम लिए नकवी ने आरोप लगाया कि अफसोस की बात है कि जिन लोगों के चेहरे पर सांप्रदायिक हिंसा का कलंक है, वही सेक्युलरिज्म के सूरमा बने घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक वोटों की तिजारत सौहार्द्र की सबसे बड़ी दुश्मन है। कुछ लोग अपनी बदरंगी विरासत को बलवाई सियासत से रंगीन करना चाहते हैं। ऐसे लोग देश, धर्म और मानवता के दुश्मन हैं। इतना ही नहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी संदेश दिया कि भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत है। कहा कि दंगाइयों पर कार्रवाई के नाम पर बगलें झांकने वालों को योगी आदित्यनाथ से सबक लेना चाहिए कि दंगाइयों, दबंगों को सबक-संदेश कैसे दिया जाता है।

एसएसबी ने भारी मात्रा में जंगली लकड़ी जब्त किया

कोकराझार (हिंस)। कोकराझार के रानीगुली स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी की *डी* समवाय ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में कीमती जंगली लकड़ी को जब्त किया है। एसएसबी के सूत्रों ने आज बताया है कि दादगिरी समवाय ने भारत-भूटान पीलर संख्या-168 से लगभग 10 किमी भारत की ओर एक नंबर कुसुमदिशा गांव के नजदीक शांतिपुर वन विभाग के साथ संयुक्त गस्ती के दौरान एक पिकअप (टाटा-207) में लदे 700 सीएफटी अवैध लकड़ी को जब्त किया। जब्त किए गए अवैध लकड़ी एवं पिकअप वाहन को रूनीखाता वन रेंज ऑफिस को सौंप दिया गया।

मोरीगांव में तूफान से 81 परिवार बेघर

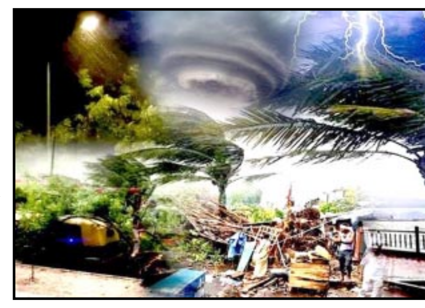

मोरीगांव (हिंस)। शहर के दक्षिणी क्षेत्र में सोमवार रात आए तूफान से भारी तबाही होने की खबर है। तूफान के चलते मोरीगांव दमाल बिल (झील) के किनारे स्थित 3 नंबर दमाल आदर्श गांव के 81 परिवार बेघर हो गए हैं। सोमवार रात आए तूफान से स्थित 3 नंबर दमाल आदर्श गांव में जबरदस्त कहर बरपा है। इस गांव के 81 परिवारों के आवास ढह गए। जिससे यह परिवार बेघर हो गए। मकानों के ढहने के अलावा कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के तार टूट गए। यह बेघर परिवार सरकार और प्रशासन से मदद गुहार लगा रहे हैं। परिवारों ने स्थानीय विधायक से ऐसे उपाय करने की अपील की है कि वे इलाके में अपना जीवन निर्वाह कर सकें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2001 में सरकार ने लाहरीघाट निर्वाचन क्षेत्र से कटाव से तबाह हुए इन 81 परिवारों का इलाके में विस्थापित किया था। अब फिर इन 81 गरीब परिवारों पर तूफान ने कहर बरपाया है।

गोलाघाट : बिजली विभाग के अस्थायी कर्मचारियों का प्रदर्शन

गोलाघाट (हिंस)। जिले में मंगलवार को बिजली विभाग के अस्थायी कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। अस्थायी कर्मचारियों ने एक ज्ञापन देकर अपनी मांगें पूरी करने की मांग की है। कर्मचारियों ने गोलाघाट में बिजली विभाग के कार्यालय के सामने धरना देकर सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि हमारी मांग नहीं मानी गयी तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कर्मचारी मामूली पारिश्रमिक पर वर्षों से कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार आज भी कर्मचारियों की मांगों पर विचार न करके उनकी उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली विभाग में पांच हजार नौकरियां देने के उपाय कर रही है।

राज्यपाल ने जागीरोड के सीताजखला और पोबितरा का किया दौरा

मोरीगांव (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को मोरीगांव जिले के जागीरोड स्थित सीताजखला डेयरी उत्पादक सहकारी समिति का दौरा किया। राज्यपाल ने यहां डेयरी उत्पादनों का जायजा लिया कि दूध से अन्य डेयरी उत्पादों के उत्पादन की प्रक्रिया को जाना है। बाद में एक समारोह में सीताजखला डेयरी प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी ने राज्यपाल को सम्मानित भी किया। बैठक में सीताजखाला से जुड़े किसानों और स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि असम में डेयरी उद्योग ने उम्मीद के मुताबिक प्रगति नहीं की है। उन्होंने कहा कि जब तक किसान आत्मनिर्भर नहीं होंगे, तब तक देश आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने पिछले दशक में सीताजखला डेयरी उत्पादन के क्षेत्र में उठाए गए सकारात्मक और दूरगामी कदमों की सराहना भी की। इससे पहले राज्यपाल ने एक सींग वाले गैंडों के आवास स्थल पोबितरा का भी दौरा किया।

तेरह लाख रुपए समेत चार मवेशी तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खेत्री पुलिस की टीम ने 4 मवेशी तस्करों को भारी मात्रा में नगद रुपए समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आज (मंगलवार) तड़के थाना प्रभारी काहिकुची इलाके में स्थित एनएच-37 पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान एनएच पर एक मारुति स्विफ्ट कार खड़ी मिली। कार के अंदर 4 व्यक्ति मिले। व्यक्तियों और कार की गहन जांच की गई तो कार में एक बैग के अंदर छुपाए गए 13 लाख रुपए बरामद किए गए। चारों को थाने लाकर पूछताछ की गई तो पकड़े गए सभी आरोपियों ने बताया कि वे शिलांग में मवेशियों को बेचने के बाद जो पैसा उन्हें मिला था उसे लेकर नगांव जिलांतर्गत अपने घर जा रहे थे। मवेशी तस्करों के पास से बरामद पैसे को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

सत्र 2023-2025 के लिए नई माहेश्वरी महिला समिति का गठन

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन में मंगलवार को 2023--2025 सत्र के लिए माहेश्वरी महिला महिला समिति की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। नवनिर्वाचित अध्यक्षा वर्षा सोमानी एवं सचिव पुष्पा सोनी एवं निवर्तमान अध्यक्षा सरला लाहोटी की उपस्थिति में सभी पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। सर्वप्रथम अध्यक्षा ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं सभी सदस्याओ से अपना पूर्ण सहयोग देने की अपील की। तत्पश्चात मंजू सोनी को उपाध्यक्ष प्रथम एवं वंदना बिहानी को उपाध्यक्ष द्वितीय का पदभार सौंपा गया। कोषाध्यक्ष के लिए मधुलिका चांडक को पदभार सौंपा गया। मीनाक्षी मिमानी को सह सचिव प्रथम एवं रिचा पेडीवाल को द्वितीय सह सचिव नियुक्त किया गया। जनसंपर्क अधिकारी के लिए सीमा सोनी की नियुक्ति की गई। निवर्तमान अध्यक्ष सरला लाहोटी ने सभी पदाधिकारियों का फुलाम गमछा पहनाकर अभिनंदन किया और अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभा के नवनिर्वाचित सचिव सुरेंद्र लाहोटी एवं पूर्वोत्तर उपाध्यक्षा सीता झंवर भी उपस्थित थीं। उन्होंने भविष्य में समिति का हर प्रकार से सहयोग करने का आश्वासन दिया एवं अपनी शुभकामनाएं दी। इस बार समिति में कई नई सदस्याए भी शामिल हुई, सभी ने अपना परिचय दिया और भविष्य में हर कार्य में अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। समिति सदस्याओ में पार्वती बिडला, शांता सिंगची, मंजू बागड़ी,शोभा लड्ढा, निगम तापड़िया, रचना काबरा

NO.-EE/WRD/DBR/2023-24/M-4/GNL/Pt v/1018

NOTICE INVITING QUOTATION

Sealed quotations are invited affixing court fee of Rs. 8.25 (Non-refundable) from the intending parties (Firms/Individuals/Group of Individuals etc. involved in similar nature of work) for housekeeping and maintaining cleanliness in all offices, all rooms, all corridors, lobby, bathroom and toilets including open space of the Water Resources Department Guest House and its campus at Maijan, Dibrugarh on annual contract basis for the year 2023-24. Details may be obtained from the office of the Executive Engineer, Dibrugarh Water Resources Division, Dibrugarh. The quotation should reach the office of the undersigned on any working days on or before 17/04/2023 by 3.00 PM.

The detailed terms and conditions, scope of work, eligibility etc. for the quotation may be collected from the office of the undersigned on or before the last date of submission of the quotation.

Executive Engineer
Dibrugarh Water Resources Division
Dibrugarh

-- Janasanyog /C/ 252 /23

पृष्ठ एक का शेष

पीएम ने भूटान ...

नेटवर्क (कोकराझार से गेलेफू तक) बनाने का काम तेज किया जाएगा। भूटान के आग्रह पर भारत उससे खरीदी जाने वाली पनबिजली की ज्यादा कीमत भी देने को तैयार हो गया है। भारत जो पनबिजली खरीदता है उसकी भूटान की इकोनोमी में बहुत ही अहम भूमिका है। भूटान की एक और पनबिजली परियोजना से भी भारत बिजली खरीदने को तैयार हो गया है। भूटान ने भारत को नई पनबिजली परियोजना लगाने का भी प्रस्ताव भेजा है। पीएम मोदी ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है। इस क्रम में भारत ने संकोष पनबिजली परियोजना जैसी नई पनबिजली परियोजना को वित्तीय मदद दे सकता है।

बिहू नृत्य का...

को प्रधानमंत्री मोदी असम में एम्स समेत तीन नए मेडिकल कॉलेजों का भी औपचारिक रूप से वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। 14 अप्रैल को चांगसारी में एम्स के उद्घाटन के साथ नरेंद्र मोदी वर्चुअली कोकराझार, नगांव और नलबाड़ी में तीन नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन भी करेंगे। हाल ही में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मेडिकल शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने की अपनी अनुमति दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए अभी से जरूरी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मणिपुर : आईईडी धमाका...

व्यूलैंड में रहते थे। इन दोनों को विशेष उपचार के लिए इंफाल के एक अस्पताल में रेफर किया गया है। दोनों को पीठ और पैरों में चोटें आई हैं। अधिकारियों के अनुसार अन्य तीन खतरे से बाहर हैं। पुलिस अभी तक विस्फोट के पीछे के मकसद का पता नहीं लगा पाई है जिससे सड़क पर एक छोटा सा गड्ढा हो गया था। अज्ञात बदमाशों ने एक ठेले के नीचे बम रखा था। विस्फोट के बाद, जिला पुलिस कर्मी और असम राइफल्स के जवान मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है और न ही किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

अरुणाचल भारत का...

पांच पर्वतीय क्षेत्रों के नाम और दो नदियों के नाम शामिल हैं। चीन सरकार की प्रांतीय परिषद ने तिब्बत के दक्षिणी हिस्से को जंगनन का नाम दिया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने यह जानकारी दी। चीन सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्रों के बदले नाम तीसरी बार जारी किए गए हैं। इससे पहले 2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नामों और 2021 में 15 स्थानों के नामों की लिस्ट जारी की थीं। हालांकि, भारत ने इन दोनों सूचियों को खारिज कर दिया और कड़ी आपत्ति जताई। भारत ने हमेशा कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। इस पर चीन का दावा उसकी बदनीयत का प्रमाण है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के नामों को बदलने का काम चीन ने पहली बार नहीं किया है। वह पहले भी इस तरह की बदनीयती दिखाता रहा है। भारत इसकी कड़ी निंदा करता है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के नामों का सेट जारी किया था, क्योंकि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने वहां का दौरा किया था। दलाई लामा तिब्बत पर चीनी आधिपत्य का विरोध करते रहे हैं। इसलिए उनके प्रति चीन शत्रुता का भाव रखता है।

हावड़ा मामले में ...

के मुंगेर से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान, युवक ने स्वीकार किया कि राम नवमी की शोभायात्रा के दौरान उसके पास एक रिवॉल्वर थी। उसे वीडियो में देखा जा सकता है। हमने उसे राज्य सीआईडी के हवाले कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस महासचिव एवं सांसद अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर वीडियो साझा किया था, जिसमें एक व्यक्ति को शोभायात्रा के दौरान अपने हाथ में रिवॉल्वर लिये देखा जा सकता है। पीटीआई ने वीडियो की प्रामाणिकता को सत्यापित नहीं किया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राम नवमी की शोभायात्रा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य के बाहर से लोगों को लाने का आरोप लगाया है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा कि हमने बार-बार कहा है कि भाजपा राम नवमी की शोभायात्रा के लिए (राज्य के) बाहर से लोगों को ला रही है। हावड़ा पुलिस ने मुंगेर से एक आग्नेयास्त्र के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह शोभायात्रा में शामिल हुआ था और उसके पास एक रिवॉल्वर थी। भाजपा इस तथ्य से इनकार कर रही है। सीआईडी को हर पहलू की जांच करने दी जाए।

नाथुला के पास...

स्थल है। जानकारी के अनुसार, नाथुला इलाके में मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर हिमस्खलन हुआ। घटना के बाद, छह लोगों ने नजदीकी सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया। मरने वालों में चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गंगटोक को नाथुला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू रोड पर हिमस्खलन हुआ है। पुलिस के अनुसार, 150 से अधिक पर्यटक अभी भी घटनास्थल से आगे फंसे हुए हैं। इस बीच, बर्फ में फंसे 30 पर्यटकों को बचा लिया गया है और उन्हें गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल और सेंट्रल रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, फिलहाल सिक्किम पुलिस, सिक्किम के ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन, पर्यटन विभाग के अधिकारियों और वाहन चालकों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। चेकपोस्ट के महानिरीक्षक सोनम तेनजिंग भूटिया के अनुसार, पास केवल 13वें मील के लिए जारी किए जाते हैं, लेकिन पर्यटक बिना अनुमति के 15वें मील की ओर जा रहे हैं। यह घटना 15वें मील में हुई। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम में हिमस्खलन हादसे में हुई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि सिक्किम में भारत-चीन सीमा क्षेत्र को जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू मार्ग (जेएन रोड) पर मंगलवार को दोपहर में हुए हिमस्खलन की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई है। हिमस्खलन में फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चल रहा है, क्योंकि और लोगों के हताहत होने की आशंका है। राष्ट्रपति ने कहा कि वे सिक्किम में हिमस्खलन के बारे में जानकर बहुत व्यथित हैं, जिसने कई लोगों की जान ले ली। शोक संतप्त परिवारों के प्रति उनकी हार्दिक संवेदना है। वे बचाव और राहत कार्यों की सफलता के लिए प्रार्थना करती हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सिक्किम में आज हुए हिमस्खलन में कीमती जानों के नुकसान पर गहरा दुख हुआ। वे बचाव कार्यों की सफलता और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि सिक्किम में हिमस्खलन से वे व्यथित हैं। अपनों को खोने वालों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं। उन्हें उम्मीद है कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बचाव अभियान जारी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

कोरोना के बढ़ते ...

कोरोना के केसों के लिए तैयार है। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था की गई है जिनमें आईसीयू बेड्स, ऑक्सीजन सप्लाई और क्रिटिकल केयर की तैयारियां की गई हैं। इतना ही नहीं इन तैयारियों की साप्ताहिक जांच भी की जा रही है। हालांकि इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना मुश्किल है कि कोरोना इस बार कैसे बर्ताव करेगा लेकिन जो सब वैरिएंट इन दिनों फैल रहे हैं पहले की तरह खतरनाक नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने इस बातचीत के दौरान युवाओं में बढ़ रहे हार्ट अटैक की बात भी की है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग कोरोना वायरस और हार्ट अटैक के मामलों में लिंक ढूंढने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस और हार्ट अटैक के बीच किसी भी तरह की लिंक का पता लगाने के लिए एक अनुसंधान शुरू किया है, जिसके परिणा 2-3 महीने के अंदर आने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में कई दर्दनाक घटनाएं देखी हैं जिनमें कई आर्टिस्ट्स, एथलीट्स, स्पोर्ट्सपर्सन परफोर्म करते हुए ही हार्ट अटैक का शिकार हुए हैं और उनकी मोत हो गई। उन्होंने बताया है कि इन सभी केस की रिपोर्ट्स मंगवाई गई हैं जिसके बाद जांच की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने इस दौरान कहा कि पिछली बार कोरोना के बीएफ.7 सब वैरिएंट से केसों में बढ़ोत्तरी रिकॉर्ड की गई थी, इस बार यह एक्सबीबी1.16 वैरिएंट की वजह से हो रहा है। हालांकि मंत्रालय के अनुसार सब वैरिएंट उतने खतरनाक साबित नहीं होते हैं।

डॉ धीरज भटनागर ...

काण्ड के हिंदी अनुवाद को संगीत रूप में यू-ट्यूब के लिए लोकार्पित किया गया। प्रख्यात गायकों द्वारा सुंदर कांड (हिंदी अनुवाद) के अंशों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार राम राज के आदर्श को सफल बनाने की दिशा में काम कर रही है। राम राज में सभी का कल्याण सुनिश्चित किया गया था। वर्तमान सरकार भी किसानों, युवाओं, महिलाओं, पिछड़ों और वंचितों सभी के लिए काम कर रही है। हम यह नहीं कहते की राम राज स्थापित हो गया लेकिन हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोस्वामी जी ने रामचरितमानस को लोकभाषा में रचा और उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम धीरज भटनागर ने किया है। उन्होंने अवधी बोली से इसे खड़ी बोली में काव्यानुवाद किया है। आशा है कि उनका यह अनुवाद लोगों की अलमारी और हृदय में निवास करेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राममंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि राम भक्तों को हलके में नहीं लेना चाहिए। राम भक्त जो सोचते हैं, वह करके दिखाते हैं। पहले हमसे पूछा जाता था कि राम मंदिर कब बनेगा लेकिन मोदीजी ने राममंदिर का भूमिपूजन किया और इसी साल उसका निर्माण पूरा हो जाएगा। राम नवमी के दौरान हुए दंगों पर ठाकुर ने कहा कि दुर्भाग्य है कि आज कुछ मुख्यमंत्री इलाकों को धर्म के आधार पर बांट रहे हैं। वे कह रहे हैं कि शोभायात्रा मुस्लिम इलाकों में ना जाए। ऐसे लोग समाज को बांटना चाह रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का नाम लेते हुए कहा कि ममता जी थोड़ी ममता राम भक्तों पर दिखायें। उन्होंने कहा कि थोड़े समय पहले मंदिर को तोड़ने वाले दिखाई देते थे। आज देश की जनता साफ कह रही है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस का काव्यानुवाद युवाओं को उनकी जड़ों से जोड़ने का काम करेगा। माना जा रहा है कि इस दिन प्रधानमंत्री मोदी पूर्वोत्तर के लिए पहली *वंदे भारत एक्सप्रेस* को भी हरी झंडी दिखा सकते हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। इसके बावजूद पूसीरे के सूत्रों ने बताया है कि केंद्रीय रेलवे मंत्रालय को वंदे भारत चलाने के लिए आवश्यक सभी तैयारियों की जानकारी से अवगत करा दिया गया है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि रेलवे मंत्रालय की ओर से इस संबंध में क्या तैयारियां की गई हैं। संभवत: पूर्वोत्तर में चलने वाली वंदे भारत न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी को जोड़ने वाली सबसे तेज ट्रेन सेवा होगी। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोरूसजाई स्टेडियम से असम के लोगों को बिहू के उपहार के रूप में नामरूप में असम पेट्रोकेमिकल लिमिटेड के विस्तारित मेथनॉल प्लांट का भी लोकार्पण करेंगे। असम पेट्रोकेमिकल लिमिटेड लोकार्पण के बाद रोजाना 500 टन मेथनॉल और 200 टन फॉर्मोलिन का उत्पादन करके भारत के साथ-साथ भूटान और बांग्लादेश के बाजारों पर कब्जा करने की योजना बना रहा है।

113 संगठनों का ...

को देश के प्रसिद्ध वकीलों, अर्थशास्त्रियों, पूर्व नौकरशाहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन भी मिल रहा है। सोमवार को हुई बैठक में प्रशांत भूषण एवं जाने माने अर्थशास्त्री संतोष मेहरोत्रा के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेंद्र प्रताप, जेपी सेनानी व दिनेश कुमार सहित कई जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए थे। बैठक में पेश हुए प्रस्ताव की जानकारी देते हुए अनुपम ने बताया, रोजगार युवाओं के लिए जीवन मरण का सवाल बन चुका है। बेरोजगारी के कारण आत्महत्या करने वालों युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। देश के युवाओं को सरकार से एक *भरोसा* चाहिए कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो। यह भरोसा भारत रोजगार संहिता है। इसके लिए विभिन्न संगठनों को सामूहिक रूप से संघर्ष करना होगा। जनता के बीच परिवर्तन की इस आशा को जगाने के लिए एक जन आंदोलन की आवश्यकता है। अनुपम के मुताबिक, हम युवाओं की समस्या को लेकर केवल हल्ला नहीं मचा रहे हैं, बल्कि समस्या का हल भी सुझा रहे हैं। देश में ऐसी व्यवस्था लागू हो, जिसमें हर वयस्क को रोजगार का अधिकार मिले। 21-60 आयु वर्ग के प्रत्येक वयस्क के लिए उनके निवास के 50 किलोमीटर के दायरे में बुनियादी न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने के लिए एक कानूनी गारंटी हो।

राजनेता की तरह...

इस आरोप पर कि वह और जी-23 के नेता भाजपा के करीबी हैं, कहा कि ऐसा कहने वाले मूर्ख है। अगर जी-23 भाजपा का प्रवक्ता था तो उसे कांग्रेस ने सांसद क्यों बनाया? उन्हें सांसद, महासचिव और पदाधिकारी क्यों बनाया है? मैं अकेला हूं जिसने पार्टी बनाई है। बाकी लोग अभी वहीं हैं। यह दुर्भावनापूर्ण, अपरिपक्व और बचकाना आरोप है। बता दें, गुलाम नबी आजाद ने 26 अगस्त 2022 को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोनिया गांधी को पांच पन्नों का इस्तीफा भेजा था। अपने पत्र में उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा की जगह, कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए।

नाटो में शामिल ...

सैनिक या उपकरण तैनात करेगा, तो वह फिनलैंड की सीमा के पास अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करेगा। फिनलैंड की सदस्यता तब आधिकारिक हो गई, जब इसके विदेश मंत्री ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को प्रक्रिया को पूरा करने वाले दस्तावेज सौंपे। नाटो की सदस्यता से संबंधित दस्तावेज अमेरिकी विदेश विभाग के पास रहते हैं। ऐतिहासिक प्रक्रिया के पूरा होने से पहले नाटो महासचिव जनरल जेन स्टोलटेनबर्ग ने ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि फिनलैंड की सहमति के बिना फिनलैंड में और नाटो सैनिक नहीं भेजे जाएंगे। हालांकि, उन्होंने वहां और अधिक सैन्य अभ्यास आयोजित करने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि नाटो रूस की मांगों को संगठन के निर्णयों को निर्धारित करने की अनुमति नहीं देगा। संबंधित घटनाक्रम नाटो की 74वीं वर्षगांठ के दिन हुआ। चार अप्रैल 1949 को ही नाटो की स्थापना के लिए वाशिंगटन संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। फिनलैंड के गठबंधन में शामिल होने वाले आग्रह को मंजूरी देने वाला तुर्किये नाटो का अंतिम देश है। उसने बृहस्पतिवार को ऐसा किया। फिनलैंड के पड़ोसी स्वीडन ने भी नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसके गठबंधन में शामिल होने में कुछ वक्त लग सकता है।

अंबानी फिर एशिया...

साथ दुनिया के 9वें सबसे धनी व्यक्ति हैं। फोर्ब्स ने कहा कि पिछले साल अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज 100 अरब डॉलर से अधिक की आय हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई। उनका कारोबार तेल, दूरसंचार से लेकर खुदरा क्षेत्र तक फैला है। फोर्ब्स के मुताबिक, दुनिया के 25 सबसे धनी लोगों की कुल संपत्ति 2,100 अरब डॉलर है। यह आंकड़ा 2022 में 2,300 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया के शीर्ष 25 अमीरों में दो-तिहाई की संपत्ति पिछले साल घटी। सूची के मुताबिक, शिव नाडर तीसरे सबसे धनी भारतीय हैं। देश के चौथे सबसे धनी व्यक्ति का स्थान साइरस पूनावाला को मिला। इस्पात कारोबारी लक्ष्मी मित्तल 5वें, ओपी जिंदल समूह की सावित्री जिंदल 6ठे, सन फार्मा के दिलीप सांघवी 7वें और डीमार्ट के राधाकृष्ण दमानी 8वें स्थान पर हैं।

राष्ट्रपति कल...

प्रशासन अधिकारियों की भी व्यस्तता बढ़ गयी है। जोरहाट हवाई अड्डे से बोकाखात सार्वजनिक मैदान के अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग का अभ्यास शुरू हो गया है। तीन हेलीपैडों पर चरणबद्ध तरीके से तीन हेलीकॉप्टरों ने लैंडिंग अभ्यास शुरू कर दिया है। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के लिए पूरी तत्परता से जुट गए हैं। कुल मिलाकर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

हर छह लोगों में ...

अदनोम घेब्रेयसस ने बताया कि रिपोर्ट से खुलासा होता है कि बांझपन किसी से भेदभाव नहीं करता। घेब्रेयसस ने कहा कि बांझपन से प्रभावित लोगों का आंकड़ा प्रजनन देखभाल की जरूरत को दर्शाता है। बांझपन के इलाज को अब दरकिनार नहीं किया जा सकता। बांझपन बच्चे न होने की एक बीमरी है। यह लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करता है। बांझपन के रोकथाम और इलाज के लिए आईवीएफ जैसी तकनीक काफी महंगी है। साथ ही वह काफी सीमित होने के कारण वह कई लोगों की पहुंच से भी दूर है। डब्ल्यूएचओ के अधिकारी पास्कल एलोटे ने कहा कि लाखों लोगों को बांझपन के इलाज के बाद देखरेख ही काफी महंगा पड़ जाता है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

मन की चाल अनेक है, कुटिल कुढंग कुभाव।
लखत भेद सब सन्त हैं, धोखा में नहिं आव॥ 15॥

शब्दार्थ : (कुटिल) टेढ़ा (कुढंग) बेढब (कुभाव) बुरा भाव (भेद) रहस्य।

भाष्य : मन के कुटिल, कुढंग और उसके बुरे भाव से उसकी अनेक चालें होती हैं, परंतु उसके इन सब रहस्यों को संत जानते हैं. वे इस ठगिनी माया के धोखे में नहीं आते।

मन माया की चाल में, भूलि परे सब जीव।
गुरु बिनु सो नहिं लखि परे, किमि पावे निज पीव॥ 16॥

शब्दार्थ : (भूलि) विस्मरण (निज पीव) अपना प्रभु।

भाष्य : मन-माया की चाल में सब जीव भूले हुए हैं। इसकी चाल सद्गुरु के बिना किसी को दिखाई नहीं पड़ती इसलिएवे अपने परमप्रभु को कैसे पा सकेत हैं? सद्गुरु के आभ्यंतर-साधन-भेद के प्रयत्न से मन-माया का संबंध छूटता है और मन की गति देखने में आती है।

बजट सत्र : असम में 56,19,587 परिवारों के पास राशन कार्ड उपलब्ध

गुवाहाटी (हिंस)। खाद्य और नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्री रंजीत कुमार दास ने कहा कि राज्य में 28 अप्रैल, 2023 के आंकड़ों के अनुसार कुल 56,19,587 परिवारों के पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) योजना के तहत राशन कार्ड उपलब्ध हैं। मंत्री दास मंगलवार को विधानसभा में विधायक जाकिर हुसैन सिकदार के राशन कार्ड को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मंत्री दास ने कहा कि असम में 40 लाख नए लाभार्थियों को राशन कार्ड प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इन लाभार्थियों की निर्धारित संख्या चुनाव क्षेत्र के आधार पर निर्धारित नहीं किया गया है। लाभार्थियों की संख्या केवल जिला आधार पर तय की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि नए लाभार्थियों के चयन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के लिए खंड विकास अधिकारी और शहरी क्षेत्रों के लिए संबंधित सर्कल अधिकारी को जांच समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग के स्थानीय अधिकारी, दो पीआरआई सदस्य, एक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। अंतिम तीन में से एक महिला सदस्य को शामिल कर जांच समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक सत्यापन समिति का गठन किया गया है जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत के सचिव, खंड विकास अधिकारी और खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग के अधिकारी शामिल हैं। इस प्रकार शहरी क्षेत्रों के लिए नगर निगम/निकाय, नगर समिति के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी वार्ड आयुक्तों और खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभागों के अधिकारियों को मिलाकर एक सत्यापन समिति का गठन किया गया है। क्षेत्राधिकारी और खंड विकास अधिकारी को क्रमशः शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में नामित अधिकारी और अधिकृत अधिकारी का प्रभार सौंपा गया है। जिला उपायुक्त एवं पालक मंत्री के अनुमोदन के बाद हितग्राहियों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए अंचल अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी के माध्यम से चयनित हितग्राहियों की सूची सूचीबद्ध की जाएगी।

पूसीरे ने वित्तीय वर्ष में 64 एलएचबी रेक को बनाया एचओजी अनुरूप

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेलवे के निर्णय के अनुरूप सभी लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोच वाली ट्रेनों में हेड ऑन जेनरेशन (एचओजी) तकनीक अपनाने की दिशा में पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) अग्रसर है। नई तकनीक न केवल वातानुकूलित ट्रेनों के परिचालन में बिजली की लागत को कम करने में मदद करेगी, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ वातावरण प्रदान करने में भी मदद करेगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने मंगलवार को बताया है कि नई एचओजी तकनीक एलएचबी ट्रेनों में मौजूदा दो जनरेटरों की जगह लेगी। इस नई प्रणाली में ओवरहेड बिजली लाइनों से पेंटोग्राफ के माध्यम से ट्रेन के इंजन तक बिजली की आपूर्ति की जाती है, जिसके बाद ट्रेन लाइटिंग, कोचों में विद्युत आपूर्ति पर चलने वाले वातानुकूलित, लाइटिंग, पंखा और अन्य उपकरणों के लिए वितरित की जाती है।

जान से मारने की धमकी देने वाला पिस्तौल सहित गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ पुलिस ने पिस्तौल दिखाकर धमकी देने के आरोप में जमानत पर चल रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से पिस्तौल और कारतूस बरादम किए हैं। जानकारी के अनुसार वशिष्ठ थानांतर्गत नतून बाजार इलाके की पीड़ित रानी गुप्ता ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को दिन के करीब 10.30 उसके पड़ोसी अभय तिवारी ने उसके घर के दरवाजे पर आकर पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। महिला ने किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपित अभय जमानत पर चल रहा था। पीड़ित महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 7.62 बोर की एक पिस्तौल के साथ छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने कोर्ट से उसे रिमांड पर लेकर और पूछताछ करेगी। महिला ने बताया कि सोमवार रात को उसकी सास चंदा देवी ने उत्तम पासवान नामक व्यक्ति को अपने घर पर खाने के लिए बुलाया था। तभी रात करीब 10.30 बजे अभय तिवारी भी वहीं पर पहुंच गया, उसने उत्तम पासवान को देखकर उसकी बुरी तरह से पिटाई कर दी और उसकी सोने की चेन छीन ली। इस पर रात में ही उत्तम पासवान ने वशिष्ठ पुलिस स्टेशन में अभय तिवारी के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन वशिष्ठ पुलिस ने उत्तम पासवान का मेडिकल करवाकर सुबह आने के लिए बोल दिया। इस बीच अभय तिवारी को शक हुआ कि उसका पड़ोसी (महिला का पति) अशोक कानू उत्तम पासवान की मदद कर रहा है, जिसके चलते आज सुबह करीब 11 बजे वह अवैध पिस्तौल लेकर उसके घर पहुंचा और अशोक कानू की पत्नी मुन्नी रानी गुप्ता को भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। अभय तिवारी ने पिस्तौल लहराते हुए महिला के पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि अगर पुलिस के पास कोई गया तो कोई नहीं बचेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार अभय तिवारी अपराधी किस्म का व्यक्ति है। उस पर हातीगांव थाने में लूट की घटना को अंजाम दिया था। फिलहाल वह जमानत पर रिहा है।

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के चुनाव की घोषणा

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरुप शाखा के सत्र 2023-25 के आम चुनाव की घोषणा चुनाव अधिकारी निरंजन सिकरिया ने औपचारिक रूप से कर दी है। श्री सीकरिया ने घोषणा करते हुए कहा कि आगामी 23 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे से 4.30 बजे तक एक से अधिक नामांकन पत्र प्राप्त होने पर गुप्त मतदान प्रणाली से अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा वरना निर्विरोध प्रणाली से नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। चुनाव अधिकारी ने चुनाव संबंधी नियमावली जारी करते हुए बताया कि 5 अप्रैल को संशोधित मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। 8 अप्रैल को नामांकन पत्र जारी किया जाएगा। 10 अप्रैल को 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार किया जाएगा। 11 अप्रैल को नामांकन पत्र की जांच के पश्चात उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। 12 अप्रैल की शाम 5.30 बजे तक नामांकन पत्र वापस लिया जा सकेगा एवं इसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। 23 अप्रैल को साधारण सभा के पश्चात आवश्यक हुआ तो चुनाव गुप्त मतदान से कराया जाएगा। इसी दिन शाम को मतगणना के बाद चुनाव परिणामों की घोषणा भी कर दी जाएगी। सह चुनाव अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार की सूचना सम्मेलन के कामरूप शाखा के अधिकृत व्हाट्सएप ग्रुप में दी जाएगी। मतदान के दौरान उम्मीदवार व मतदाता सदस्यों को चुनावी आचार संहिता का पूर्ण रूप से पालन करना होगा।

कांग्रेस ने अडाणी को लेकर पीएम और भाजपा पर साधा निशाना

गोलाघाट (हिंस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द किए जाने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) लगातार भाजपा को निशाना बना रही है। कांग्रेस नेता जिला व ब्लाक स्तर पर संवाददाता सम्मेलन के जरिए प्रधानमंत्री और भाजपा पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगा रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार को गोलाघाट जिले के बोकाखात में स्थानीय गांधी भवन में बोकाखात ब्लॉक कांग्रेस और नगर ब्लॉक कांग्रेस ने संयुक्त रूप से एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर जमकर हमला बोला। ब्लॉक कांग्रेस के कार्यवाहक संयोजक धर्मेश्वर कुर्मी ने कहा कि वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब गौतम अडाणी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में 609वें स्थान पर थे, लेकिन पिछले नौ वर्ष में गौतम अडाणी दूसरा स्थान हासिल करने में कामयाब रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दो कार्यकालों के दौरान गौतम अडाणी के जादुई उदय ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है किइस उछाल का मुख्य उद्देश्य भारी-भरकम कर्ज लेकर कर्ज नहीं चुकाना है। अडाणी का यह उदय प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जब इस बारे में सवाल उठाए तो उनके खिलाफ मानहानि के मुकदमे के फैसले के आधार पर आनन फानन में उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई।

श्री चंद्र प्रभ दिगंबर जैन चैत्यालय का स्थापना संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। रेहाबाड़ी स्थित चंद्रप्रभ दिगंबर जैन चैत्यालय का 31वां स्थापना दिवस तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। गौरतलब है कि 31 वर्ष पूर्व 2 अप्रैल 1992 को रेहाबाड़ी क्षेत्र में श्री श्री 1008 चंद्रप्रभ भगवान की प्रतिमा को चैत्यालय में विराजमान करवाकर पूर्वजो के द्वारा क्षेत्र में देवदर्शन की सुविधा शुरू करवाई गई थी। स्थापना दिवस के सभी कार्यक्रमो को आगम अनुरूप संपन्न करवाने हेतु राजस्थान के सांगानेर शहर में स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान के विद्वान डॉ. किरण प्रकाश शास्त्री के सानिध्य में प्रथम दिन को संध्या श्री भक्तामर स्तोत्र का वाचन दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया। तत्पश्चात स्थानीय श्री चंद्रप्रभ उपकार पाठशाला के बच्चों द्वारा मंचन पाठशाला पर एक लघु नाटिका ने सभी का मन मोह लिया। दूसरे दिन प्रातः 6 बजे से श्री जी के कलशाभिषेक व शांतिधारा के तुरंत बाद 64 ऋद्धि मंडल विधान पूजन हुई तथा पूजन के दौरान 64 चँवर श्री जी के वेदी के सामने स्थापित किए गए। संध्या रेहाबाड़ी महिला सदस्योंओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस की पूर्व संध्या को भगवान के गर्भ कल्याणक की कुछ झलकियां प्रस्तुत की गई। माता के सोलह स्वप्नों का वर्णन उपस्थित डॉ. किरण प्रकाश जी ने बहुत ही सुंदर ढंग से व्याख्या करके जन समूह को गर्भ कल्याणक की विशेषता बताई। तीसरे दिन महावीर जन्म कल्याणक दिवस के संध्या श्री जी की आरती के पश्चात डॉ. किरण प्रकाश जी शास्त्री जी के द्वारा धर्म चर्चा की गई तथा भगवान के जन्म कल्याणक की कुछ झलकियां भी रेहाबाड़ी महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की गई। सभी कार्यक्रम के सुंदर व्यवस्था में रेहाबाड़ी जैन युवा मंच व अहिंसा महिला समिति के सदस्यों का भरपूर व सराहनीय योगदान रहा। चैत्यालय ट्रस्ट ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप मंजू गोधा परिवार के द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया। ज्ञान चंद निशा देवी ने अहिंसा महिला समिति की प्रशंसा करते हुए भविष्य में और बेहतर कार्य हेतु अनुदान देते हुए प्रोत्साहित किया। इसी कड़ी में मनोज सोनिका राँवका ने उपकार पाठशाला के लिए भी कुछ अनुदान दिया।

दस दिवसीय इलेक्ट्रिक पुटर व्हीलर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रंगिया (विभास)। खादी ग्रामोद्योग आयोग, गुवाहाटी द्वारा तथा ग्राम स्वराज परिषद रंगिया के सहयोग से रंगिया के बालीसत्र में 10 दिवसीय इलेक्ट्रिक पुटर व्हील प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर अपने भाषण में केवीआईसी के राज्य संचालक अमरद्वीप ने बताया कि इस प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद, 20 प्रशिक्षुओं को एक-एक इलेक्ट्रॉनिक पॉटर व्हील मुफ्त सौंपा जाएगा। उन्हें यह भी बताया कि भविष्य में वे इससे कैसे लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स का प्रशिक्षण और वितरण मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत योजना के अनुरूप कुम्हार हाथ से बने पहियों के बजाय इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स का उपयोग कर किस तरह कम समय में अधिक दक्षता के साथ उत्पादन बढ़ाकर लाभ प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम में केवीआईसी के सदस्य सचिन, रंगिया ग्राम स्वराज परिषद के सचिव दिब्यज्योति कलिता तथा सदस्य क्रमशः लीलाधर काकोती, प्रणाली बेजबरुवा और सामाजिक कार्यकर्ता गौरीकांत कुमार सहित मिट्टी के बर्तन उद्योग से जुड़े कई अन्य लोगों ने भाग लिया।

नगांव में कलश यात्रा के साथ हनुमान जन्मोत्सव का शुभारंभ

नगांव (निसं)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में नगांव श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में आगामी 6 अप्रैल से 9 अप्रैल तक चार दिवसीय विराट मेले का आयोजन हैबरगांव के धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में बड़े ही धूमधाम एवं भक्ति मय माहौल में आयोजित होने जा रहा है। इससे पूर्व आज मंगलवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत पावन नद ब्रह्मपुत्र का जल सिलघाट से लाकर श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर से 301 कलश में भरकर कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यह कलश यात्रा नेहरू वाली स्थिति कृष्णश्रम शिव मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर श्री हनुमान मंदिर तक जुलूस के रूप में आई जिसमें सैकड़ों की मात्रा में महिलाएं लाल, पीली, केसरिया साड़ी पहनकर माथे पर कलश लेकर बाबा की जय कार लगाती हुई दिखाई दे रही थी। एक दो तीन चार बालाजी की जय जयकार, बच्चा बच्चा करे पुकार बालाजी की जय जयकार जैसे नारों से पूरा वातावरण हनुमान मय हो गया। वहीं कुर्ता पजामा धारण किए पुरुष वर्ग जय श्री राम के नारे लगाते हुए आगे चलते दिखाई दिए इससे पूर्व नेहरू वाली स्थित मंदिर में कलश तथा जल की विधिवत पूजा अर्चना एवं आरती की गई है। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा ने पूजा अर्चना की तथा कलश यात्रा में सर पर कलश रखकर सबसे आगे चलते हुए यात्रा की अगुवाई की। इसी जल से तथा दूध, दही, शहद, शक्कर एवं अन्य सामग्रियों से बाबा का महा अभिषेक कर पंचामृत का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। जिसमें समिति के सभी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन 6 अप्रैल सायं 6 बजे से किया जाएगा। जिसमें चार दिवसीय महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर तथा अंजनी पुत्र हनुमान के विग्रह को भी विशेष रुप से फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर के आसपास के इलाके को रंग बिरंगी विद्युत की रोशनी एवं सजावट के साथ पूरे इलाके को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति ने समाज बंधुओं से सभी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जीआरए का रक्तदान शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। रक्त की कमी से जूझते समाज से ही कुछ संगठन जब आगे बढ़कर रक्तदान शिविर लगाते हैं तो अपने आप में यह खबर बन जाती है। रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गुवाहाटी रियल्टर्स एसोसिएशन (जीआरए) के तत्वावधान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर की खास बात यह रही इसमें 3 लोगों ने पहली बार रक्तदान किया, जिसमें एक महिला श्रीमती पूनम अग्रवाल ने भी पहली बार रक्तदान किया। उन्हें ब्लड बैंक की तरफ से अभिनंदन किया गया और ब्लड डोनर की लैपल पिन भी भेंट की गई। गुवाहाटी रिएल्टर्स एसोसिएशन की तरफ से उन्हें फुलम गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। गुवाहाटी रियल्टर्स एसोसिएशन ने पहले भी कई बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष विकास गोयनका ने इस शिविर को सफल बनाने में काफी मेहनत की। श्री अग्रवाल ने बताया कि उनकी संस्था पहले भी रक्तदान का आयोजित करती आई है और आगे भी इसी तरीके से अन्य समाज सेवा से जुड़े कार्य करती रहेगी। एसोसिएशन की तरफ से संजय अग्रवाल (अध्यक्ष), सचिन अग्रवाल (सचिव), पंकज महेश्वरी, अभिमन्यु मोदी, हर्ष जैन, नयन मेधी, आशीष साहा, संजय गुप्ता, बसंत जैन, विशाल तोदी, गौरव अग्रवाल, सौरभ खंडेलिया मौजूद थे। उपाध्यक्ष विकास गोयनका के प्रयास से बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। संस्था की ओर से उन्हें विशेष धन्यवाद दिया गया। इस मौके पर ब्लड बैंक की तरफ से डॉक्टर टीवी दत्ता, डॉक्टर दिनेश अग्रवाल, डॉ. मनोज देवरी एवं ब्लड बैंक की टीम का संपूर्ण सहयोग मिला। गुवाहाटी रियलटर्स एसोसिएशन रियल एस्टेट खरीदारों को सही ब्रोकर मिल सके इस क्षेत्र में एक मजबूत कड़ी का काम कर रही है।

गोलाघाट में हिंदू युवा परिषद ने जलाया खालिस्तानी झंडा

गोलाघाट (हिंस)। असम हिंदू युवा परिषद की गोलाघाट जिला समिति ने खालिस्तान समर्थकों की मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को दी गयी धमकी के विरोध में मंगलवार को प्रदर्शन किया। संगठन ने गोलाघाट के बाटा प्वाइंट पर खालिस्तानी झंडे जलाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने दावा किया कि राज्य के मुख्यमंत्री को धमकी देने के इस तरह के कृत्य स्वीकार्य नहीं हैं, जिसके लिए संगठन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमृत शाह से मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि हिंदू युवा परिषद असम ने इस तरह की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की और संगठन को चेतावनी दी। इस संबंध में असम पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज केंद्रीय एजेंसियों को भी आवश्यक कदम उठाने के लिए कदम उठाने के लिए पत्र प्रेषित किया है।

No. DVT-223/RIDF-XXVII (S)/Biswanath/2022-23/7

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Director of A.H. & Veterinary Deptt., Assam. on behalf of the Governor of Assam, invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam and Dairy Development, Assam with e-Tendering system provider through e- Tendering Portal **www.assamtenders.gov.in**. Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov.in**. and also in the Engineering Cell of this Directorate during office hours from **31.03.2023 to 25.04.2023.**

Sl. No.	Work Dscription	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee (Rs.)	Bid Security Fee (Rs.)	Completion Period
1	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Disir Pathar** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
2	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Panibharal** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
3	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Kathanibari** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
4	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Kolongpur** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
5	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Kauripathar** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
6	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification. Water supply and sanitary works etc. at **Dakhin Kalabari** in Biswanath District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days

Bidders submitting Bids through online have also to submit each copy of the Documents of Technical Bid manually. The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule. Bid will be rejected / cancelled if Financial Bid submitted off line / hard copy.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVAILABILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON e-PROCUREMENT PORTAL	**31.03.2023** (11.00 HRS) **25.04.2023** (14.00 HRS)
PRE-BID METTING	**04.04.2023** at 13.00 HRS.
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	UP TO 14.00 HRS on **25.04.2023.**
LAST DATE AND TIME FOR HARD COPY SUBMISSION (TECHNICAL BID)	UP TO 14.00 HRS ON **25.04.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS ON **26.04.2023.**
DATE AND TIME OF FINANCIAL BID OPENING	Intimated later on

Director
A.H. & Vety. Department, Assam
Chenikuthi, Guwahati-3

-- Janasanyog /C/ 303 /23

आईएनएस विक्रांत पर हुआ नाइट लैंडिंग ट्रायल, जून तक होगा ऑपरेशनल

- पहली बार पोत के डेक पर रात में उतारा गया कामोव 31 हेलिकॉप्टर
- स्वदेशी प्रकाश सहायक उपकरण और शिपबोर्न सिस्टम पूरी तरह कामयाब

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर पहली बार रात के समय कामोव 31 हेलिकॉप्टर उतार कर 'नाइट लैंडिंग' का सफल परीक्षण किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि परीक्षण के दौरान स्वदेशी प्रकाश सहायक उपकरण और शिपबोर्न सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो पूरी तरह सफल सिद्ध हुए। इससे पहले 06 फरवरी को 'एलसीए नेवी' की दिन में लैंडिंग और टेक ऑफ का परीक्षण किया जा चुका है। लड़ाकू विमानों के परीक्षण पूरे होने के बाद आईएनएस विक्रांत जून तक पूरी तरह से ऑपरेशनल हो जाएगा। आईएनएस विक्रांत को पिछले साल सितंबर में नौसेना में शामिल किया गया था, लेकिन विमान वाहक पोत के डेक से लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ का परीक्षण न होने से यह पूरी तरह से चालू नहीं था। इसलिए पोत पर फाइटर जेट लैंड और टेक ऑफ करने के परीक्षण शुरू किये गए। इसी क्रम में भारतीय नौसेना के पायलटों ने 06 फरवरी को आईएनएस विक्रांत पर स्वदेशी

हल्के लड़ाकू विमान 'एलसीए नेवी' को सफलतापूर्वक लैंड और टेक ऑफ करने का सफल परीक्षण किया।

स्वदेश में ही निर्मित विमान वाहक पोत पर स्वदेशी लड़ाकू विमान संचालित करके भारत ने अपनी क्षमता का एक साथ अनूठा प्रदर्शन किया। विमान वाहक पोत पर दिन में लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ के परीक्षण होने के बाद अब नाइट लैंडिंग का सफल ट्रायल किया गया है। आईएनएस हंसा से नेवल फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के पायलटों और एयर टेक ऑफिसर की टीम ने आईएनएएस 339 (फाल्कन्स) के कामोव 31 हेलिकॉप्टर की पहली नाइट लैंडिंग के साथ एक और कामयाबी हासिल की है। यह परीक्षण 28 मार्च को किया गया था, जिसका आधिकारिक तौर पर अब खुलासा किया गया है। सफलतापूर्वक परीक्षण में स्वदेशी विमान वाहक पोत से प्रकाश सहायक उपकरण और शिपबोर्न सिस्टम सिद्ध हुए। इसके साथ ही आईएनएस विक्रांत से नाइट ऑपरेशन का संचालन किये जाने की भी शुरूआत हुई है। आईएनएस विक्रांत पर फिलहाल 12 मिग-29के तैनात किए जाने की संभावना है, लेकिन इस पोत के लिए भारत खुद स्वदेशी जुड़वां इंजन वाले डेक-आधारित लड़ाकू (टीईडीबीएफ) विकसित करेगा। नौसेना इस परियोजना पर रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी के साथ काम कर रही है। टीईडीबीएफ का पहला प्रोटोटाइप 2026 के आसपास तैयार होने की संभावना है और इसका उत्पादन 2032 तक शुरू हो सकता है। चूंकि टीईडीबीएफ अभी भी एक दशक दूर है, इसलिए नौसेना विकल्प के तौर पर 26 लड़ाकू विमानों को खरीदने पर विचार कर रही है।

आपदाओं का बढ़ रहा वैश्विक प्रभाव, एकीकृत प्रयास जरूरी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए आपदाओं के वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव के प्रति आगाह किया। उन्होंने संतोष जताया कि पूरी दुनिया अब एक होकर इस दिशा में प्रयास करने लगी है। प्रधानमंत्री ने आपदा के प्रति एकीकृत प्रतिक्रिया पर बल दिया और कहा कि सीडीआरआई इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, "उन्नत अर्थव्यवस्थाएं और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं, छोटे देश और बड़े देश, वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण इस मंच पर एक साथ आ रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कुछ ही वर्षों में 40 से अधिक देश सीडीआरआई का हिस्सा बन गए हैं। इस प्रकार यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मंच बनता जा रहा है। यह भी

उत्साहजनक है कि सिर्फ सरकारें ही इसमें शामिल नहीं हैं, बल्कि वैश्विक संस्थाएं और निजी क्षेत्र भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले साल घोषित इंफ्रास्ट्रक्चरल रेजिलिएशन एक्सेलेरेटर फंड में विकासशील देशों के बीच अत्यधिक रुचि पैदा की है। यह 50 मिलियन डॉलर का कोष है। सम्मेलन के विषय "डिलीवरिंग रेजिलिएंट एंड इनक्लूसिव इन्फ्रास्ट्रक्चर" पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना के मामले में किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए और संकट के समय में भी लोगों की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा सोशल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जितना ही महत्वपूर्ण है। जी-20 में भी सीडीआरआई से जुड़ी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखने की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे कई कार्यकारी समूह में शामिल किया गया है।

डीसीडब्ल्यू ने सरकारी अस्पतालों में यौन हिंसा पीड़ितों की एमएलसी में देरी पर दिल्ली सरकार को दी सलाह

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में यौन हिंसा की पीड़ितों का चिकित्सीय परीक्षण करने में देरी को रोकने के लिए कुछ अहम सिफारिशें की हैं। एनसीआरबी की क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट 2022 के अनुसार दिल्ली सबसे असुरक्षित महानगरीय शहर है और देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राजधानी में रोजाना रेप की औसतन छह घटनाएं हो रही हैं। अपराधों की चिंताजनक संख्या के साथ-साथ यौन हमले की पीड़ितों द्वारा झेली जाने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए पीड़िताओं के लिए सहायता प्रणालियों को तत्काल मजबूत किया जाना चाहिए। डीसीडब्ल्यू ने अपने ऑब्जर्वेशन का हवाला देते हुए कहा है कि राजधानी के सरकारी अस्पतालों में वन स्टॉप सेंटर ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, जिससे चिकित्सीय परिक्षण करने में काफी देरी हो रही है। इस संबंध में डीसीडब्ल्यू ने सरकारी अस्पतालों में यौन हिंसा की शिकार महिलाओं को

हो रही दिक्कतों के कारणों का पता लगाने के लिए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था। इस प्रक्रिया में गंभीर कमियों की पहचान की गई। इसके साथ ही यह देखा गया कि गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और हेडगेवार अस्पताल जैसे कुछ अस्पतालों में वन स्टॉप सेंटर ही नहीं है। डीसीडब्ल्यू ने सिफारिश की है कि इनमें से प्रत्येक अस्पताल में तत्काल वन स्टॉप सेंटर स्थापित किया जाए। जांच में यह भी पता चला कि ऐसे 5 चरण थे, जिनमें पीड़िताओं की एमएलसी के दौरान देरी का अनुभव किया गया। इनमें आपातकालीन कक्ष में, पीड़िता का यूपीटी परीक्षण करते समय, स्त्री रोग विशेषज्ञ की प्रतीक्षा करते समय, नमूनों को सील करते समय और दस्तावेजीकरण प्रक्रिया के दौरान ये खामियां मिलीं। उदाहरण के लिए अरुणा आसफ अली अस्पताल में यूपीटी परीक्षण वन स्टॉप सेंटर के अंदर नहीं बल्कि अस्पताल के एक अलग तल या विंग में किया जा रहा है। इसके अलावा कलावती शरण अस्पताल यूपीटी परीक्षण किटों को संग्रहीत नहीं करता है, परिणामस्वरूप पीड़िता को यूपीटी परीक्षण के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल (जो एक काफी दूर है) जाने के लिए मजबूर किया जाता है और फिर एमएलसी के लिए कलावती के पास वापस जाना पड़ता है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं को इन प्रक्रियाओं के कारण काफी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है । यह बिलकुल भी स्वीकार नहीं किया जायेगा कि उन्हें अपनी एमएलसी कराने के लिए 6 घंटे से अधिक इंतजार करना पड़े, क्योंकि यह उनके आघात को और बढ़ाता है। हमने अस्पतालों में पीड़िताओं द्वारा अनुभव किए गए मुद्दों के बारे में विस्तार से रिपोर्ट बनायी है और इस संबंध में सरकार को समग्र सिफारिशें दी हैं। हम इस मुद्दे पर काम करेंगे ताकि पीड़िता आगे सिस्टम द्वारा प्रताड़ित महसूस न करे।

अडानी की शेल कम्पनियों में लगे 20 हजार करोड़ किसके हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने पूछा है कि अडानी की शेल कंपनियों में लगे 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देजनर कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में चल रही है। बैठक में शामिल होने पहुंचे राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अडानी की शेल कम्पनियों में 20 हजार करोड़ बेनामी हैं। आखिर यह पैसा किसका है। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई

कि मीडिया उनसे हमेशा भाजपा के पूछे गए सवालों को पूछता है। इसी बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक कर्नाटक चुनाव में बचे हुए उम्मीदवारों के चयन के लिए आयोजित की गई है। इसमें कुशल उम्मीदवारों का चयन किया जाएगी।

पश्चिम बंगाल हिंसा का आरोपित बिहार के मुंगेर से गिरफ्तार

पटना, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी के दिन हिंसा फैलाने के मामले में पुलिस ने बिहार के मुंगेर जिले से मंगलवार को एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी सुमित साव के रूप में की गई है। पश्चिम बंगाल में शोभायात्रा के दौरान उपद्रव फैलाने के बाद वह बिहार के मुंगेर जिला में अपने दोस्त के ठिकाने पर छिपकर बैठा था। हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के दौरान उसका हथियार लहराते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बंगाल पुलिस ने उसे मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पश्चिम बंगाल की पुलिस मेडिकल जांच कराकर सुमित को कोर्ट में प्रस्तुत करेगी। इसके बाद सुमित को पश्चिम बंगाल साथ ले जाएगी। आरोपित सुमित साव को कासिम बाजार थाना क्षेत्र मक्ससपुर इलाके में अपने दोस्त के यहां से गिरफ्तार किया गया। रामनवमी के बाद वह मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड के बंगलवा में रिश्तेदार के यहां आया था। रिश्तेदार से मिलने के बाद यह कासिम बाजार थाना क्षेत्र में अपने दोस्त के यहां रह रहा था। सोमवार की देर रात पश्चिम बंगाल की पुलिस मुंगेर पहुंची और कासिम बाजार पुलिस की मदद से आरोपित सुमित साव को आज गिरफ्तार किया। मुंगेर पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने आरोपित के गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

आरोपित की पहले सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराई जाएगी। फिलहाल, पश्चिम बंगाल की पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। बंगाल में रामनवमी के दिन शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हावड़ा, हुगली समेत कई हिस्सों में माहौल तनावपूर्ण है। राज्य सरकार ने धारा 144 लागू कर इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी। मंगलवार को भी हुगली जिला हिंसा की आग में सुलगता रहा।

पश्चिम बंगाल में बाल विवाह मामले में पुलिस महानिदेशक को एनसीपीसीआर का नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पिछले डेढ़ साल में बाल विवाह के 1630 मामले सामने आए हैं। इस मामले में मंगलवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर 10 दिनों में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने अपने नोटिस में पुलिस महानिदेशक को पश्चिम बंगाल में पिछले डेढ़ साल में बाल विवाह के कुल मामलों की संख्या और उन पर की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इससे पहले इसे लेकर आयोग के अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल की प्रमुख सचिव को सम्मन भेजा था। मंगलवार को प्रमुख सचिव ने एनसीपीसीआर कार्यालय पहुंच कर बाल विवाह के मामलों पर जानकारी दी। आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बताया कि पश्चिम बंगाल

के कलेक्टरों द्वारा बाल विवाह रोकथाम की जानकारी न दिए जाने पर विभाग की प्रमुख सचिव को बुलाया गया था। प्रमुख सचिव के अनुसार डेढ़ साल में बाल विवाह के 1630 मामले पुलिस को सूचना देने के बाद भी नहीं रोके गए हैं। आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक बाल विवाह के 4001 मामले संज्ञान में आए, जिसमें 2939 मामले रोके गए जबकि 1062 मामलों में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट गायब है। इसी तरह अप्रैल 2022 से सितंबर 2022 तक 2732 मामले संज्ञान में आए। जिनमें 2154 बाल विवाह रोके गए जबकि 578 मामलों पर क्या कार्रवाई की गई इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ साल में बाल विवाह के कुल 1630 मामलों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी गई है।

शशि थरूर इंदौर में बोले- संविधान खतरे में, भाजपा खत्म करने की कर रही तैयारी

इंदौर, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आज सरकार सिर्फ अपने मन की बात सुना रही है। वह जनता के मन की बात सुनना ही नहीं चाहती। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब सरकार खुद संसद नहीं चलने देना चाहती। लगातार संसद ठप की जा रही है, ताकि विपक्ष के नेता कुछ भी बोल न सकें। संविधान खतरे में है और भाजपा अब इसे भी खत्म करने की तैयारी कर रही है। शशि थरूर मंगलवार को इंदौर में रवीन्द्र नाट्यगृह में अधिवक्ताओं द्वारा संविधान का संरक्षण और संविधान का उत्थान विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने केन्द्र सरकार पर जाति के नाम पर देश को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्या सरकार डिवाइड

एन्ड रूल की नीति पर चल रही है? धर्म आधारित राजनीति को सुनने वाले पाकिस्तान चले गए। बाकी ने गांधी जी, नेहरू जी, सरदार पटेल के भारत को चुना। भाजपा से जुडी विचारधारा ने तब भी इसे पसंद नहीं किया और अब भी पसंद नहीं कर रही है। कांग्रेस संविधान को पूरा सम्मान देना चाहती है। कोई हिन्दू खतरे में नहीं है, संविधान जरूर खतरे में है। ऐसे ही चलता रहा तो पार्टिशन इन द स्वाइल ऑफ इंडिया हुआ था, अब पार्टिशन इन सोल ऑफ इंडिया होगा। लोकसभा सांसद थरूर ने कहा कि देश में आज राष्ट्रपति तो कहीं दिखाई ही नहीं देती। भाजपा ने उनका कद इतना कम कर दिया कि जहां राष्ट्रपति को होना चाहिए, वहां भी प्रधानमंत्री मोदी ही नजर आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की धार्मिक विविधता का उदाहरण 1971 का पाकिस्तान युद्ध है। इस युद्ध में भारतीय सेना की विभिन्न कमानों की अगुआई पारसी, सिख, मुस्लिम, ईसाई आदि धर्मों के लोग थे। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदू राष्ट्र बनाना चाहती है तो क्या यहां दूसरे धर्म के लोगों के लिए बराबर के अधिकार नहीं होंगे। यह हम सभी के लिए सोचने का विषय है। कार्यक्रम में मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी मौजूद थे। इस मौके पर "गांधी सियासत और सांप्रदायिकता" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के साथ बड़ी संख्या में विधि छात्र भी मौजूद रहे।

ठाणे में महिला कार्यकर्ता पर हमले को लेकर राजनीति गरमाई, उद्धव ठाकरे ने मांगा गृहमंत्री का इस्तीफा

- महाविकास आघाड़ी बुधवार को ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय पर निकालेगा मोर्चा

मुंबई, (हि.स.)। ठाणे जिले में सोमवार शाम को एक महिला कार्यकर्ता पर हुए हमले को लेकर राज्य में राजनीति गरमा गई है। इस घटना के विरोध में महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों ने बुधवार को ठाणे पुलिस मुख्यालय पर मोर्चा निकालने की घोषणा की है। मंगलवार को अस्पताल में घायल महिला को देखने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर देवेंद्र फडणवीस को गृहमंत्री का पद पर काम करते नहीं बन रहा है, तो उन्हें तत्काल इस पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि गृहमंत्री के घर पर कोई तकलीफ होती है तो वे तत्काल एसआईटी का गठन करते हैं। महिला पर हमला होने के दूसरे दिन तक सादा मामला तक दर्ज नहीं किया जाता। इसी तरह विरोधी दल के नेताओं पर हमला होने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उद्धव

ठाकरे ने बताया कि ठाणे जिले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके कार्यकताओं के इशारे पर पुलिस आयुक्त काम करते हैं, ठाणे में देवेंद्र फडणवीस का पुलिस पर वर्चस्व नहीं है, इसलिए उन्हें पद से हट जाना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर गृहमंत्री में हिम्मत है तो तत्काल ठाणे पुलिस आयुक्त का तबादला करें वर्ना सिर्फ दस मिनट के लिए पुलिस व्यवस्था हटा लें, शिवसैनिक हिसाब चुकता करने में सक्षम हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि ठाणे जिले में कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। महिला पर ४० से अधिक लोगों ने मिलकर कार्यकर्ता पर हमला किया। हमलावरों में महिलाएं भी शामिल थीं। घायल महिला का आईसीयू में इलाज हो रहा है, लेकिन अब तक मामला दर्ज नहीं किया गया है। जयंत पाटिल ने बताया कि पूर्व मंत्री जयंत पाटिल के पूर्व अंगरक्षक वैभव कदम ने पुलिस की ज्यादती से आत्महत्या कर ली। वैभव कदम पर जीतेंद्र आव्हाड के विरुद्ध बयान देने के लिए दबाव डाला जा रहा था। इस मामले की जांच नहीं की जा रही है। शिवसेना सांसद विनायक राऊत ने कहा कि ठाणे गुंडों का अड्डा बन गया है। यहां पुलिस एकनाथ शिंदे के इशारे पर गलत काम में लगी हुई है। इसी वजह से कल ठाणे में शिवाजी चौक से ठाणे आयुक्तालय तक महाविकास आघाड़ी का मोर्चा निकाला जाएगा। इस मोर्चा का नेतृत्व युवा शिवसेना अध्यक्ष आदित्य ठाकरे, राकांपा नेता जीतेंद्र आव्हाड, कांग्रेस नेता विक्रम चव्हाण करेंगे। दरअसल सोमवार शाम को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थकों ने मिलकर उद्धव ठाकरे समर्थक महिला कार्यकर्ता रोशनी शिंदे पर जानलेवा हमला कर दिया था। इस घटना के बाद रोशनी शिंदे को ठाणे के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। निजी अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि महिला की हालत स्थिर है।

यमुना के पानी में बढ़ा अमोनिया का स्तर

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में पेयजल आपूर्ति के हिसाब से यमुना नदी का बेहद महत्वपूर्ण योगदान है। यही वजह है कि बीते दिनों यमुना नदी में अमोनिया का प्रभाव देखा जा रहा था। अब एक बार फिर से दिल्ली के लोगों के लिए बेहद चिंताजनक खबरें सामने आई है। जब दिल्ली के यमुना नदी में अमोनिया का स्तर लगातार बढ़ रहा है। अब तक मिली रिपोर्ट के अनुसार यमुना नदी में अमोनिया का स्तर 7.8 पीपीएम तक पहुंच चुका है। यह काफी खतरनाक माना जा रहा है। इसकी वजह से दिल्ली के वाटर सप्लाई पर भी सीधा असर पड़ रहा है। दरअसल, यमुना नदी में अमोनिया का स्तर 7.8 पीपीएम तक पहुंचने से सीधे-सीधे दिल्ली के दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर असर पड़ा है, जिसकी वजह से घरों में पानी सप्लाई भी प्रभावित होती दिखाई दे रही है। प्रभावित क्षेत्रों में सिविल लाइंस, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, एनडीएमसी क्षेत्र, ओल्ड और न्यू राजेंद्र नगर, प्रेम नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, इंद्रपुरी, कालकाजी, तुगलकाबाद, गोविंदपुरी, संगम विहार, अंबेडकर नगर, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, सुभाष मार्ग, प्रहलादपुर, मॉडल टाउन, गुलाबी बाग, जहांगीरपुरी, पंजाबी बाग, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, दिल्ली कैंट के कुछ क्षेत्र अथवा साउथ दिल्ली के कुछ इलाके शामिल है।

बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरुद्ध महाराष्ट्र में मामला दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरुद्ध महाराष्ट्र के प्रसिद्ध तीर्थ शिरडी के साईंबाबा के बारे में विवादित बयान देने पर बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत शिरडी साई संस्थान के पूर्व ट्रस्टी राहुल कनाल ने दर्ज करवाई है। इस शिकायत के बाद बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की मुश्किलें बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। राहुल कनाल ने कहा कि महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित शिरडी में साईंबाबा का मंदिर है। इस मंदिर में करोड़ों से अधिक भक्त साईंबाबा का दर्शन करते हैं लेकिन बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने साईंबाबा के बारे में गलत और विवादित बयान देकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश की है। इसलिए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर कानूनन सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। दरअसल, कुछ दिनों पहले भक्तों ने धीरेंद्र शास्त्री से पूछा था कि साईं बाबा की पूजा करनी चाहिए या नहीं? इसका जवाब देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि शंकराचार्य ने साईं बाबा को भगवान का पद नहीं दिया है, इसलिए शंकराचार्य के मत को मानना हमारे लिए अनिवार्य है। यह हर सनातन पुरुष का कर्तव्य है, क्योंकि शंकराचार्य धर्म के प्रधान मंत्री हैं। इसलिए साईं बाबा को भगवान का स्थान नहीं दिया जा सकता। साथ ही, 'तुलसीदास और सूरदास जैसे सभी व्यक्ति देवता नहीं बल्कि महापुरुष और संत हैं। मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता लेकिन यह सच्चाई है। साईं बाबा भगवान नहीं हैं। साईं बाबा को हम संत और फकीर कह सकते हैं। धीरेंद्र शास्त्री के इस विवादित बयान का शिरडी के ग्रामीणों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

श्रीलंका-भारत की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'स्लिनेक्स' शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास स्लिनेक्स का दसवां संस्करण कोलंबो में शुरू हुआ है। समुद्री अभ्यास का बंदरगाह चरण 05 अप्रैल तक और समुद्री चरण 08 अप्रैल तक श्रीलंका के समुद्र तट पर होगा। इस अभ्यास में दोनों सेनाओं के युद्धपोत और हेलीकॉप्टर हिस्सा लेंगे। श्रीलंका-भारत के बीच स्लिनेक्स का पिछला संस्करण मार्च, 2022 में विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था। नौसेना प्रवक्ता के अनुसार इस द्विपक्षीय अभ्यास में श्रीलंका नौसेना का प्रतिनिधित्व एसएलएनएस गजबाहू और एसएलएनएस सागर कर रहे हैं। भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व आईएनएस किलटन, स्वदेशी कामोर्टा वर्ग एएसडब्ल्यू कार्वेट और अपतटीय गश्ती पोत आईएनएस सावित्री कर रहे हैं। इसके अलावा समुद्री गश्ती विमान, हेलीकॉप्टर और दोनों पक्षों के विशेष बल भी अभ्यास में भाग लेंगे। बंदरगाह चरण में पेशेवर, सांस्कृतिक, खेल और सामाजिक आदान-प्रदान शामिल होंगे।

समुद्री चरण के दौरान अभ्यासों में सतह और वायुरोधी हथियार फायरिंग अभ्यास, सीमैनशिप विकास, क्रॉस डेक फ्लाइंग सहित विमानन संचालन, उन्नत सामरिक युद्धाभ्यास और समुद्र में विशेष बल संचालन शामिल होंगे। ये दोनों नौसेनाओं के बीच पहले से मौजूद अंतर-संचालन के उच्च स्तर को और बढ़ाएंगे। अभ्यास का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच दोस्ती और भाईचारे के बंधन को और मजबूत करना है। इसीलिए बंदरगाह चरण के दौरान पेशेवर, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों के साथ-साथ सामाजिक आदान-प्रदान की भी योजना बनाई गई है। स्लिनेक्स अभ्यास भारत और श्रीलंका के बीच गहरे समुद्री जुड़ाव का उदाहरण है। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति और 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' के तहत आपसी सहयोग को मजबूत करने का दायरा बढ़ा है।

नए सिरे से भड़की हिंसा के बाद हावड़ा स्टेशन पर देर रात तीन घंटे तक खड़ी रही गाड़ियां, डर से सहमे रहे यात्री

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिला अंतर्गत रिसड़ा स्टेशन पर सोमवार रात नए सिरे से भड़की हिंसा का ट्रेनों के संचालन पर भी असर पड़ा है। रात 9:30 बजे के करीब रिसड़ा स्टेशन के चार नंबर रेल गेट के पास बमबारी, आगजनी, पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। इसकी वजह से कोन्ननगर से लेकर हावड़ा तक सभी ट्रेनों को रोक दिया गया। इधर श्रीरामपुर से लेकर बर्धमान तक ट्रेनों को रोकना पड़ा। हालात के बिगड़ने का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जो ट्रेन रात 9:51 पर रुकी, वह रात 1:00 बजे के करीब गंतव्य के लिए रवाना हुई। कोन्ननगर से लेकर हावड़ा स्टेशन के बीच लगभग प्रत्येक स्टेशन पर कई ट्रेनें खड़ी हो गईं। इसे लेकर यात्री डर के साए में बैठे थे। इधर, हावड़ा स्टेशन पर ट्रेनों के देर से छोड़े जाने की वजह से यात्रियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

नाराज यात्रियों को रेलवे अधिकारियों ने समझाया-बुझाया। लगातार एनाउंस हो रहा था कि स्टेशन के रेल गेट के पास विरोध प्रदर्शन और बमबारी की वजह से ट्रेनों का संचालन रोका गया है। दंगाइयों ने रेल गेट को बंद करने से रोक दिया था

जिसकी वजह से ट्रेनों का संचालन ठप हो गया था। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मुखर्जी ने मंगलवार सुबह बताया कि स्टेशन से बाहर किसी भी तरह की हिंसा होने पर उसकी जिम्मेवारी पुलिस प्रशासन की होती है। रेलवे की ओर से इस बारे में प्रशासन से संपर्क किया गया था लेकिन हालात काबू होने में वक्त लगा। इस वजह से ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया था। बर्धमान बैंडल की ओर जाने वाली करीब एक दर्जन से अधिक ट्रेनें रोक दी गई थीं जबकि हावड़ा से खुलकर काठगोदाम तक जाने वाली बिहार, उत्तर प्रदेश की सबसे पसंदीदा ट्रेन बाघ एक्सप्रेस को भी रोक देना पड़ा था। रात 1:05 पर बाघ एक्सप्रेस रवाना हुई जिसे लेकर यात्रियों ने कड़ी नाराजगी जताई। आरोप है कि ट्रेन में पानी भी नहीं मिल रहा था और स्टेशन के आसपास दुकानें बंद होने की वजह से यात्री काफी परेशानी में थे।

केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात लापता सिपाही का शव गंग नहर में मिला

मेरठ, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के सिपाही का शव मंगलवार को गंग नहर में भोला की झाल में मिल गया। सिपाही कई दिन से गायब था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सरधना थाना क्षेत्र के पोहल्ली गांव निवासी गोपीचंद दिल्ली पुलिस में सिपाही था। इस समय वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनकी सुरक्षा में तैनात था। वह अपने घर सात अप्रैल तक की छुट्टी लेकर आया था। 26 मार्च को घर से थोड़ी देर में आने की बात कहकर निकला था। इसके बाद से ही उसकी खोजबीन चल रही थी। परिजनों ने उसकी कई जगह तलाश की। सिपाही की पत्नी रेखा रानी ने सरधना थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों ने एसएसपी रोहित सिंह सजवाण से मिलकर गायब सिपाही का पता लगाने की गुहार लगाई थी। मंगलवार को गायब सिपाही गोपीचंद का शव गंग नहर स्थित भोला झाल से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कानपुर अग्निकांड को लेकर सपा नेता रविदास ने सरकार को घेरा, व्यापारियों को मिले मुआवजा

- लापरवाही में खराब हुई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, हादसे पर दूसरे जिलों से मंगवानी पड़ी दमकल

कानपुर (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और कानपुर के प्रभारी रविदास मेहरोत्रा ने मंगलवार को कानपुर प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने हमराज कॉम्प्लेक्स समेत कई टॉवरों (मार्केट) में लगी आग की घटना को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों नगर के बांसमंडी स्थित हमराज कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग अभी तक नहीं बुझ सकी है। इस अग्निकाण्ड में कपड़ा कारोबारियों का लगभग 30 अरब का नुकसान हुआ है। लेकिन सरकार ने अभी तक किसी भी व्यापारी को कोई मुआवजा देने की बात नहीं कही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में सपा सरकार ने आग बुझाने के लिए यूपी में 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां खरीदी थी। इनमें कुछ वाहन कानपुर में भी भेजे गए थे। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार एवं प्रशासन की लापरवाही से अधिकांश गाड़ियां खराब हो चुकी हैं। जब हमराज कॉम्प्लेक्स और मसूद कॉम्प्लेक्स में आग लगी तो वह गाड़ियां उपयोग में नहीं आ सकी। आग बुझाने के लिए लखनऊ समेत आसपास के कई जिलों से दमकल गाड़ियां मंगानी पड़ी। जब तक वे गाड़िया पहुंची तब तक आग से भारी नुकसान हो गया। सपा नेता ने इस अग्निकाण्ड के लिए शासन एवं प्रशासन को पूर्ण रूप से जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि फायर ब्रिगेड की उपयोगी सात गाड़ियां खराब हालत में क्यों खड़ी थी, सरकार ने उन्हें क्यों नहीं ठीक कराया। समय रहते सरकार चेत जाती तो व्यापारियों का इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। व्यापारियों के नुकसान को देखते हुए मौजूदा सरकार से वे मांग करते हैं कि प्रभावितों को तत्काल मुआवजा दिया जाए।

गांवों को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए ग्राम प्रधानों को ट्रेनिंग देगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गांवों को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए योगी सरकार अब ग्राम प्रधानों, खंड प्रेरक, पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारियों को ट्रेनिंग देगी। इसके लिए प्रदेश भर में 21 ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे। वहां अलग-अलग सत्रों में कुल 83 हजार लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी गांवों में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन को लेकर उचित कदम उठाने और इसके लिए ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने की तैयारी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रदेश के 25 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। हाल ही में ट्रेनिंग देने वाले मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का कार्य पूरा किया गया है। अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज कुमार के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 25 हजार 145 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। इसके तहत 43 हजार 242 राजस्व गांवों को लेकर लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इन गांवों में प्रथम चरण में प्राप्त उपलब्धियों को आगे भी बनाये रखने के साथ ही ठोस एवं तरल कचरे के प्रबन्धन के लिए विभिन्न अभियान चलाए जाएंगे। इसी क्रम में ग्राम प्रधान, खण्ड प्रेरक एवं पंचायत सहायक आदि लगभग 83 हजार लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।वह वास्तविक रूप से गांवों में काम करेंगें। इन 83 हजार लोगों का प्रशिक्षण लखनऊ स्थित प्रिट कार्यालय के अलावा 20 जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी) पर कराया जाना है। मनोज कुमार ने बताया कि ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं प्रेरकों आदि को ट्रेनिंग देने के लिए हर प्रशिक्षण केन्द्र पर छह मास्टर ट्रेनर तैनात किये गये हैं। पूरे प्रदेश के लिए कुल 126 मास्टर ट्रेनर्स तैनात किये गये हैं। हाल ही में पंचायती राज निदेशालय में इन सभी मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया है।

झारखंड की तीन हॉकी खिलाड़ी जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिए आमंत्रित

रांची, (हि.स.)। जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम का राष्ट्रीय कैंप साईं सेंटर, बेंगलुरु में 10 अप्रैल से 27 मई तक लगेगा। इसके लिए झारखंड की तीन महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। हॉकी इंडिया के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर कमांडर आरके श्रीवास्तव ने हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह को पत्र लिखकर बताया है कि दीपिका सोरेंग, महिमा टेटे और काजल बाड़ा को राष्ट्रीय कैंप के लिए बुलाया गया है। तीनों ही खिलाड़ी सिमडेगा जिले की हैं। महिमा टेटे सिमडेगा जिला सदर प्रखंड के बरकीछापर गांव की रहने वाली हैं। वे ओलंपियन सह एशिया महादेश की एथलीट एंबेसडर सलीमा टेटे की छोटी बहन हैं। दीपिका सोरेंग और काजल बाड़ा सिमडेगा के ही केरसई प्रखंड अंतर्गत करंगागुडी की रहने वाली हैं। दीपिका और महिमा टेटे पूर्व में भी जूनियर भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। तीनों खिलाड़ियों के इंडिया कैंप में आमंत्रण पर हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी, चंद्यार्णी मजूमदार, संयुक्त सचिव माइकल लाल, बिगन सोय, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा, सीईओ रजनीश कुमार सहित हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

दस मई को विप्लवी पुस्तकालय गोदरगावां आएंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर दस मई को बेगूसराय आएंगे। वे गोदरगावां में कैफी आजमी की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की प्रशासनिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आश्वासन के आधार पर आयोजन समिति ने तैयारी तेज कर दी है। विप्लवी पुस्तकालय गोदरगावां के परिसर में मशहूर शायर कैफी आजमी की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही कैफी आजमी सांस्कृतिक विहार की स्थापना किया जा रहा है। इसके लिए आयोजन समिति ने मुख्यमंत्री को बुलाने की इच्छा जताई थी। पूर्व विधायक और पुस्तकालय के संरक्षक राजेन्द्र राजन ने सोमवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आने का अनुरोध किया। मुलाकात के दौरान विधान परिषद सदस्य सर्वेश कुमार एवं मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह भी उपस्थित थे। जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दस मई को आयोजित कार्यक्रम आने की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री के साथ वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कैफी आजमी सांस्कृतिक विहार का उद्घाटन एवं प्रतिमा का अनावरण के बाद मुख्यमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि बेगूसराय जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर मटिहानी प्रखंड में गोदरगावां में आजादी के वीर नायकों द्वारा स्थापित पुस्तकालय ना केवल साहित्य बल्कि संस्कृति और समन्वय का भी अनुपम केंद्र है। गांव के प्रवेश द्वार पर विशालकाय चन्द्रशेखर आजाद, पुस्तकालय परिसर में भगत सिंह, प्रेमचंद, मीराबाई, कबीर एवं डॉ. पी. गुप्ता आदि की प्रतिमा इतिहास और संस्कृति का बोध कराती है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू कि 32 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को यहां दो दिवसीय साहित्य का मेला लगता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की भीड़ जुटती है। सिन्हा लाइब्रेरी पटना के बाद यह बिहार का दूसरा सबसे बड़ा पुस्तकालय है। 2017 में 24 मई को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यहां आए थे तो भव्यता एवं व्यवस्था देख विशिष्ट पुस्तकालय दर्जा दिया था।

शीघ्र गठित होगा उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग, मुख्यमंत्री का निर्देश

- एक ही आयोग से होगा बेसिक, माध्यमिक, उच्च और प्राविधिक कॉलेजों में शिक्षकों का चयन

- अशासकीय सहायता प्राप्त मदरसों और अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं में नवीन आयोग से ही होगी शिक्षक भर्ती

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में अब बेसिक शिक्षा, माध्यमिक, उच्च और प्राविधिक कॉलेजों के साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में भी एक ही आयोग के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में शीघ्र उप्र शिक्षा चयन आयोग का गठन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में जारी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए एकीकृत आयोग के रूप में 'उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग' के गठन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित बेसिक, माध्यमिक, उच्च और प्राविधिक शिक्षण संस्थानों में योग्य शिक्षकों के चयन के लिए अलग-अलग प्राधिकारी, बोर्ड व आयोग गठित हैं। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग और उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के अलावा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भी शिक्षकों के चयन किया जा रहा है। उच्च, माध्यमिक शिक्षा स्तर की अल्पसंख्यक संस्थाओं के लिए प्रबंध बोर्ड, तकनीकी संस्थाओं के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नेंस, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के माध्यम से चयन प्रक्रिया आयोजित की जाती है। व्यावहारिक सुधारों के क्रम में, भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए शिक्षक चयन के लिए एकीकृत आयोग का गठन किया जाना उचित होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक चयन अयोगों को एकीकृत स्वरूप देते हुए निगमित निकाय के रूप में 'उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग' के गठन किया जाए। यह एकीकृत आयोग समयबद्ध चयन प्रक्रिया, मानव संसाधन का बेहतर उपयोग और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने में उपयोगी सिद्ध होगा। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग को एक स्वायत्तशाषी निगमित निकाय का स्वरूप दिया जाना चाहिए।

आयोग द्वारा अध्यापकों की सीधी भर्ती के सम्बंध में मार्गदर्शी सिद्धांत किया जाएगा। अध्यापकों की नियुक्ति के संबंध में चयन परीक्षा, साक्षात्कार आदि के माध्यम से चयन की प्रक्रिया पूरी करते हुए अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए नियुक्ति प्राधिकारी को संस्तुति की जाए। मुख्यमंत्री ने नए आयोग के स्वरूप, अध्यक्ष व सदस्यों की अर्हता, आयोग की शक्तियों और कार्यों के संबंध में रूपरेखा तय करके आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन एकीकृत आयोग में विश्वविद्यालयों के कुलपति जैसे पद अथवा भारतीय प्रशासनिक सेवा का सुदीर्घ अनुभव रखने वाले व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। इसी प्रकार, सदस्यों में वरिष्ठ न्यायाधीश और अनुभवी शिक्षाविदों को स्थान दिया जाए। आयोग में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला एवं अल्पसंख्यक वर्ग का भी प्रतिनिधित्व हो। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन भी इसी नए आयोग के माध्यम से किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि टीईटी समय पर हो। नवीन आयोग द्वारा परिषदीय जूनियर बेसिक विद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल, संबद्ध प्राथमिक विद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक जूनियर हाईस्कूल और संबद्ध अल्पसंख्यक प्राथमिक विद्यालय, राजकीय हाईस्कूल, इंटरमीडिएट कॉलेजों, अशासकीय सहायता प्राप्त हाईस्कूल, इंटरमीडिएट कॉलेजों, राजकीय और सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक हाईस्कूल, इंटरमीडिएट कॉलेज में विभिन्न श्रेणी के शिक्षकों की भर्ती नवीन आयोग द्वारा ही की जानी चाहिए।

राजकीय महाविद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय, संस्कृत महाविद्यालय और अल्पसंख्यक महाविद्यालय, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों, एडेड पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा अशासकीय सहायता प्राप्त मदरसों में नवीन एकीकृत आयोग द्वारा ही चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

उच्च सदन में दलितों की आवाज बन सकूं, यही मेरा प्रयास होगा : लालजी प्रसाद निर्मल

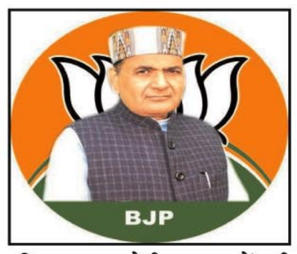

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति, वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष लालजी प्रसाद निर्मल ने विधान परिषद सदस्य नामित किये जाने पर भाजपा शीर्ष नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। लालजी प्रसाद निर्मल ने मंगलवार को लखनऊ में कहा कि उच्च सदन में गरीबों, वंचितों, दलितों की आवाज बन सकूं यही मेरा प्रयास होगा। मैं सम्पूर्ण दलित समाज की ओर से भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सबके लिए काम करती है। दलित समाज योगी सरकार में पूरी तरह महफूज और गौरवान्वित है। उल्लेखनीय है कि विधान परिषद में नामित कोटे की छह सीटों के लिए सरकार की ओर से भेजे गये नामों पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को मुहर लगा दी थी। इनमें लालजी प्रसाद निर्मल भी शामिल थे।

हाई कोर्ट ने मनी लांड्रिंग मामले में विनोद कुमार गंझू की जमानत याचिका पर मांगा समय

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में मंगलवार को मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित भोक्ता कंस्ट्रक्शन, चतरा के मालिक विनोद कुमार गंझू की जमानत याचिका की सुनवाई हुई। मामले में ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल निर्धारित की है। विनोद कुमार गंझू के चतरा स्थित आवास से वर्ष 2016 में पुलिस की छापेमारी में करीब 91 लाख बरामद हुए थे। इस मामले को लेकर टंडवा थाने में कांड संख्या 2/2016 दर्ज किया गया था। इसी मामले को लेकर एनआईए ने केस दर्ज किया था। इसी के आधार पर ईडी ने भी विनोद कुमार गंझू के खिलाफ मनी लांड्रिंग का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया है।

बिहार को सुरक्षित रखने में मुख्यमंत्री नाकाम, राष्ट्रपति शासन ही बेहतर विकल्प : चिराग

पटना, (हि.स.)। लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष एवं जमुई सांसद चिराग पासवान ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिंसा पसंद है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिहार को उन्होंने अपनी सत्ता के लिए आग में झोंक दिया। यह बात चिराग पासवान ने मंगलवार को पटना में कही। चिराग आज दिल्ली से पटना लौटे हैं। इस दौरान उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के गृह मंत्री हैं लेकिन खुद उनका ही गृह जिला आग में चार दिन तक जलता रहा और वह चुपचाप बैठे रहे। नीतीश कुमार बिहार को सुरक्षित रखने में नाकाम हो गए हैं। जो हालात हैं उसमें सिर्फ राष्ट्रपति शासन लागू करना ही सबसे बेहतर विकल्प है। इस संबंध में एक दिन पहले हमलोगों ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। जमुई सांसद ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि बिहार में इस तरह की हिंसा हुई है। सच यह है कि यह सब नीतीश कुमार को पसंद आता है कि लोग एक दूसरे से झगड़े और उनकी राजनीति चलती रहे। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार को बांटना बड़ा पसंद है। कभी पिछड़ा-अतिपिछड़ा करते हैं तो कभी दलित-महादलित करते हैं। रामनवमी में हुई हिंसा सिर्फ उदाहरण है। यहां तो हर दिन हत्या, लूट और रेप जैसी घटनाएं हो रही है।

जदयू एमएलसी की इफ्तार पार्टी में नीतीश कुमार के लिए लाल किले जैसा मंच बनवाए जाने और खुद मुख्यमंत्री के दावत-ए-इफ्तार में शामिल होने पर चिराग ने कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते रहते हैं। ऐसे में नकली लाल किले की तस्वीर मंच के पीछे लगा दिया। हो सकता है कि आने वाले समय में उसी तरह का नकली मॉडल तैयार कर उसी नकली लाल किले की प्राचीर से तिरंगा लहरा दें और उनका सपना पूरा हो जाए।

उप्र में कांग्रेस को है बाहरी नेताओं पर भरोसा, चुनाव प्रचार में भी दिख सकती है छत्तीसगढ़ की सक्रियता

लखनऊ, (हि.स.)। इस बार लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस बाहर के नेताओं को भी प्रचार में लगाने का मन बना रही है। इसकी तैयारी पहले से शुरू हो गयी है। अभी से छत्तीसगढ़ के नेताओं का यूपी में जगह-जगह कार्यकताओं में जोश भरने के लिए आने का सिलसिला शुरू हो गया है, जिससे वे जमीनी हकीकत से अभी से रूबरू हो सकें और चुनाव के समय सक्रियता से प्रचार की नीति बना सकें। उप्र में बीते विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने तीन सौ से अधिक नेताओं को छत्तीसगढ़ से बुलाया था। अधिकांश जिलों में छत्तीसगढ़ के नेता घर-घर जाकर प्रचार करने और नुक्कड़ सभाओं को करने का काम कर रहे थे। वहीं मध्य प्रदेश के नेता भी आकर प्रचार में जुटे थे। इसके बावजूद इसका असर मतदाताओं में देखने को नहीं मिला था। कांग्रेस विधानसभा में सात सीटों से घटकर दो सीटों तक सिमट गयी। उप्र में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लगाया गया है। अभी एक सप्ताह पूर्व उन्होंने लखनऊ में प्रेसवार्ता भी की थी। उनकी गतिविधियां यहां पहले भी रही हैं। आने वाले दिनों में उनकी यूपी यात्रा और बढ़ाई जाएगी।

वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और छत्तीसगढ़ में मंत्री राजेश तिवारी भी भूपेश बघेल के साथ रहे। उसके बाद छत्तीसगढ़ चले गये। पुनः सोमवार को वह एक बार फिर उप्र के सुलतानपुर में कार्यकताओं में जोश भरने का काम कर रहे हैं। मंगलवार को उनका कार्यक्रम अमेठी में लगा हुआ है। वहां पर वे तीन बैठकें करेंगे और जिले की जनता का मन टटोलेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी 10 अप्रैल तक ज्ञानपुर, भदोही, प्रयागराज, प्रतापगढ़, रायबरेली आदि जिलों में जाकर कार्यकताओं में जोश भरने के साथ ही उनका मन टटोलने का काम भी करेंगे। हर जगह उनकी बैठक कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ तय की गयी है।

वैवाहिक समारोहों में बढ़ रही भीड़, घट रहा अपनत्व

खूंटी, (हि.स.)। आजकल के शादी विवाह में भीड़ बढ़ी है लेकिन अपनत्व घटा है। लोग एक-दो घंटे के लिए विवाह समारोह में उपस्थिति दर्ज कराकर लौट जाते हैं। अब न तो विवाह के अनुष्ठान पूरे किये जाते हैं और न धर्मशास्त्रों के अनुसार शादियां होती हैं। खूंटी कर्रा रोड की रहने वाली धर्म परायण महिला 96 वर्षीय सावित्री देवी बताती हैं कि आजकल की शादियों में संस्कार कम दिखावा अधिक किया जाता है। पहले न जयमाला या वरमाला का प्रचलन था और न ही फुहड़ नृत्य का। अब अधिकतर लोग बेटे-बेटियों की शादी अपने घरों से नहीं, बल्कि मंदिर, होटल या मैरिज हॉल में करते हैं। हित-कुटुंब भी घर न आकर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थिति दर्ज कराकर लौट जाते हैं। तोरपा प्रखंड के डिगरी गांव के रहने वाले 79 वर्षीय प्रयाग भगत बताते हैं कि पहले लोगों में अपनत्व था लेकिन अब किसी के यहां जाना महज औपचारिकता भर रह गई है। पहले सभी बाराती और सरातियों के लिए गांव-घर की महिलाएं ही सारा भोजन तैयार करती थीं। लोग घर के आंगन में पत्तल पर बैठकर और पत्तल-दोना में ही भोजन करते थे। चाय-पानी के लिए कुम्हार के बनाए गए गिलास का उपयोग होता था। तोरपा के रहने वाले समाजसेवी कृष्णा भगत कहते हैं कि आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी संस्कृति और संस्कार सबकुछ भूलते जा रहे हैं। पहले शादी विवाह में लोगों का परिचय कराया जाता था। बारातियों को दोपहर का भोजन कराने के बाद ही कन्या की विदाई होती थी। इसे मरजाद कहा जीता था।

शादी-विवाह में नाई का काम करने वाले बसंत ठाकुर कहते हैं कि पहले शादी में कम से कम पांच दिन लगते थे। कहीं-कहीं तीन दिनों का अनुष्ठान होता था लेकिन अब ये सभी रस्में दो-तीन घंटे में निपटा दिये जाते हैं। एनएचपीसी कॉलौनी तोरपा में रहने वाली आरती देवी कहती हैं कि पहले शादी के समय बर्तन हो या अनाज सभी की पूर्ति गांव से ही होती थी। ऐसा था गांव के लोगों के बीच संबंध लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। मूलरूप से बिहार के गोपालगंज जिले के माझागढ़ की रहने वाली हिलासी देवी व्यंग्यात्मक लहजे में कहती हैं कि पहले के शादी-विवाह में घर के महिलाएं खाना बनाती थीं और नाचने वाले बाहर से आते थे लेकिन अब घर की महिलाएं बारात में नाचती हैं और बाहर के लोग खाना बनाने के लिए आते हैं।

खूंटी निवासी प्रेमानंद तिवारी कहते हैं कि आधुनिकता और दिखावा हिंदुओं के संस्कारों पर लगातार हमले कर रहे हैं। पहले प्रेम विवाह होता ही नहीं था। सभी शादियां अभिभावकों की मर्जी से होती थीं। शादी के पहले दुल्हे को भी भावी कन्या को देखने की इजाजत नहीं थी। यही कारण है कि हिंदू धर्म में तलाक शब्द नहीं है। यह सात जन्मों का बंधन होता था लेकिन स्थिति बदल गई है।

बगहा भाजपा जिलाध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष और जिला पदाधिकारियों की घोषणा की

बगहा, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी, बगहा संगठन जिला के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र नाथ तिवारी ने नये सत्र 2023-26 के लिए नए जिला पदाधिकारियों की सूची जारी करके मंगलवार को घोषणा की है। उपाध्यक्ष में सुरेश गुप्ता, केशव कुमार चौबे,अजय राय शर्मा, विरेन्द्र तिवारी, चंद्रभूषण सिंह, रितु जयसवाल, हृदयानंद दुबे, नंदकिशोर राम,महामंत्री में अचिंत्य कुमार लल्ला, पंकज झुनझुनवाला, सुजीत चौरसिया जिला मंत्री में रतन उरॉव सारिका देवी, उषा देवी, दिवाकर चौधरी, दीपक कुमार सिंह, कृष्णा देवी मीरा देवी, कोषाध्यक्ष अंजु वर्मा, मुख्य प्रवक्ता दीपक राही,प्रवक्ता राकेश चन्द्र राव, कार्यालय मंत्री में अमित कुमार पाण्डेय का नाम शामिल है। वहीं मंडल अध्यक्षों में सोलह लोगों में जनमेजय महतो, बलराम मिश्रा, उमेश सिंह, अनिल जयसवाल, चन्द्रमा शर्मा, दिनेश गुप्ता, विजय साहू, जितेन्द्र राव, बृजेश प्रसाद, आशुतोष मालवीय, देवेन्द्र गुप्ता अभिषेक राय, प्रमोद साह, उपेन्द्र प्रसाद, रामस्नेही चौरसिया, कमलेश दिसवा का नाम शामिल है।

संपादकीय

हिन्दू त्योहारों पर पत्थरबाजी के पीछे गहरी साजिश के संकेत

यह पहली बार नहीं है जब श्रीरामनवमी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में शोभायात्राओं पर पत्थरबाजी सहित हिंसक हमले किए गए। मुस्लिम संप्रदाय के कट्टरपंथी तत्वों की ओर से इस प्रकार की घटनाओं को लंबे समय से अंजाम दिया जा रहा है। पिछले ही वर्ष की बात करें तो श्रीरामनवमी 10 अप्रैल को पड़ी थी। तब भी छह राज्यों- गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और गोवा में हिंसा, पथराव की घटनाएं दर्ज की गई थीं। यही नहीं, इसके कुछ ही दिन बाद श्रीहनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भी दस राज्यों से हिंसा की खबरें कई दिनों तक आती रही थीं। इन घटनाओं का विश्लेषण करें तो स्पष्टतः हिन्दू पर्व-त्योहार पर सांप्रदायिक हिंसा और तनाव के पीछे एक गहरी साजिश नजर आती है। अन्यथा एक ही समय में देश के विभिन्न स्थानों पर हिन्दुओं पर हमला किया जाना, सामान्य बात नहीं है। केंद्र सरकार के सुरक्षा एजेंसियों को अधिक चौकस होकर इन हिंसक घटनाओं की जाँच करनी चाहिए। पत्थरबाजी और हिंसा को सही ठहराने के लिए तर्क दिया जाता है कि शोभायात्रा उनके 'इलाके' से होकर क्यों निकाली गई? यह तर्क ही कट्टरपंथियों की मानसिकता का बखूबी बयान करता है। यह वही मानसिकता है, जिसने इस देश के दो टुकड़े-टुकड़े किए हैं। अलगाववादी एवं प्रभुत्ववादी मानसिकता के इस तर्क पर कोई प्रगतिशील सवाल नहीं उठाता बल्कि वे भी ऐसे तत्वों एवं मानसिकता का पक्ष लेते दिखायी देते हैं। क्या भारत में कुछ सड़कें, गलियां और मोहल्लों पर संप्रदाय विशेष ने अपना पट्टा करा लिया है? क्या संविधान और कानून उन्हें यह अधिकार देता है कि वे ये घोषणा करें कि यह उनका इलाका है और यहाँ से दूसरे धर्म के लोग अपनी शोभायात्रा नहीं निकाल सकेंगे? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल इस प्रकार की अलगाववादी, प्रभुत्ववादी एवं कट्टरपंथी सांप्रदायिक सोच का संरक्षण करते हैं। वोटबैंक की राजनीति के चक्कर में उपद्रवियों पर कार्रवाई करने की बजाय यह दल हिन्दुओं की शोभायात्राओं पर ही प्रश्न उठाते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामनवमी पर हुई पत्थरबाजी और उसके बाद हुई हिंसा पर जिस प्रकार की बयानबाजी की है, उससे स्पष्टः पता चलता है कि उनके लिए हिन्दू दोयम दर्जे के नागरिक हैं। बिहार की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। वहाँ भी जब से नीतीश कुमार भाजपा से अलग होकर राजद के साथ गए हैं, तब से वहाँ भी असामाजिक तत्व बेखौफ हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार के अलावा भाजपा शासित राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और कर्नाटक में ही हिंसक घटनाएं हुईं लेकिन अंतर यह है कि भाजपा सरकारों ने जहां उपद्रवियों की नाक में नकेल डाल दी, वहीं पश्चिम बंगाल और बिहार में सांप्रदायिक तत्वों का संरक्षण किया गया। भाजपा शासित राज्यों में जहाँ छुट-पुट हिंसा के बाद मामला अब शांत है क्योंकि वहाँ कानून ने अपना काम किया परंतु पश्चिम बंगाल और बिहार के कई हिस्सों में श्रीरामनवमी से लेकर अभी तक हिंसा जारी है अपितु अनेक स्थानों पर तो मुस्लिम कट्टरपंथी तत्वों ने हिन्दुओं के प्रति हिंसा और तीव्र की है। राज्यों में कानून व्यवस्था को बनाए रखना एवं उसका पालन कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। ऐसे में गैर-भाजपा शासित सरकारों को उत्तरप्रदेश सहित भाजपा शासित अन्य राज्यों की सरकारों से सीखना चाहिए। सरकारों को समझना चाहिए कि वोटबैंक का तुष्टीकरण करने से अधिक आवश्यक है सामाजिक सद्भाव को बनाए रखना और भयमुक्त वातावरण बनाना। हिन्दुओं के पर्व-त्योहारों पर होनेवाली सांप्रदायिक हिंसा हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के बीच खायी को गहरा करती है। इससे समाज में तनाव एवं द्वेष पैदा होता है, जो किसी के लिए भी हितकर नहीं है। राज्य सरकारें कानून व्यवस्था को ठीक रखें तब किसी उपद्रवी की हिम्मत नहीं होगी कि उसके हाथ हिंसा के लिए आगे बढ़ें।

> भारत में कुछ सड़कें, गलियां और मोहल्लों पर संप्रदाय विशेष ने अपना पट्टा करा लिया है? क्या संविधान और कानून उन्हें यह अधिकार देता है कि वे ये घोषणा करें कि यह उनका इलाका है और यहाँ से दूसरे धर्म के लोग अपनी शोभायात्राएं नहीं निकाल सकेंगे? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल इस प्रकार की अलगाववादी, प्रभुत्ववादी एवं कट्टरपंथी सांप्रदायिक सोच का संरक्षण करते हैं। वोटबैंक की राजनीति के चक्कर में उपद्रवियों पर कार्रवाई करने की बजाय यह दल हिन्दुओं की शोभायात्राओं पर ही प्रश्न उठाते हैं।

बोध कथा

सिर्फ अच्छाइयों पर ध्यान दें

बहुत समय पहले की बात है, एक बार एक गुरु जी गंगा किनारे स्थित किसी गाँव में अपने शिष्यों के साथ स्नान कर रहे थे। तभी एक राहगीर आया और उनसे पूछा, " महाराज ! इस गाँव में कैसे लोग रहते हैं, दरअसल मैं अपने मौजूदा निवास स्थान से कहीं और जाना चाहता हूँ ?" गुरु जी बोले, " जहाँ तुम अभी रहते हो वहां किस प्रकार के लोग रहते हैं ?" " मत पूछिए महाराज ! वहां तो एक से एक कपटी, दुष्ट और बुरे लोग बसे हुए हैं।", राहगीर बोला। गुरु जी बोले, " इस गाँव में भी बिलकुल उसी तरह के लोग रहते हैं ; कपटी, दुष्ट, बुरे।" और इतना सुनकर राहगीर आगे बढ़ गया। कुछ समय बाद एक दूसरा राहगीर वहां से गुजरा. उसने भी गुरु जी से वही प्रश्न पूछा, " मुझे किसी नयी जगह जाना है, क्या आप बता सकते हैं कि इस गाँव में कैसे लोग रहते हैं ?" "जहाँ तुम अभी निवास करते हो वहां किस प्रकार के लोग रहते हैं?", गुरु जी ने इस राहगीर से भी वही प्रश्न पूछा। "जी वहां तो बड़े सभ्य , सुलझे और अच्छे लोग रहते हैं।", राहगीर बोला। "तुम्हें बिलकुल उसी प्रकार के लोग यहाँ भी मिलेंगे; सभ्य, सुलझे और अच्छे।", गुरु जी ने अपनी बात पूर्ण की और दैनिक कार्यों में लग गये। पर उनके शिष्य ये सब देख रहे थे और राहगीर के जाते ही उन्होंने पूछा , " क्षमा कीजियेगा गुरु जी ! पर आपने दोनों राहगीरों को एक ही स्थान के बारे में अलग-अलग बातें क्यों बतायी। गुरु जी गंभीरता से बोले, " शिष्यो ! आमतौर पर हम चीजों को वैसे नहीं देखते जैसी वे हैं, बल्कि उन्हें हम ऐसे देखते हैं जैसे कि हम खुद हैं ।हर जगह हर प्रकार के लोग होते हैं यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस तरह के लोगों को देखना चाहते हैं।" शिष्य उनकी बात समझ चुके थे और आगे से उन्होंने जीवन में सिर्फ अच्छाइयों पर ही ध्यान केन्द्रित करने का निश्चय किया।

अमृत कलश

चैत्य वृक्षों या वनस्थली की परंपरा

आज पर्यावरण संकट गहराते जाने का मूल कारण यह है कि हम पहाड़ों एवं वृक्षों को काटकर कंक्रीट के जंगलों का विस्तार करते जा रहे हैं। यदि जल्द ही न चेते तो वह दिन दूर नहीं जब मानव को रेगिस्तान की चिलचिलाती धूप में प्यासा मरना होगा। जंगलों से हमारा मौसम नियंत्रित और संचालित होता है। जंगल की ठंडी आबोहवा नहीं होगी तो सोचो धरती किस तरह आग की तरह जलने लगेगी? आज महानगरों के कई लोग जंगलों को नहीं जानते, इसीलिए उनकी आत्माएं सूखी हुई हैं। जियो और जीने दो के संदेशवाहक महावीर स्वामी की मान्यता थी कि यह संपूर्ण जगत आत्मा का ही खेल है। वृक्षों में भी महसूस करने और समझने की क्षमता होती है। यह बात आज पर्यावरण और जीव विज्ञानियों की शोधों से भी हो चुकी है। जैन समुदाय में चैत्य वृक्षों या वनस्थली की परंपरा रही है। इस परम्परा में वृक्षों को काटना अर्थात उसकी हत्या करना महापाप माना गया है। वे कहते थे कि वृक्ष से हमें असीम शांति और स्वास्थ्य मिलता है। उनके अनुसार चेतना जागरण में पीपल, अशोक, बरगद आदि वृक्षों का विशेष योगदान रहता है। इसीलिए इस तरह के सभी वृक्षों के आस-पास चबूतरा बनाकर उन्हें सुरक्षित करने की परम्परा उस समय में डाली गयी थी ताकि वहां बैठकर व्यक्ति शांति का अनुभव कर सके। जैन समुदाय ने सर्वाधिक पौधों को लगाए जाने का संदेश दिया है। सभी 24 तीर्थंकरों के अलग-अलग 24 पौधे हैं। जैन समुदाय वृक्षों को धरती पर ईश्वर का प्रतिनिधि मानता है। आज पर्यावरण विज्ञान भी कहता है कि ये वृक्ष भरपूर ऑक्सीजन देकर व्यक्ति की चेतना को जाग्रत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हिन्दी को सम्मान एवं सुदृढ़ता दिलाने के लिये केन्द्र सरकार के साथ-साथ प्रांतों की सरकारों को संकल्पित होना ही होगा

दक्षिण में हिन्दी-विद्वेष की राजनीति कब तक ?

ललित गर्ग

> महात्मा गांधी ने अपनी अन्तर्वेदना प्रकट करते हुए कहा था कि भाषा संबंधी आवश्यक परिवर्तन अर्थात हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक हानि है। मेरा तर्क है कि जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनैतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करें।' लगभग साढे सात दशक के आजाद भारत में भी हमने हिन्दी को उसका गरिमापूर्ण स्थान न लिदा सके, यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी राष्ट्रीयता पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है। पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकय्या नायडू के मन में हिन्दी को लेकर जो दर्द एवं संवेदना है, वही स्थिति सरकार से जुडे.हर व्यक्ति के साथ-साथ जन-जन की होनी चाहिए। हिन्दी के लयि दर्द, संवेदना एवं अपनापन जागना जरूरी है।

दक्षिण भारत में हिन्दी का विरोध करके राजनीति चमकाने की कुचेष्टाएं होती रही हैं। वहां राजनीतिज्ञ अपना उल्लू सीधा करने के लिये भाषायी विवाद खड़े करते रहे हैं और वर्तमान में भी कर रहे हैं। यह देश के साथ मजाक है। यह मुद्दा जब-तब सिर उठाता देखा जाता है। ताजा मामला तमिलनाडु में दही के पैकेट पर प्रमुखता से 'दही' लिखे जाने के निर्देश को लेकर उठा है। वहां के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने ट्विटर पर लिखा है कि इस तरह हमारे ऊपर हिंदी थोपने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कर्नाटक मिल्क फेडरेशन को निर्देश दिया है कि दही के पैकेट पर प्रमुखता से 'दही' मुद्रित किया जाए। इसी को लेकर विवाद छिड़ गया है। अब सुझाव आए हैं कि तमिल में दही के पर्यायवाची को कोष्ठक में लिखा जाना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने इस सुझाव को स्वीकार करते हुए पैकेट पर कर्ड के साथ तमिल और कन्नड़ भाषा के स्थानीय शब्द जैसे 'मोसरू' और 'तायिर' को ब्रैकेट में इस्तेमाल करने के निर्देश दे दिये हैं। भले ही राजनीतिक कारणों से यह सुझाव स्वीकार किया गया हो, लेकिन प्रश्न है कि जब तक राष्ट्र के लिये निजी-स्वार्थ एवं राजनीतिक नफा-नुकसान के गणित को विसर्जित करने की भावना पुष्ट नहीं होगी, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक उन्नयन एवं सशक्त भारत का नारा सार्थक नहीं होगा। हिन्दी को सम्मान एवं सुदृढ़ता दिलाने के लिये केन्द्र सरकार के साथ-साथ प्रांतों की सरकारों को संकल्पित होना ही होगा। मुख्यमंत्री ने एक सोची-समझी राजनीति के तहत एक बार फिर हिंदी और दक्षिण की भाषाओं के बीच विद्वेष की आग सुलगा दी है। हालांकि हिंदी को लेकर दक्षिण में अस्वीकार की भावना को शांत या सहज करने की कोशिशें हो चुकी हैं, खूब सारे तर्क दिए जा चुके हैं, मगर जो लोग इसे राजनीतिक रंग दिए रखना चाहते हैं, उनके सामने सारे तर्क बेमानी हो जाते हैं। ताजा विवाद भी उसी राजनीतिक नजरिए का नतीजा है। नई बनती दुनिया में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कारोबार आदि वजहों से लोगों की देश के विभिन्न हिस्सों में आवाजाही बढ़ी है। जिसमें भाषायी संकीर्णता विकास में बड़ी बाधा है। महानगरों में बड़े पैमाने पर दूसरे प्रांतों के लोग जाकर बसने लगे हैं, बस गए हैं, उसमें भाषा संबंधी ऐसी संकीर्णता मायने नहीं रखती। वैसे भी जहां तक हिंदी की बात है, बेशक उसे राष्ट्रभाषा के तौर पर देश के सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य बना दिया गया हो, लेकिन उसे व्यवहार की भाषा बनाने में अनेक दिक्कते खड़ी है। राजनीतिक

उद्देश्यों से हिन्दी को उपेक्षित करने की कोशिशें लगातार हो रही है, जबकि हिन्दी विश्व की तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। कोई भी कारोबारी अब यह नहीं कह सकता कि वह केवल अपनी मातृभाषा में कारोबार करेगा, हिंदी का सहारा बिल्कुल नहीं लेगा। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोग भी ऐसी जिद नहीं पाल सकते। पालते भी नहीं। दक्षिण के राज्यों में हिंदीभाषी लोग बड़ी सहजता से अपनी भाषा में बात रख लेते हैं, वहां के लोग उनकी बात समझ भी लेते हैं। इस सच्चाई से वहां के राजनेता और प्रशासक भी अपरिचित नहीं। फिर यह समझना मुश्किल है कि वे ऐसे भाषा-विद्वेष को जिंदा ही क्यों रखना चाहते हैं? निश्चित ही संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विरोध कोई नया नहीं है, यह विरोध तो 1937 से ही है, जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की सरकार ने मद्रास प्रांत में हिंदी को लाने का समर्थन किया था पर द्रविड़ कषगम (डीके) ने इसका विरोध किया था। तब विरोध ने हिंसक झड़पों का स्वरूप ले लिया था और इसमें दो लोगों की मौत भी हुई थी। लेकिन साल 1965 में दूसरी बार जब हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने की कोशिश की गई तो एक बार फिर से ग़ैर हिंदी भाषी राज्यों में पारा चढ़ गया था। तमिल इतिहासकार एआर वेंकटचलापति का कहना है कि आज भी वहां हिन्दी के उपेक्षित होने का एहसास बना हुआ है। वे कहते हैं, 'सभी भाषाओं को बराबरी का दर्जा देकर ही सांस्कृतिक एकता को मजबूत किया जा सकता है। तमिलनाडु के दूरदराज के इलाके में अगर किसी को बैंक के एटीएम पर कुछ काम होता है तो उसे अंग्रेज़ी या फिर हिंदी का सहारा लेना होता, लेकिन उसके पास तमिल का विकल्प नहीं होता। बावजूद इन स्थितियों के हिन्दी का विरोध समझ से परे हैं। निश्चित रूप से कोई भी भाषा अपनी संस्कृति की वाहक और संरक्षक होती है, उसे विकृत करने की कोशिशों का विरोध होना ही चाहिए। मगर भाषाई खुलेपन की वजह से अगर कारोबारी विस्तार हो रहा है, तो ऐसी जिद भी नहीं पाली जानी चाहिए। फिर भाषाएं चुपके से अपनी सहवर्ती भाषाओं से न जाने कितने शब्द, मुहावरे, प्रतिमान ग्रहण कर अपने को समृद्ध करती रहती हैं, उनके इस सहज स्वभाव में राजनीतिक अवरोध भी क्यों पैदा किया जाना चाहिए। किसी भी प्रांत को अपना समग्र विकास करना है तो भाषायी आग्रह एवं संकीर्णताएं त्यागनी होगी। भाषा, जाति, धर्म आदि को राजनीति का आधार मानने की स्थितियां अब उतनी प्रभावी नहीं रही है, अब देश एक हो रहा है तो उसकी भाषा भी एक होनी ही चाहिए। हिन्दी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। हमने जिस त्वरता से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में पहल की, उसी त्वरा से राजनैतिक कारणों से हिन्दी की उपेक्षा भी की है, यही कारण है कि आज भी हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी को राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में स्कूलों, कॉलेजों, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और सचिवालयों में कामकाज एवं लोकव्यवहार की भाषा के रूप में प्रतिष्ठा दिलाने के प्रयास हो रहे हैं, फिर दक्षिण में हिन्दी विरोध के बादल छटने ही चाहिए। महात्मा गांधी ने अपनी अन्तर्वेदना प्रकट करते हुए कहा था कि भाषा संबंधी आवश्यक परिवर्तन अर्थात हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक हानि है। मेरा तर्क है कि जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनैतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करें।' लगभग साढे सात दशक के आजाद भारत में भी हमने हिन्दी को उसका गरिमापूर्ण स्थान न दिला सके, यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी राष्ट्रीयता पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है। पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकय्या नायडू के मन में हिन्दी को लेकर जो दर्द एवं संवेदना है, वही स्थिति सरकार से जुडे.हर व्यक्ति के साथ-साथ जन-जन की होनी चाहिए। हिन्दी के लिये दर्द, संवेदना एवं अपनापन जागना जरूरी है। कोई भी देश बिना अपने राजभाषा के ज्ञान के तरक्की नहीं कर सकता है।

एक और भ्रामक रिपोर्ट

> भारत को पिलछे वर्ष 136वें पायदान से बेहतर 126वें पायदान पर रखा गया है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि ऐसे कई मुल्क जो विभिन्न परिस्थितियों के लचते किसी भी हाल में खुशी के मालमे में भारत से बेहतर हो ही नहीं सकते, उन्हें भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया गया है ।उदाहरण के लिए साऊदी अरब जिसमें तानाशाही व्यवस्था है, उसे तीसरे स्थान पर, यूक्रेन जो युद्ध में बर्बाद हो चुका है उसे 92वें स्थान पर, तुर्की जो महंगाई के कारण टूट चुका है उसे 106वें स्थान पर, दुनिया के सामने भीख का कटोरा लिए खड़े पाकिस्तान को 108वें स्थान पर दिखाया गया है और पूरी तरह से दिवालयिा हो चुका श्रीलंका 112वें स्थान पर है और भारत जो खाद्य पदार्थोंकी दृष्टि से ही नहीं बल्कि विभिन्न अन्य मालमों में दुनिया के उन तमाम मुल्कों से कहीं बेहतर है जो इस रिपोर्ट में भारत से बेहतर स्थिति में दिखाए गए हैं। ऐसे में इस रिपोर्ट के बारे में भी सवाल उठ रहे हैं। यह पलही बार नहीं कि इस प्रकार की भ्रामक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है ।हाल ही में 'वेल्ट हंगर हिल्फे' नाम के एक जर्मन एजेंसी द्वारा भी भारत को भूखमरी सूचकांक में 121 देशों की तालकिा में 107वें स्थान पर रखा था ।उसमें लिदचस्प बात यह थी कि उस सूची में यूक्रेन ही नहीं बल्कि ईराक, ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बंलगादेश और जोर्डन आदि देशों को भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया है।

मार्च 2023 के तीसरे सप्ताह में 'सस्टेंनेबल डेवलपमेंट सोल्युशन नेटवर्क' द्वारा विश्व खुशी रिपोर्ट-2023 जारी की गई है। इस रिपोर्ट में भी भारत को विश्व खुशी सूचकांक में 126वें स्थान पर दिखाया गया है। हालांकि इस रिपोर्ट में भारत को पिछले वर्ष 136वें पायदान से बेहतर 126वें पायदान पर रखा गया है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि ऐसे कई मुल्क जो विभिन्न परिस्थितियों के चलते किसी भी हाल में खुशी के मामले में भारत से बेहतर हो ही नहीं सकते, उन्हें भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए साऊदी अरब जिसमें तानाशाही व्यवस्था है, उसे तीसरे स्थान पर, यूक्रेन जो युद्ध में बर्बाद हो चुका है उसे 92वें स्थान पर, तुर्की जो महंगाई के कारण टूट चुका है उसे 106वें स्थान पर, दुनिया के सामने भीख का कटोरा लिए खड़े पाकिस्तान को 108वें स्थान पर दिखाया गया है और पूरी तरह से दिवालिया हो चुका श्रीलंका 112वें स्थान पर है और भारत जो खाद्य पदार्थों की दृष्टि से ही नहीं बल्कि विभिन्न अन्य मामलों में दुनिया के उन तमाम मुल्कों से कहीं बेहतर है जो इस रिपोर्ट में भारत से बेहतर स्थिति में दिखाए गए हैं। ऐसे में इस रिपोर्ट के बारे में भी सवाल उठ रहे हैं। यह पहली बार नहीं कि इस प्रकार की भ्रामक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। हाल ही में 'वेल्ट हंगर हिल्फे' नाम के एक जर्मन एजेंसी द्वारा भी भारत को भूखमरी सूचकांक में 121 देशों की तालिका में 107वें स्थान पर रखा था। उसमें दिलचस्प बात यह थी कि उस सूची में यूक्रेन ही नहीं बल्कि ईराक, ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बंगलादेश और जोर्डन आदि देशों को भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया है। भारत सरकार ही नहीं कई अन्य संस्थाओं और विशेषज्ञों द्वारा इस रिपोर्ट पर सवालिया निशान लगाए गए थे। सच्चाई तो यह है कि भारत इस समय खाद्यान्न और अन्य खाद्य पदार्थों के संदर्भ में दुनिया के अनेक मुल्कों से कहीं आगे है। आज जब दुनिया के अधिकांश गरीब ही नहीं बल्कि अमीर मुल्क भी खाद्य पदार्थों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत अभी तक अफगानिस्तान, बंगलादेश, भूटान, ईजराइल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, ओमान, फिलिपिन्स, कतर, साऊथ कोरिया, श्री लंका, सूडान, स्वीट्जरलैंड समेत कई मुल्कों को लाखों टन अनाज भेज चुका है। यही नहीं भुखमरी के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के संकेतक भी पहले से कहीं बेहतर हुए हैं। लेकिन वेल्ट हंगर हिल्फे द्वारा अत्यंत शरारतपूर्ण तरीके से जिस प्रकार भारत को भुखमरी के संदर्भ में अत्यंत शोचनीय स्थिति में दिखाया गया है, यह उस रेटिंग एजेंसी पर एक सवालिया निशान लगाता है। समझना होगा कि वेल्ट हंगर हिल्फे का भुखमरी सूचकांक कोई इकलौता उदाहरण नहीं है। भारत द्वारा पिछले कुछ दशकों में जो उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे लोगों का जीवन स्तर पहले से कहीं बेहतर हुआ है और भारत पिछले कुछ सालों में विश्व की दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ता हुआ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, दुनिया की कई शक्तियों को भारत की यह प्रगति हजम नहीं हो रही। ऐसे में वे विभिन्न हथकंडे अपनाकर भारत को बदनाम करने की कोई कसर छोड़ते नहीं हैं। विश्व खुशी रिपोर्ट की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की एक वैश्विक पहल सस्टेंनेबल डेवलपमेंट सोल्युशन नेटवर्क द्वारा प्रकाशित की जाती है। कहा जाता है कि यह रिपोर्ट दुनिया भर से एक औचक यानि झटपट सर्वेक्षण के आधार पर बनाई जाती है। लेकिन देखा जाये तो इस प्रकार की अवधारणा की शुरुआत वास्तव में 1974 में भूटान के तत्कालीन नरेश जिगमे सिंगे वांचुक द्वारा राष्ट्रीय खुशी सूचकांक के नाम से की गई। उनका मानना था कि उत्पादन में वृद्धि मात्र खुशी का सबब नहीं बन सकती। इसलिए विकास के मापन में खुशी एक महत्वपूर्ण तत्व होना चाहिए। उसके उपरांत भूटान देश ने अपने लोगों की खुशी के उद्देश्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी प्रारंभ की। पिछले कुछ वर्षों से दुनिया भर के देशों को वहां के लोगों की खुशी के आधार पर सूचीबद्ध करने का काम शुरू हुआ। 2009 में प्रकाशित हैप्पी प्लैनेट सूचकांक के नाम की सूची को देखने से पता चलता है कि अमरीका जो दुनिया का अत्यंत विकसित राष्ट्र है, हैप्पी प्लैनेट सूचकांक के आधार पर 143 देशों की सूची में 114वें स्थान पर था। सिंगापुर 49वें, फ्रांस 71वें, कनाडा 89वें, इंगलैंड 74वें, जर्मनी 51वें और भारत 35वें पायदान पर था। प्रति व्यक्ति आय, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के वर्तमान सूचकों के आधार पर मानव विकास सूचकांक की सूची में 131वें स्थान पर खड़ा भूटान आश्चर्यजनक रूप से खुशी सूचकांक के आधार पर 17वें स्थान पर खड़ा था। वास्तव में प्रथम 20 स्थानों में जगह बनाने वाले राष्ट्रों में भूटान एक मात्र विकासशील देश था। दिलचस्प बात यह है कि वर्तमान में विश्व ख़ुशी सूचकांक के हिसाब से फिनलैंड जो पहले स्थान पर है, इस रिपोर्ट में 59वें स्थान पर था। जुलाई 2011 में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया : 'खुशी : विकास के एक समग्र परिभाषा की ओर'। अप्रैल 2012 में पहली विश्व खुशी रिपोर्ट प्रकाशित की गई और उसके उपरांत हर वर्ष 20 मार्च को संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के अवसर पर प्रकाशित की जाती है। इस संदर्भ में विभिन्न देशों की खुशी के पैमाने पर रैंकिंग कैनट्रिल लेडर सर्वे यानि कैनट्रिल सीढ़ी सर्वेक्षण के पैमाने पर की जाती है। इस सर्वेक्षण को गैलोप नाम की एक कंपनी द्वारा अंजाम दिया जाता है। विभिन्न देशों के प्रतिनिधि नमूना उत्तरदाताओं से प्रश्न पूछे जाते हैं, जिसमें खुशी के संदर्भ में विचारणीय विषयों के बारे में पूछा जाता है कि वे उस मापदंड से ख़ुशी की सीढ़ी के किस पायदान पर हैं, सबसे खराब संभव जीवन शून्य और सबसे सर्वोत्तम जीवन को 10 अंक दिए जाते हैं। वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों में जिस प्रश्नावली का इस्तेमाल किया जाता है उसमें 1. व्यापार और आर्थिकी, 2. नागरिक जुड़ाव, 3. संचार एवं प्रौद्योगिकी, 4. विविधता (सामाजिक मुद्दे), 5. शिक्षा एवं परिवार, 6. भावनाएं (कल्याण), 7. पर्यावारण एवं ऊर्जा, 8. भोजन और आवास, 9. सरकार और राजनीति, 10. कानून और व्यवस्था (सुरक्षा), 11. स्वास्थ्य, 12. धर्म और नैतिकता, 13. परिवहन और 14. काम यानि रोजगार विषयों को शामिल किया जाता है। विचारणीय बात यह है कि विश्व में जो ख़ुशी सूचकांक सबसे पहले प्रकाशित हुआ था उसमें अमरीका और यूरोप के देश ख़ुशी सूचकांक में बहुत पीछे थे। लेकिन जब से यह काम पश्चिमी देशों के हाथ में आया, तब से एशियाई देश पीछे खिसक गए और यूरोपीय देश पहली पंक्ति में आ गये। यानि कहा जा सकता है कि भौतिक संपत्ति और आमदनी फिर से ख़ुशी का पैमाना घोषित हो गयी है और कम आय वाले देशों को अपनी मन मजऱ्ी से ऊपर-नीचे करने का काम हो रहा है। वर्ष 2023 की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई है उसके अनुसार फिनलैंड दुनिया का सबसे खुश देश माना गया है। उसके बाद डेनमार्क, आयरलैंड, इजराइल और नीदरलैंड को शामिल किया गया है। उसके बाद स्वीडन, नार्वे, स्वीट्जरलैंड, लक्समबर्ग और न्यूजीलैंड का स्थान आता है। भारत को 126वें स्थान पर रखा गया है, जबकि 137 देशों की सूची में अफगानिस्तान सबसे अंतिम पायदान पर दिखाया गया है। हालांकि भारत की रैंकिंग पहले से बेहतर हुई है क्योंकि पिछले साल तो भारत को 136वें स्थान पर बताया गया था। भारतीय मीडिया और खासतौर पर सोशल मीडिया में इस रिपोर्ट के संदर्भ में तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। इसका कारण यह नहीं कि भारत को 126वें स्थान पर बताया गया है, बल्कि इसका कारण यह है कि यूक्रेन, ईराक, ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बंगलादेश और जोर्डन को भी भारत से बेहतर स्थिति में दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर आने वाली प्रतिक्रियाएं अत्यंत रोचक हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि यह भेदभावपूर्ण है।

नागरिक बोध

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है। भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है। किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है। सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए। समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं।

देश दुनीया से

आब-ए-तल्ख नशा या मुनाफे की दुकान

सभ्य समाज में मयखानों को भले ही इज्जत के नजरिए से नहीं देखा जाता हो मगर मुल्क की मइशत को मजबूत करने में आब ए तल्ख एक बड़ा किरदार अदा करती है। देश के चरमराते अर्थतंत्र का बोझ काफी हद तक मधुशालाओं से लडख़ड़ा कर निकलते सुरा प्रेमियों के कंधों पर मुन्नसर करता है। मदिरापान की बढ़ती प्रवृति से महसूस होता है कि सुराप्रेमी नास्तिक शिरोमणि 'आचार्य चार्वाक' के उस श्लोक को जहन में बिठा चुके हैं जिसमें उल्लेख है: 'पीत्वा, पीत्वा पुनः पीत्वा यावत्पतति भूतले, उत्थाय च पुनः पीत्वा पुर्नजन्म न विद्यते' अर्थात पीजिए फिर पीजिए जब तक जमीन पर न गिर जाए, उठिए और फिर पीजिए क्योंकि जन्म दोबारा नहीं होता। जाहिर है मदिरापान की परंपरा व इतिहास काफी पुराना है। सोहबत-ए-मयकशी का मरकज मयखानों में युवावर्ग से लेकर उम्रदराज लोगों तक हर वर्ग की मेजबानी पूरी शिद्दत से होती है। मधुशालाओं की दहलीज पर हर जाति, मजहब के सुराप्रेमी दस्तक देते हैं। यहां किसी से कोई भेदभाव नहीं होता। देश में मदिरालयों की संख्या व मदिरा प्रेमियों की तादाद में लगातार इजाफा दर्ज हो रहा है। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली आब ए तल्ख के घोटालों को लेकर सुर्खियों का केंद्र बनी है। वहां की हुकूमत ने नई आबकारी नीति के तहत शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष कर दी है। सुरापान के भी कुछ असूल होते हैं। इसके ऊपर जितनी बंदिश लगेगी, मदिरा की अवैध तिजारत व शराब माफिया का अवैध धंधा उतनी ही तेज रफ्तार पकड़ता है। जिन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वहां सुरक्षा एजेंसियां लाखों रुपए की शराब जब्त कर रही हैं। शराब की कीमत में शदीद इजाफा होने के बावजूद इसकी बिक्री में कमी दर्ज नहीं होती, लेकिन शराबंदी व शराब की बढ़ती कीमत के कारण शराब माफिया की जहरीली शराब का अवैध कारोबार हर वर्ष सैकड़ों लोगों को मौत की नींद सुला रहा है। अवैध शराब यानि बिना रिकार्ड के बिकने वाली शराब। लाखों लोग इसी अवैध शराब का शिकार बनते हैं। जनवरी 2022 में जहरीली शराब ने मंडी जिला में सात नौजवानों को मौत की नींद सुलाकर सनसनी मचा दी थी। जहरनुमां शराब जानलेवा होकर अपने दुष्परिणाम दिखा रही है। अपराध व नशे की रफाकत चोली-दामन वाली रही है। कई सडक़ हादसे, फसाद, गुनाहों का पसमंजर व जुर्म की दास्तान के पीछे ज्यादातर मद्यपान की भूमिका है। जहरीले नशे के इस बहते दरिया में हजारों परिवारों के सुनहरे अरमान भी बह जाते हैं। अजीब विडंबना है। देश में नशाखोरी की मुखालफत में कई इजलास होते हैं। कई राज्य गांधी जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 'मद्यनिषेध संकल्प दिवस' का आयोजन करके दुनिया को नशामुक्ति का पैगाम देते हैं। चूंकि 'नशामुक्त भारत' भी गांधी जी का सपना था। मगर हकीकत यह है कि मधुशालाएं अर्थतंत्र का मजमून लिखकर सरकारी खजाने को गुलजार कर रहीं हैं। देश के शासक तस्लीम कर चुके हैं कि राजस्व बढ़ाने के लिए शराब के कारोबार को बुलंदी पर पहुंचाना होगा। आजादी के बाद देश में शराबबंदी के कई प्रयास हुए मगर विफल रहे। केंद्रीय योजना आयोग ने सन्-1954 में देश में शराबबंदी की सिफारिश की थी। शराबबंदी के लिए ही केंद्र सरकार ने सन्-1964 में जस्टिस 'टेक चंद' के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया था। टेकचंद कमेटी ने शराब की आमदनी से प्राप्त कुल राजस्व का पांच प्रतिशत हिस्सा मद्यनिषेध जागरूकता आयोजनों पर खर्च करने का मशविरा भी पेश किया था, मगर मद्यपान को समाज के हर तबके की हिमायत हासिल है। देश के हुक्मरानों से लेकर अदाकारों तक की बज्म-ए-अंजुम में आब-ए-तल्ख की अंजुमन सजती है। नतीजतन देश के किसी भी राज्य की सरकार ने केंद्रीय योजना आयोग व टेकचंद कमेटी के सुझावों को मंजूर नहीं किया। शराब उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए 'भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण' ने अल्कोहल की बोतलों पर संवैधानिक चेतावनी का संदेश अनिवार्य किया है कि शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, मगर मदिरा के प्रति मोहब्बत के जज्बात रखने वाले सुरा प्रेमियों पर उस चेतावनी का कोई असर नहीं होता।

> मदिरापान की बढ़ती प्रवृति से महसूस होता है कि सुराप्रेमी नास्तिक शिरोमणि 'आचार्य चार्वाक' के उस श्लोक को जहन में बिठा चुके हैं जिसमें उल्लेख है: 'पीत्वा, पीत्वा पुनः पीत्वा यावत पतति भूलते, उत्थाय च पुनः पीत्वा पुर्नजन्म न विद्यते' अर्थात पीजिए फिर पीजिए जब तक जमीन पर न गिर जाए, उठिए और फिर पीजिए क्योंकि जन्म दोबारा नहीं होता। जाहिर है मदिरापान की परंपरा व इतिहास काफी पुराना है। सोहबत-ए-मयकशी का मरकज मयखानों में युवावर्ग से लेकर उम्रदराज लोगों तक हर वर्ग की मेजबानी पूरी शिद्दत से होती है।

चीन के जासूसी गुब्बारे ने क्या खुफिया जानकारी इकट्ठा की पेंटागन ने दिया ये जवाब

वॉशिंगटन ।
बीते दिनों अमेरिका के आसमान में चीन का जासूसी गुब्बारा दिखाई दिया था, जिसे बाद में अमेरिका ने निशाना बनाकर गिरा दिया था। अमेरिका ने आरोप लगाया था कि चीन इस गुब्बारे की मदद से खुफिया सूचनाएं जुटा रहा था। अब जब पेंटागन की प्रेस सचिव सबरीना सिंह से उस जासूसी गुब्बारे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया है कि अमेरिका अभी इस बात की जांच कर रहा है कि चीन के जासूसी गुब्बारे द्वारा असल में क्या खुफिया सूचनाएं इकट्ठा की गई बता दें कि एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन के जासूसी गुब्बारे ने अमेरिका की कुछ मिलिट्री जगहों की जासूसी की है। उसी के जवाब में पेंटागन की प्रेस सचिव ने ये बातें कही।

क्या बोलीं सबरीना सिंह – पेंटागन की प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने रिपोर्ट्स को बताया कि अभी की स्थिति ये है कि हम अभी भी समीक्षा कर रहे हैं कि असल में चीन ने जासूसी गुब्बारे से क्या सूचनाएं इकट्ठा की। हालांकि हम ये जानते हैं कि जो सूचनाएं वो सैटेलाइट से पा सकते हैं, उससे थोड़ी बहुत ज्यादा ही जानकारी उन्होंने जासूसी गुब्बारे से पाई होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन जासूसी गुब्बारे को हवा में संचालित करने में सक्षम था, ऐसे में हो सकता है कि उसने कुछ जगहों पर ज्यादा निगरानी की हो। गुब्बारे में इलेक्ट्रोनिक सिग्नल लगे थे और वह उन सिग्नल्स की मदद से रियल टाइम जानकारी बीजिंग भेजने में सक्षम था।

क्या है गुब्बारे से जासूसी का मामला – बता दें कि बीती 28 जनवरी को अमेरिका के राज्य अलास्का से एक जासूसी गुब्बारा अमेरिका के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह अमेरिका के कई राज्यों से होकर गुजरा। इस दौरान उसने अमेरिका के कई संवेदनशील सैन्य ठिकानों के ऊपर से भी उड़ान भरी। जिसमें मोंटाना का सैन्य बेस भी शामिल है, जहां अमेरिका के परमाणु हथियार तैनात हैं। इसके बाद 4 फरवरी को इस गुब्बारे को अमेरिका ने निशाना बनाकर अटलांटिक समुद्र में गिरा दिया था, जहां से उसके अवशेष बरामद कर लिए गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन ने जासूसी गुब्बारे ने संभवतः हथियारों और कम्युनिकेशन सिस्टम्स से निकलने वाले इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल्स ही इकट्ठा किए होंगे।

न्यूज ब्रीफ

इमरान को मिली बड़ी राहत, तीन मामलों में लाहौर की अदालत ने दी अंतरिम जमानत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत ने आगजनी, पुलिस के खिलाफ हिंसा, तोड़फोड़ और जिले शाह हत्या से संबंधित तीन मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई प्रमुख इमरान खान को अंतरिम जमानत दे दी। पाकिस्तान के मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तीन मामलों में अंतरिम जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। गौरतलब है, पाकिस्तानी पुलिस ने इस साल मार्च में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और एक दर्जन से अधिक पीटीआई नेताओं के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। उनके खिलाफ तोड़फोड़, सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने और यहां न्यायिक परिसर के बाहर अशांति पैदा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, इस्लामाबाद न्यायिक परिसर के बाहर शनिवार को उस वक्त झड़पें हुईं, जब इमरान खान तोशाखाना मामले की बहुप्रतीक्षित सुनवाई में शामिल होने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद पहुंचे थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच टकराव के दौरान 25 से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। गिरफ्तार पीटीआई कार्यकर्ताओं और पार्टी के वांछित नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस्लामाबाद पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में लगभग 17 पीटीआई नेताओं के नाम हैं। प्राथमिकी में कहा गया है कि कार्यकर्ताओं ने पुलिस जांच चौकी और न्यायिक परिसर के मुख्य द्वार को नुकसान पहुंचाया। आगजनी, पथराव करने और न्यायिक परिसर की इमारत को तोड़ने के आरोप में 18 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, लगभग दो पुलिस वाहनों और सात मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया।

अमेरिका ने किया आईएसआईएस कमांडर को मारने का दावाः सेना बोली- ड्रोन स्ट्राइक में खालिद अल-जबौरी ढेर, यूरोप में आतंकी हमले प्लान करता था

दमिश्क। अमेरिका ने सीरिया में ड्रोन स्ट्राइक के दौरान एक सीनियर आईएसआईएस कमांडर का मारने का दावा किया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक इस कमांडर का नाम खालिद अय्यद अहमद अल-जबौरी था। ये यूरोप में आतंकी हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार था। इसकी मौत के बाद आईएस के लिए यूरोप में हमले की साजिश रचना मुश्किल हो जाएगा। वहीं सीरियन सिविल डिफेंस फोर्स व्हाइट हेल्मेट्स ने कहा कि हमले के बाद हमने एक शख्स को घायल हालत में रेस्क्यू किया लेकिन उसकी मौत हो गई। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट ने कहा- ड्रोन हमले में केफतीन गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हुई है। इससे पहले अमेरिकी ने फरवरी में भी सीरिया में एक ड्रोन स्ट्राइक की थी। इसमें उन्होंने इस्लामिक स्टेट के कमांडर इब्राहिम अल हाशमी अल कुरैशी मारा गिराया था। जानकारी के मुताबिक, उत्तरी सीरिया में किए गए इस ऑपरेशन को हेलिकॉप्टर से पहुंचे 24 अमेरिकी कमांडोज ने अंजाम दिया था।

बांग्लादेश के सबसे बड़े कपड़ा बाजार में आगः कई दुकानें हुईं खाक, आर्मी और एयरफोर्स ने संभाली कमान

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में कपड़ों के सबसे बड़े बाजार बंगाबाजार में आग लग गई। यहां कपड़ों की छह हजार से अधिक दुकानें हैं। बताया जाता है कि दो दर्जन से ज्यादा दुकानें अब तक खाक हो चुकी हैं। राहत-बचाव के लिए आर्मी और एयरफोर्स ने कमान संभाल ली है। अब तक किसी भी हताहत की सूचना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब सवा छह बजे राजधानी ढाका के प्रसिद्ध कपड़ों के बाजार में आग लगी है। इस बाजार का नाम बंगाबाजार है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कई तस्वीरें और वीडियो सामने आ चुके हैं। दमकल सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए 47 दमकल इकाइयां काम कर रही हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया है, कि उनके पास आग पर काबू पाने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। उन्होंने कहा, कि फिलहाल वैकल्पिक जल स्रोत के रूप में आसपास की इमारतों से पानी लिया जा रहा है। आग पर काबू पाने और राहत-बचाव के लिए आर्मी और एयरफोर्स ने कमान संभाल ली है। आग पर काबू पाने के लिए आसमान से पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

सरेंडर के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे ट्रम्प

बोले- हमें अपना देश वापस लेकर इसे फिर महान बनाना है ; कोर्ट में वीडियोग्राफी पर रोक

न्यूयॉर्क।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प न्यूयॉर्क पहुंचे। पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अफेयर और फिर उसे पैसे देकर चुप कराने के मामले में वे कोर्ट में पेश होंगे। ट्रम्प फ्लोरिडा स्थित घर मार-ए-लागो से निकले। इसके बाद वो प्राइवेट जेट से करीब न्यूयॉर्क में ट्रम्प टावर पहुंचे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा- हमें अपना देश वापस लेना है और अमेरिका को फिर से महान बनाना है। उन्होंने अपने समर्थकों से प्रेसिडेंशियल कैंपेन के लिए पैसे डोनेट करने को भी कहा। मैनहैटन कोर्ट में सुनवाई के दौरान वीडियोग्राफी पर पाबंदी रहेगी। कार्रयवाही शुरू होने से पहले स्टिल फोटोग्राफर्स के 5 ग्रुप को कुछ मिनट तक फोटोज खींचने की इजाजत दी जाएगी। जज मर्चेन ने फैसला सुनाते हुए कहा- अमेरिका में पहली बार किसी पूर्व राष्ट्रपति पर क्रिमिनल चार्ज लगाए जाएंगे। ऐसे में हम किसी विवाद का रिस्क नहीं ले सकते हैं। कोर्टरूम में किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं होगी। ट्रम्प के सरेंडर को लेकर न्यूयॉर्क में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतेजाम किए गए हैं।

न्यूयॉर्क मेयर बोले- शहर लोगों का गुस्सा निकालने का मैदान नहीं – न्यूयॉर्क में सुनवाई के दौरान सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतेजाम किए गए हैं। न्यूयॉर्क मेयर एरिक ऐडम्स ने कहा- हमारा मैसेज एकदम साफ है। खुद पर काबू रखें। न्यूयॉर्क शहर हमारा घर है, लोगों का गुस्सा निकालने के लिए मैदान नहीं। हम उम्मीद करते हैं कि लोग सही बर्ताव करेंगे। सुनवाई के बाद ट्रम्प फ्लोरिडा पहुंच कर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

ट्रम्प ने की थी वीडियो-फोटोग्राफी पर रोक की मांग – इससे पहले ट्रम्प के वकीलों ने उनके सरेंडर के दौरान कोर्ट में वीडियो या फोटोग्राफी पर पाबंदी लगाने की मांग की थी। कोर्ट को लिखे एक लेटर में उन्होंने कहा था- ट्रम्प पर क्रिमिनल केस को लेकर देश में पहले ही सर्कसनुमा माहौल बना हुआ है। ऐसे में सरेंडर की मीडिया कवरेज इसे और खराब करेगी। इससे कोर्टरूम की गरिमा कम होगी।

सुनवाई से पहले वकीलों के साथ मीटिंग्स में जुटे ट्रम्प – सुनवाई के दौरान ट्रम्प पर कौन से चार्ज लगे हैं

इसका भी खुलासा होगा। उम्मीद की जा रही है कि सुनवाई के बाद ट्रम्प बेल पर छोड़ दिया जाएगा। इसके बाद वो फ्लोरिडा वापस लौट जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प पर कम से कम एक गंभीर आरोप से जुड़ा चार्ज लगाया जाएगा। इसके अलावा कुछ दूसरी रिपोर्ट्स के अनुसार ट्रम्प के अभियोग में करीब 30 मामले हैं। ये सभी 2016 के चुनाव के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को किए गए भुगतान से जुड़े हैं।

रास्ते में पोस्टर-बैनर के साथ मौजदू रहे समर्थक – मार-ए-लागो से ट्रम्प टावर पहुंचने के दौरान रास्ते में ट्रम्प के समर्थक मौजूद रहे। कई जगहों पर उनके सपोर्ट में बैनर और पोस्टर भी नजर आए। न्यूयॉर्क पहुंचकर ट्रम्प ने हाथ हिलाकर अपने समर्थकों को संबोधित किया। ट्रम्प इसके बाद का पूरा समय अपने वकीलों के साथ केस को लेकर मीटिंग करते हुए बिताएंगे। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स और कोर्ट ऑफिसर्स के साथ वो पहले डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ब्रैग के ऑफिस और फिर मैनहैटन के कोर्टरूम में सरेंडर करेंगे। इससे पहले 31 मार्च को कोर्टरूम में ट्रम्प के केस की सुनवाई को लेकर न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सीक्रेट सर्विस एजेंट्स मैनहैटन के कोर्टहाउस पहुंचे थे। यहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। एजेंट्स ने कहा कि ट्रम्प के फ्लोरिडा के मार-ए-लागो से न्यूयॉर्क में ट्रम्प टावर पहुंचने तक सुरक्षा के लिए कई एजेंट्स की जरूरत पड़ेगी।

पॉर्न स्टार को पैसे देने का पूरा मामला

- 1. पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला 2006 का है। तब डोनाल्ड ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। पॉर्न स्टार स्टार्मी डेनियल्स तब 27 साल की थीं और ट्रम्प 60 साल के। जुलाई 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी।
- 2. स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि जब ट्रम्प से उनकी मुलाकात हुई, तब उनकी तीसरी पत्नी मेलेनिया ने बेटे बैरन को जन्म दिया था। बैरन को जन्म लिए महज 4 महीने ही हुए थे।
- 3. अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प के बॉडीगार्ड्स ने उन्हें एक नए स्टार के पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था।
- 4. आरोप हैं कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे।
- 5. ट्रम्प की ओर से पोर्न स्टार को दिए गए पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वाल स्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया। वे अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिनपर आपराधिक मुकदमा चलने वाला है।

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार ने न्यायपालिका पर बोल दिया है हल्ला

इस्लामाबाद ।
दो प्रांतों में चुनाव की तारीख के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले ही शहबाज शरीफ सरकार ने सर्वोच्च न्यायपालिका पर हमला बोल दिया। शरीफ सरकार और सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) ने बीते कुछ हफ्तों से सुप्रीम कोर्ट को सीधे निशाने पर ले रखा है। खास कर चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल उनके निशाने पर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि पंजाब और खैबर पख्तूनवा में प्रांतीय असेंबली चुनाव की तारीख को लेकर चल रहे विवाद पर अदालत फैसला सुनाएगी। शरीफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को उनके पद से हटाने का फैसला कर लिया। पीडीएम ने हाल में सुप्रीम कोर्ट के जजों में विभाजन कराने की रणनीति अपनाई है। इसके तहत सरकार जज काजी फायेज इसा के पक्ष में खड़ी हुई है। इसा ने चुनाव की तारीख के मामले में अपनी पहल पर दखल देने के न्यायमूर्ति बंदियाल के निर्णय पर सवाल उठाया था। अब सरकार ने कहा है कि रजिस्ट्रार इशरत अली ने न्यायमूर्ति इसा के एक आदेश का पालन नहीं किया था। इस वजह से उन्हें अपने पद से हटाया जा रहा है।

चुनाव तारीख के मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस बंदियाल ने कई कड़ी टिप्पणियां की थीं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन टिप्पणियों की सार्वजनिक आलोचना की। चीफ जस्टिस ने कहा था- 'आज अगर आप संसद में जाएं, तो वहां ऐसे लोग संसद को संबोधित करते नजर आएंगे, जो कल तक जेल में थे और जो घोषित गद्दार हैं। अब उन्होंने वहां कब्जा जमा लिया है। उनका सम्मान किया जा रहा है, क्योंकि वे जन प्रतिनिधि हैं।

संसद में शहबाज शरीफ ने इस टिप्पणी पर कड़ा एतराज जताया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान सरकार ने संसद में वह बिल पेश कर दिया था, जिसके जरिए अपनी पहल पर किसी मामले में दखल देने के चीफ जस्टिस के अधिकार को खत्म करने का प्रावधान है। पीडीएम की कई बैठकें हुईं, जिनमें चुनाव तारीख मामले में संभावित फैसले पर विचार किया गया। इसमें निर्णय लिया गया कि तीन जजों की बेंच अगर तुरंत चुनाव कराने का आदेश देती है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाए। इस तरह शहबाज शरीफ सरकार ने न्यायपालिका को सीधी चुनौती देने का मन बनाया है।

भारतीय छात्र का आरोप- लंदन यूनिवर्सिटी में चल रहा भारत विरोधी अभियान, हिंदू होने के चलते बनाया निशाना

लंदन ।
एक भारतीय छात्र ने दावा किया है कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में उसे छात्र संघ चुनाव से इसलिए अयोग्य ठहराया गया क्योंकि वह एक भारतीय है और हिंदू समुदाय से उसका संबंध है। भारतीय छात्र ने दावा किया कि उसे बदनाम करने के लिए सुनियोजित साजिश रची गई। बता दें कि हरियाणा के निवासी करण कटारिया लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कानून की परास्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। करण ने बताया कि साथियों के कहने पर उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र संघ चुनाव में महासचिव पद का चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि बीते हफ्ते आए नतीजों में उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। करण ने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ लोग यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि एक भारतीय हिंदू लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का नेतृत्व करे। मेरी छवि को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। करण ने कहा कि भारतीय और हिंदू होने के चलते उनके खिलाफ जिस तरह से साजिश रची गई, उसे देखकर उन्हें दुख हुआ। करण ने कहा कि छात्र संघ चुनाव के दौरान हर देश के छात्रों ने

उनका समर्थन किया लेकिन इस्लामोफोबिक, और हिंदू राष्ट्रवादी होने के आरोप लगाकर मुझे अयोग्य घोषित कर दिया गया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मेरी छवि को बदनाम करने की कोशिश करने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने की बजाय मेरा पक्ष जाने बिना मुझे अयोग्य करार दे दिया। करण ने ये भी बताया कि चुनाव के दिन भारतीय और हिंदू छात्रों को उनकी धार्मिक पहचान के लिए उन्हें निशाना बनाया गया। छात्रों ने जब इसकी शिकायत की तो यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। वहीं यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि वह किसी भी तरह की प्रताड़ना के खिलाफ हैं। हालांकि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्र संघ चुनाव की समीक्षा करने की बात कही है।

भारतीय कंपनी की आई ड्रॉप से आंखों की रोशनी जाने का आरोप, एफडीए ने किया उत्पादन में कमियों को लेकर खुलासा

वॉशिंगटन ।
भारतीय कंपनी ग्लोबल फार्मा की आई ड्रॉप से बीते दिनों अमेरिका में कई लोगों की आंखों में संक्रमण होने, कुछ लोगों की आंखों की रोशनी जाने और कुछ की मौत होने का सनसनीखेज मामला सामने आया था। अब अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी कि एफडीए ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि जिस प्लांट में आई ड्रॉप का निर्माण किया जा रहा था, वहां साफ-सफाई की स्थिति दयनीय थी और वहां पर नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था।

क्या है एफडीए की रिपोर्ट में

एफडीए के अधिकारी बीती 20 फरवरी को भारत के तमिलनाडु में स्थित कंपनी ग्लोबल फार्मा के प्लांट जांच के लिए आए थे। अमेरिकी अधिकारी 2 मार्च तक भारत में रहे और प्लांट की गड़बड़ियों की जांच करते रहे। अब एफडीए के अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि फार्मा कंपनी के प्लांट में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और औजार गंदे थे और

कर्मचारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़े भी साफ नहीं थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूरे प्लांट में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब थी। कंपनी के लिखित दस्तावेज भी सही नहीं थे और कर्मचारियों की ट्रेनिंग में भी कई दिनों का अंतर था। कंपनी के रिकॉर्ड में इस बात का जिक्र नहीं था कि कर्मचारियों के कपड़े कितनी बार इस्तेमाल किए जा सकते हैं। जिस जगह पर दवाईयों की पैकेजिंग की जा रही थी, उस जगह को भी तय मानकों के अनुसार साफ नहीं किया गया था और उस जगह को बैक्टीरिया मुक्त नहीं किया गया था। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि दवाई बनाने के लिए जिन तत्वों का इस्तेमाल किया जा रहा था, उनकी भी जांच नहीं की जा रही थी। एफडीए के अधिकारियों ने अपनी जांच में प्लांट को तय मानकों के अनुरूप नहीं पाया और उसे रिजेक्ट कर दिया।

आई ड्रॉप से कुछ लोगों की मौत के मामले आए थे सामने

एफडीए ने दावा किया था कि चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली एक आई ड्रॉप के इस्तेमाल से 55 लोगों को आंख में संक्रमण की समस्या हुई। संक्रमित लोगों में कुछ की आंखों की रोशनी चली गई तो आंख में रक्तस्त्राव हो जाने से एक व्यक्ति की मौत भी हो गई थी। इस आई ड्रॉप को अमेरिकी कंपनी डेलसम फार्मा और एज्रीकेयर द्वारा अपने ब्रांड नेम से अमेरिकी बाजार में बेचा जा रहा था। आंखों में सूखेपन और जलन से बचने के लिए इस आई ड्रॉप का इस्तेमाल किया जा रहा था। हालांकि विवाद के बाद कंपनी ने इस आई ड्रॉप को बाजार से वापस मंगा लिया था और लोगों से इसका इस्तेमाल ना करने की अपील की थी।

नासा ने चांद पर जाने वाले क्रू की घोषणा की

पहली बार महिला और अश्वेत एस्ट्रोनॉट्स का चयन, अगले साल लॉन्च होगा आर्टेमिस-2 मिशन

कैलिफोर्निया।
नासा 50 साल बाद चांद पर एस्ट्रोनॉट्स भेजने वाला है। आर्टेमिस-2 मिशन के तहत अगले साल चार एस्ट्रोनॉट्स चांद के चारों तरफ चक्कर लगाकर वापस धरती पर आएंगे। इस क्रू में पहली बार एक महिला और एक अफ्रीकन-अमेरिकन (अश्वेत) एस्ट्रोनॉट भी शामिल होगा। अपोलो मिशन के 50 साल से ज्यादा समय के बाद कोई इंसान चंद्रमा तक जाएगा। 10 दिन के इस मून मिशन के लिए क्रिस्टीना हैमॉक कोच को विशेषज्ञ के तौर पर चुना गया है। इससे पहले क्रिस्टीना सबसे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में रहने का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। उनके अलावा अमेरिकी नेवी के विक्टर ग्लोवर को भी बतौर पायलट चुना गया है। वो पहले ब्लैक एस्ट्रोनॉट होंगे जो मून मिशन पर स्पेस जाएंगे।

2025 में चांद पर उतरेंगे एस्ट्रोनॉट्स – मिशन के लिए चुने गए 4 में से 3 एस्ट्रोनॉट्स अमेरिका के हैं जबकि एक कनाडाई है। इन नामों की घोषणा ह्यूस्टन स्थित जॉनसन स्पेस सेंटर से की गई। मून मिशन के दौरान एस्ट्रोनॉट्स चांद पर कदम नहीं रखेंगे। ये एक फ्लाईबाई मिशन है जिसके तहत एस्ट्रोनॉट्स सिर्फ चांद के चक्कर लगाकर वापस आ जाएंगे। हालांकि अगर ये मिशन सफल होता है 2025 में आर्टेमिस-3 मिशन भेजा जाएगा, जिसमें जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स चांद पर पैर रखेंगे।

22 लाख किलोमीटर की यात्रा का टारगेट – आर्टेमिस-2 मिशन के दौरान करीब 22 लाख किलोमीटर की यात्रा करेगा। इसका मकसद ये जांचना है कि ओरियन स्पेसशिप के सभी लाइफ-सपोर्ट सिस्टम ठीक से डिजाइन किए गए हैं। जिससे एस्ट्रोनॉट्स को डीप स्पेस में जाने और 2025 में मून लैंडिंग के दौरान परेशानी न हो। आर्टेमिस वापस लौटने से पहले चंद्रमा के सुदूर भाग से कुछ 10,300 किलोमीटर दूर तक जाएगा।

नासा ने 15 नवंबर, 2022 को तीसरी कोशिश में आर्टेमिस-1 मिशन लॉन्च किया था। ये 25 दिन बाद 14 लाख मील की यात्रा पूरी करके 10 दिसंबर को धरती पर लौट आया था। इससे पहले दिसंबर 1972 में अपोलो-17 मिशन ही चांद के इतने करीब पहुंचा था। ओरियन स्पेस कैप्सूल के लिए बनाया गया दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट एसएलएस नासा ने 1972 में अपोलो मिशन चंद्रमा पर भेजा था। इसके 50 साल बाद मून मिशन की लॉन्चिंग की जा रही है। इस बार भेजे जा रहे स्पेसक्राफ्ट ओरियन को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए नासा ने दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट स्स्स बनाया है।

क्या है आर्टेमिस मिशन – अमेरिका 53 साल बाद एक बार फिर आर्टेमिस मिशन के जरिए इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहा है। इसे तीन भागों में बांटा गया है। आर्टेमिस-1, 2 और 3। आर्टेमिस-1 ने चंद्रमा का चक्कर लगाया, कुछ छोटे सैटेलाइट्स छोड़े और चांद के कई जरूरी फोटोज-वीडियोज उपलब्ध कराए। 2024 के आसपास आर्टेमिस-2 को लॉन्च किया जाएगा। इसमें कुछ एस्ट्रोनॉट्स भी जाएंगे, लेकिन वे चांद पर कदम नहीं रखेंगे। वे सिर्फ चांद के ऑर्बिट में घूमकर वापस आ जाएंगे। इस मिशन की अवधि ज्यादा होगी। इसके बाद फाइनल मिशन आर्टेमिस-3 को रवाना किया जाएगा। इसमें जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स चांद पर उतरेंगे। यह मिशन 2025 या 2026 में लॉन्च किया जा सकता है। पहली बार महिलाएं भी ह्यूमन मून मिशन का हिस्सा बनेंगी। इसमें पर्सन ऑफ कलर (श्वेत से अलग नस्ल का व्यक्ति) भी क्रू मेम्बर होगा। एस्ट्रोनॉट्स चांद के साउथ पोल में मौजूद पानी और बर्फ पर रिसर्च करेंगे। नासा ऑफिस ऑफ द इंस्पेक्टर जनरल के एक ऑडिट के अनुसार, 2012 से 2025 तक इस प्रोजेक्ट पर 93 बिलियन डॉलर, यानी 7,434 अरब रुपए का खर्चा आएगा।

भारत को विश्व शक्ति के रूप में मिली नई पहचान : कोविंद

महावीर जयंती के कार्यक्रम में पानीपत पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति

चंडीगढ़ (हिंस)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि आज भारत विश्व शक्ति बन चुका है। भारत की बढ़ी हुई शक्ति का ही प्रमाण है कि हम रूस-युक्रेन युद्ध के बीच वहां से अपने 23 हजार ये अधिक विद्यार्थियों को सकुशल वापिस लेकर आए। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद पानीपत टीडीआई सिटी में मंगलवार को भगवान महावीर जयंती के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारत की बढ़ी ताकत अहिंसा एवं सर्वकल्याण की भावना है। भगवान महावीर के दिखाए मार्ग पर चलकर हम बड़ी से बड़ी चुनौती को पार कर सकते हैं। जिस कालखंड में भगवान महावीर हुए उसी कालखंड

में भगवान बुद्ध भी हुए। उन्होंने कहा कि बिहार का राज्यपाल रहते हुए मुझे इन दोनों महान विभूतियों के बारे में जानने का अवसर मिला। मेरा मानना है कि दोनों ही महान विभूतियों की भेंट जरूर हुई होगी। बिहार में भगवान महावीर की जन्मस्थली और निर्वाण स्थली है। इन दोनों स्थानों के दर्शन से नई प्रेरणा मिलती है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध का विराम हो सकता है तो वह भारत के दिखाए रास्ते से ही संभव है। यह एक तरह से विश्व युद्ध है। केवल यूक्रेन नहीं पूरी मानवता का नुकसान हो रहा है। जब युद्ध शुरू हुआ तो सभी देशों ने हाथ खड़े कर दिए थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की और यूक्रेन में पढ़ाई कर रहे अपने छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आए। यह भारत की ताकत है कि विद्यार्थी भारत का तिरंगा लेकर चले और यूक्रेन से बाहर निकल कर आए। इस मौके पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कोविंद की धर्मपत्नी सविता कोविंद, भगवान महावीर विश्वविद्यालय के चांसलर नंद किशोर, जैन मुनि समर्पण सागर जी समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

घरवालें सोते रहे लुटेरी दुल्हन गहना रुपया लेकर भागी

जोधपुर (हिंस)। शादी के डेढ़ महिने में लुटेरी दुल्हन गहना नगदी लेकर चंपत हो गई। पीड़ित ने छत्तीसगढ़ की एक युवती के साथ इस साल जनवरी में शादी की थी। सुबह परिवार में जाग हुई तो पता लगा कि दुल्हन गहनें और रूपयों के साथ गायब है। आशंका है कि वह किसी परिचित या अज्ञात वाहन में बैठक र फरार हो गई है। पीड़ित ने अब एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस इस बोर में अनुसंधान में जुटी है। गोयलों की ढाणी सूरसागर निवासी महेंद्र सिंह की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि उसकी शादी नहीं होने पर उसने शादी एजेंट कलाल कॉलोनी निवासी संपतसिंह आदि से संपर्क किया था। तब संपत ने उसे शादी करवाने के लिए छत्तीसगढ़ की युवती की तस्वीर दिखाई और शादी के लिए तीन लाख रूपए मांगे गए थे। परिवादी के अनुसार उसे लड़की पसंद आने पर 19 जनवरी 23 को शादी करवाई गई। शादी के बाद लड़की को परिवादी ने अपनी तरफ से सोने का मंगलसूत्र, कानों के टोप्स, एक मोबाइल एवं 20 तोला वजनी चांदी के आइटम दिए थे।

राजस्थान बना *राइट टू हेल्थ* लागू करने वाला देश का पहला राज्य

स्वास्थ्य के अधिकार को लेकर राज्य सरकार और चिकित्सकों के बीच सहमति

जयपुर (हिंस)। सरकार और चिकित्सकों बीच राइट टू हेल्थ (आरटीएच) को लेकर लंबे समय चल रहा गतिरोध मंगलवार को समाप्त हो गया। चिकित्सकों और सरकार के बीच आठ मांगों पर समझौता होने के साथ ही राजस्थान *राइट टू हेल्थ* लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि चिकित्सकों का जनहितैषी कानून पर सहमत होना सुखद संकेत है। गहलोत ने कहा है कि सभी प्रदेशवासियों ने इस बिल के पक्ष में राज्य सरकार का सहयोग किया और आग बढ़कर इस जनहितैषी बिल का स्वागत किया है। अब चिकित्सकों की भी इस महत्वपूर्ण बिल पर सहमति बनना सुखद संकेत है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सभी चिकित्सक तुरंत प्रभाव से काम पर वापस लौटेंगे और स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आरजीएचएस जैसी योजनाओं को सरकारी एवं निजी अस्पताल मिलकर सफल बनाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निजी एवं सरकारी अस्पतालों ने जिस तरह कोरोनाकाल में बेहतरीन प्रबंधन कर मिसाल कायम की, उसी तरह इन योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर *राजस्थान मॉडल ऑफ पब्लिक हेल्थ* पेश करेंगे। मुख्य सचिव उषा शर्मा के निवास पर प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा टी. रविकांत एवं आईएमए, उपचार तथा पीएचएनएस के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर दोनों पक्षों की ओर से सहमति व्यक्त की गई। समझौते के अनुसार *स्वास्थ्य का अधिकार* लागू करने के प्रथम चरण में 50 बेड से कम के निजी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाएगा। जिन निजी अस्पतालों ने सरकार से कोई रियायत नहीं ली है या अस्पताल के भू-आंवटन में कोई छूट नहीं ली है, उन पर भी इस कानून की बाध्यता नहीं होगी। समझौते के अनुरूप प्राइवेट मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल्स, पीपीपी मोड पर संचालित अस्पताल, नि:शुल्क या अनुदानित दरों पर भू-आवंटन वाले अस्पताल, ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पतालों पर यह कानून लागू होगा। समझौते में इस बिंदु पर भी सहमति व्यक्त की गई कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर चल रहे अस्पतालों का *कोटा मॉडल* के अनुरूप नियमितीकरण पर विचार किया जाएगा। कोटा मॉडल के तहत उन अस्पतालों के भवनों को नियमों में शिथिलता प्रदान कर नियमित करने पर विचार किया जाएगा, जो आवासीय परिसर में चल रहे हैं। समझौते के अनुसार आंदोलन के दौरान दर्ज पुलिस एवं अन्य केस वापस लिए जाएंगे। निजी अस्पतालों को लाइसेंस एवं अन्य स्वीकृतियां जारी करने के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम लाए जाने पर विचार किया जाएगा। निजी अस्पतालों को फायर एनओसी प्रत्येक पांच साल में देने के बिंदु पर विचार किया जाएगा। साथ ही यह भी सहमति व्यक्त की गई कि भविष्य में स्वास्थ्य के अधिकार कानून से संबंधित नियमों में बदलाव आईएमए के प्रतिनिधियों से चर्चा कर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कोरोना पॉजिटिव

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। दोनों नेताओं ने खुद मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। फिलहाल दोनों आइसोलेशन में हैं। मुख्यमंत्री गहलोत रविवार को राहुल गांधी और कांग्रेस के बड़े नेताओं से मिले थे। सोमवार को उन्होंने आवास पर आयोजित जनसुनवाई में सैकड़ों लोगों से मुलाकात की थी। गहलोत ने मंगलवार को ट्विट किया कि पिछले कुछ दिनों में देशभर में कोविड के मामले बढ़े हैं। मैं स्वयं भी हल्के लक्षणों के साथ कोविड से संक्रमित हो गया हूं। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार अगले कुछ दिन निवास से ही कार्य जारी रखूंगा। आप सब सावधानी बरतें एवं कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। इसी तरह वसुंधरा राजे ने ट्वीट कर जानकारी दी कि कोविड की जांच में मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। चिकित्सकों की सलाह पर मैं पूर्ण रूप से आइसोलेशन में हूं। जो लोग मेरे संपर्क में रहे, वे अपनी जांच करवाएं और सावधानी बरतें। राजे रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई विधायक दल, कोर कमेटी व पदाधिकारियों की बैठक में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनसे पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं व नेताओं ने मुलाकात की थी। नए प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने पार्टी कार्यालय के बाद उनके निवास पर भी पहुंच कर भी मुलाकात की थी।

तोशाम पुलिस स्टेशन का मुख्यमंत्री ने किया औचक निरीक्षण

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने भिवानी जिले के दौरे के तीसरे दिन मंगलवार को तोशाम पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने थाने में सिपाहियों की बेड व्यवस्था सहित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पांच लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री लाल ने निरीक्षण के दौरान मैस और अन्य कमरों सहित पुलिस स्टेशन की आर्मरी और रिकॉर्ड रूम चेक किया। पुलिस स्टेशन में स्वच्छता देखकर उन्होंने एसएचओ सुखबीर सिंह की सराहना की। मनोहर लाल ने पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत व थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र में अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। जो भी आम नागरिक थाने में अपनी शिकायत लेकर आता है, उसे गंभीरता से सुना जाए और प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने थाने को अपग्रेड करने के लिए भी जरूरी दिशा निर्देश दिए। तोशाम में ग्रामीणों से जनसंवाद कार्यक्रम में मनोहर लाल

ने कहा कि तोशाम में 1850 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। इसी प्रकार गांव में 6339 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिनमें से 197 आयुष्मान कार्ड धारक अपना इलाज करवा चुके हैं, जिसकी लागत 17 लाख रुपए आई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बिना पर्ची बिना खर्ची के युवाओं को सरकार नौकरियां दी हैं। तोशाम में लगभग 70 युवाओं को नौकरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री से संवाद करते समय एक व्यक्ति ने कहा कि वर्तमान सरकार में वह बिना किसी सिफारिश के नौकरी लगा है, जिसके लिए पहले की सरकारों में सिफारिश की जरूरत पड़ती थी। वर्तमान सरकार की सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता की बदौलत ही वह सरकारी नौकरी हासिल कर पाया है। मनोहर लाल ने कहा कि पहले ट्रांसफर के लिए चंडीगढ़ तक कार्यालयों में चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करके पारदर्शिता के तहत ट्रांसफर ऑनलाइन किए, जिससे तबादला उद्योग बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जमीन की फरद ऑनलाइन करके आम जनता को बड़ी राहत दी है। अब ऑनलाइन फरद मान्य होगी। मुख्यमंत्री वर्ष 2023 के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में जाकर जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे, जिसकी शुरुआत 2 अप्रैल से भिवानी जिला के गांव खरक कलां से की थी। जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीण अंचल की पुरानी परंपराओं को ध्यान में रखते हुए बैठक के लिए चारपाई व मूढ़े का प्रयोग किया गया और खुद मुख्यमंत्री भी मूढ़े पर बैठकर ग्रामीणों से संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह अंदाज ग्रामीणों को बहुत भा रहा है।

सीएम मान को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से मिलीं ड्रग्स तस्करी की जांच रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों पर पंजाब सरकार राज्य में नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ जल्दी ही कार्रवाई शुरू करेगी। नशीले पदार्थों से पंजाब की जवानी बर्बाद करने वाले लोगों को बक्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे की जांच रिपोर्ट लंबे समय से लटक रही थी। अब उनको हाईकोर्ट से तीन पैकटों में रिपोर्ट मिल गई है, तो नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह रिपोर्टें विशेष जांच टीम की तरफ से पेश की गई थीं, जिसने मामले की गहराई से जांच की थी। इस कार्यवाही ने अफसरों-राजनीतिज्ञों और नशा तस्करों के मज़बूत गठजोड़ के खिलाफ सख्त कार्रवाई का रास्ता साफ कर दिया है, जो लंबे समय से इस धंधे में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्टें पांच सालों से लटक रही थी और पिछली कांग्रेस सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, परंतु पद संभालने के बाद बीती 15 फरवरी को उन्होंने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में पेश की गई सभी सीलबंद रिपोर्टें सार्वजनिक करने के लिए सहमति दी थी, जो पुलिस अधिकारियों और नशा तस्करों के बीच गठजोड़ को दर्शाती हैं। मंगलवार को चंडीगढ़ में जारी एक बयान में सीएम ने कहा कि पिछली अकाली-भाजपा और कांग्रेस सरकारों के दौरान फैले नशे के कारोबार ने राज्य की आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों के रसूखदार नेताओं ने अफसरशाही और नशा तस्करों की मिलीभगत के साथ इस गैर-कानूनी धंधे को संरक्षण दिया। भगवंत मान ने कहा कि इस घृणित अपराध के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनको सलाखों के पीछे डाला जाएगा।

अभिभावकों की बार-बार शिकायतों के बाद आखिरकार जागा शिक्षा विभाग

सिरसा (हिंस)। अभिभावकों की बारबार शिकायतों के बाद आखिरकार शिक्षा विभाग जाग गया है। आज जिला शिक्षा अधिकारी आत्म-प्रकाश मेहरा के नेतृत्व एक टीम सिरसा शहर में बुक डिपो पर जांच के लिए पहुंची और कुछ किताबों के सेंपल लिए हैं। टीम में अमित मनहर व अन्य अधिकारी शामिल थे। डीईओ के नेतृत्व में विभाग की टीम आज शहर में किताबों की जांच करने के लिए निकली। पहले टीम बेगू रोड स्थित जिंदल बुक डिपो पर पहुंची। वहां पर न तो बिल बुक मिली और न ही स्टोक का रिकार्ड। वहां पर बेची जा रही प्राइवेट पब्लिसर की किताबों के रेट भी अधिक पाए गए। एनसीईआरटी की किताबों पर स्कैनर नहीं लगे हुए थे। यानि, उन किताबों के डुप्लीकेट होने का शक है। टीम ने वहां से कुछ किताबों के सेंपल लिए हैं। इसके बाद टीम सुभाष चौक स्थित गुरुनानक किताब घर पर पहुंची। वहां रिकॉर्ड व बिल बुक सही पाई गई। किताबें भी एनसीईआरटी की थी। वहां से टीम विजय बुक डिपो पर गई। वहां जांच के दौरान पता चला कि विक्रेता बल नहीं दे रहा था। वहां अधिकांश प्राइवेट पब्लिसर की किताबें थीं। जो किताबें एनसीईआरटी की थी, उन पर भी एनसीईआरटी का लोगो नहीं था। इस बारे में जब डीईओ ने पूछताछ की तो विक्रेता के साथ कहा सुनी भी हो गई। विक्रेता ने यहां तक कह दिया कि आप किसकी परमिशन से जांच करने आए हैं। टीम ने वहां से भी कुछ किताबों के सेंपल लिए हैं। जांच अभियान के बारे में मीडिया से बात करते हुए डीईओ मेहरा ने कहा कि डीसी सिरसा के पास कुछ शिकायतें आ रही थी जिसमें कहा गया था कि कुछ बुक डिपो संचालक एनसीईआरटी की किताबों पर जो वास्तविक रेट है। उसे मिटाकर अपने हिसाब से नई रेट प्रिंट करके बेच रहे हैं। जैसे किसी किताब की कीमत 70 रुपए हैं, लेकिन उस रेट पर नया प्रिंट करके उसे 150-160 रुपए में बेचा जा रहा है। यह भी शिकायत थी कि एनसीईआरटी की कुछ किताबें डुप्लीकेट छापकर बेची जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किताबों के सेंपल लिए गए हैं जिन्हें लैब में भेजा जाएगा।

एएसआई ने पत्नी व बेटे की हत्या कर खुद को भी मारी गोली

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के गुरदासपुर जिले के गांव भूबंली में एक एएसआई ने अपनी पत्नी, बेटे तथा पालतू कुत्ते को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद एएसआई इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी लड़की का अपहरण करके फरार हो गया। पुलिस ने कुछ घंटे बाद जब एएसआई की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की, तो उसने खुद को भी गोली मार ली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार एएसआई भूपिंदर सिंह का बेटा बलप्रीत विदेश जाने की तैयारी कर रहा था। अमृतसर स्थित डीआईजी कार्यालय में तैनात भूपिंदर सिंह दो दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। मंगलवार सुबह उसने पत्नी बलजीत कौर (40) और बेटे बलप्रीत सिंह (17) की गोलियां मार कर हत्या कर दी। इसके अलावा भूपिंदर ने अपने पालतू कुत्ते को भी मार दिया। इस दौरान उसके पड़ोस में रहने वाली मनजीत कौर ने गोलियां चलने की आवाज सुनी, तो वह मौके पर पहुंच गई। भूपिंदर सिंह उसे भी अगवा करके फरार हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और जगह-जगह नाकाबंदी कर दी। इस बीच पुलिस को पता चला कि भूपिंदर सिंह बटाला स्थित अपने रिश्तेदार के घर में छिपा

मनुष्य को सबके साथ प्यार और नम्रता से पेश आना चाहिए : शास्त्री

सांबा (हिंस)। द्वारकापुरी आश्रम में चल रही श्रीमद भगवत कथा में कुलदीप शास्त्री जी महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा कि मनुष्य को सबके साथ प्यार और नम्रता से पेश आना चाहिए तभी मनुष्य का मनुष्य के प्रति प्रेम बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नदियों की अनेक धाराएं समुद्र की ओर बहती रहती हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को केवल कर्म करके फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। मनुष्य की इच्छा से फल की आशा छोड़कर कर्म की सफलता और असफलता को समान समझकर योगस्थ करना चाहिए। फल की इच्छा करने वाले हीन होते हैं। ईश्वर की कृपा से, अच्छे कर्म करने वाला मनुष्य इस संसार में अच्छे और बुरे दोनों का त्याग कर देता चाहिए और मनुष्य को केवल अच्छा कार्य ही करना चाहिए। क्योंकि जो अच्छे कार्य करता है वे सदा सुखी ओर अनद मे रहता है। इस कलयुग में जो व्यक्ति बुरे कर्म करता है उसका अंतिम समय भी बुरा ही होता है।

सिद्धू मूसेवाला का तीसरा गीत सात अप्रैल को होगा लांच

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला मृत्यु के बाद भी चर्चा में है। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद उनका तीसरा गीत मेरा नाम सात अप्रैल को लांच होने जा रहा है। गाने में रैपर बरना बॉय के बोल भी शामिल हैं। हाल ही में मूसेवाला के माता-पिता जब इंग्लैंड गए थे तो उन्होंने वहां बरना बॉय से मुलाकात की थी। इससे पहले मूसेवाला की मौत के बाद एसवाईएल आया था जिसे लेकर विवाद हो गया था। यूट्यूब पर सरकार ने बैन कर दिया गया था। बाद में मूसेवाला की धार्मिक वार भी परिवार ने रिलीज किया। पिता बलकौर सिंह बेटे की मौत के बाद एलान कर चुके हैं कि वह अभी 7 से 8 साल तक लगातार सिद्धू के गाने समर्थकों के बीच लाते रहेंगे। सिद्धू अपने गीतों में अभी 7 से 8 साल और जिंदा रहेगा। सिद्धू के गाने का इंतजार लगातार उनके चाहने वाले कर रहे हैं।

No. DVT-223/RIDF-XXVII (S)/Cachar/2022-23/10

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Director of A.H. & Veterinary Deptt.. Assam. on behalf of the Governor of Assam. invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department. Assam and Dairy Development. Assam with e-Tendering system provider through e-Tendering Portal **www.assamtenders.gov.in**. Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov.in**. and also in the Engineering Cell of this Directorate during office hours from **31.03.2023** to **26.04.2023.**

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Mahadevpur** in Cachar District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
2	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Rajatilla** in Cachar District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days

Bidders submitting Bids through online have also to submit each copy of the Documents of Technical Bid manually. The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule. Bid will be rejected / cancelled if Financial Bid submitted off line / hard copy.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVAILABILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON e-PROCUREMENT PORTAL	**31.03.2023** (11.00 HRS) **26.04.2023** (14.00 HRS)
PRE-BID METTING	**04.04.2023** at 13.00 HRS.
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	UP TO 14.00 HRS on **26.04.2023**
LAST DATE AND TIME FOR HARD COPY SUBMISSION (TECHNICAL BID)	UP TO 14.00 HRS ON **26.04.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS ON **27.04.2023.**
DATE AND TIME OF FINANCIAL BID OPENING	Intimated later on

Director
A.H. & Vety. Department, Assam,
Chenikuthi, Guwahati-3.

-- Janasanyog /C/283/23

No. C/S.No.04 of 2022-23/42

PRESS NOTICE

The Executive Engineer, PWD, Capital Construction Division, Dispur, Guwahati-6 on behalf of Governor of Assam invites item rate bids for the following works under P.W.D.(Bldg) Assam Class-I (A/B/C) and class-II contractors of A.P.W.D. having requisite experience in similar nature of work. Details may be seen at e-procurement portal website i.e.www.assamtenders.gov.in.

Package No.	Name of work	Approx. value of work (Rs. in Lakh)	Time of completion	Bid security	Bid security to be paid	Coast of Bid (Rs.)
1	1. Construction of G+2 stories extension of residential qtr. No..A-5 at 2nd floor of extended portion of Block-A of Senior officers Colony	Rs. 33,00,046.00	45 (Forty Five days)	2% of NIT value (for General) and 1% of NIT Value (for reserved category)	Internet Banking/NEF/T/RTGS	Rs. 660.00
	2. Renovation and up gradation works of quarter no A-3 including changing of existing wooden window by PUVC sliding window, extension of kitchen and Dining room, repairing of false ceiling. changing of floor and wall tiles of bathroom along with sanitary fittings & water supply connection providing new cupboard, kitchen cabinet and painting works at Senior Officers colony, Khanapara, Ghy-22	Rs. 30,28,212.00				Rs. 605.00

Note:-
1. NIT value may be changed during uploading of tender in t he website, which may be seen in Detailed NIT of the bid document.
2. The Bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov.in
3. The prospective bidder must visit the work site before submission of tender. The bidders have to submit evidence of site visit in the form of a certificate duly certified by the concerned Executive Engineer, P.W.D.

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
C.C. Division, Dispur, Guwahati-6

-- Janasanyog /C/314/ 23

सरकार ने 16.61 लाख करोड़ का डायरेक्ट टैक्स वसूला: सबसे ज्यादा 24.33प्रतिशत का उछाल पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन में, कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन भी बढ़ा

नई दिल्ली।
2022-23 में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) 17.63प्रतिशत बढ़कर 16.61 लाख करोड़ रुपए हो गया। ये एफवाय 23 में केंद्र को बजट अनुमान से 16.97प्रतिशत ज्यादा और संशोधित अनुमान से 0.69प्रतिशत ज्यादा है। केंद्रीय बजट 2022-23 में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन अनुमान 14.2 लाख करोड़ रुपए था। इसे रिवाइज कर 16.5 लाख करोड़ रुपए किया गया था। 2021-22 में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 14.12 लाख करोड़ रुपए रहा था।

ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 20.33प्रतिशत बढ़ा - इसी तरह 2022-23 में ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) सालाना आधार पर 20.33प्रतिशत बढ़कर 19.68 लाख करोड़ रुपए हो गया। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में ये 16.36 लाख करोड़ रुपए रहा था। वहीं ग्रॉस कॉरपोरेट टैक्स सालाना आधार पर 16.91प्रतिशत बढ़कर 10.04 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले ये 8.58 लाख करोड़ रुपए रहा था।

सबसे ज्यादा उछाल पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन में - पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन में सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिला है। ग्रॉस पर्सनल इनकम टैक्स 24.33प्रतिशत बढ़कर 9.6 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसमें शामिल है। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में ये 7.73 करोड़ रुपए रहा था। रिफंड्स की बात करें तो 2022-23 में ये 37.42प्रतिशत बढ़कर 3,07,352 करोड़ रुपए रहे। 2021-2022 में ये 2,23,658 रहे थे।

डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स में अंतर - जो टैक्स सीधे आम आदमी से वसूला जाता है उसे डायरेक्ट टैक्स कहते हैं। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट और पर्सनल इनकम टैक्स आता है। शेयर या दूसरे संपत्तियों पर लगने वाला टैक्स भी डायरेक्ट टैक्स कहलाता है। जो टैक्स सीधे आम जनता से नहीं लिया जाता लेकिन उसकी वसूली आम जनता से ही होती है, उसे इनडायरेक्ट टैक्स कहा जाता है। इसमें एक्साइज ड्यूटी, कस्टम ड्यूटी, जीएसटी शामिल हैं। पहले देश में कई प्रकार के इनडायरेक्ट टैक्स होते थे। लेकिन 1 जुलाई 2017 से सभी प्रकार इनडायरेक्ट टैक्स को जीएसटी में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, पेट्रोलियम पदार्थों और शराब पर लगने वाले टैक्स को अभी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

रिचर्ड ब्रैनसन की रॉकेट कंपनी वर्जिन ऑर्बिट दिवालियाः मिशन फेल होने के बाद नहीं मिली फंडिंग, अब तक 33 सैटेलाइट को ऑर्बिट में पहुंचाया

वॉशिंगटन। ब्रिटिश बिलेनियर सर रिचर्ड ब्रैनसन की रॉकेट कंपनी वर्जिन ऑर्बिट ने अमेरिका की डेलावेयर कोर्ट में दिवालियापन के लिए अर्जी दाखिल की है। नई फंडिंग नहीं मिलने के बाद ये अर्जी दाखिल की गई है। सैटेलाइट लॉन्च कंपनी ने हफ्तों पहले अपने ऑपरेशन बंद कर दिए थे, लेकिन उसे कारोबार के लिए खरीदार मिलने की उम्मीद है। कैलिफोर्निया में स्थित कंपनी ने पिछले हफ्ते 750 की वर्कफोर्स में से 85प्रतिशत को निकाले जाने की घोषणा की थी। इस साल की शुरुआत में, वर्जिन ऑर्बिट का रॉकेट यूके की धरती से अपना पहला सैटेलाइट लॉन्च करने में फेल रहा था। इसके फेल होने का कारण रॉकेट फ्यूल फिल्टर का डिसलॉज होना था, जिससे इसका एक इंजन ओवरहीट हो गया था। वर्जिन ऑर्बिट की स्थापना 2017 में हुई थी और यह सर रिचर्ड की स्पेस टूरिज्म कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक का स्पिन-ऑफ है। यह सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने के लिए मॉडिफाइड बोइंग 747 विमानों से रॉकेट लॉन्च करता है। वर्जिन ऑर्बिट के मिशन को यूके स्पेस एक्सप्लोरेशन के लिए एक मील का पत्थर के रूप में देखा जा रहा था। ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि यह देश को एक ग्लोबल प्लेयर में बदलने में मदद करने के लिए एक बड़ा कदम होगा जो सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग से लेकर रॉकेट और नया स्पेसपोर्ट बनाएगा। मिशन के फेल होने के बाद वर्जिन ऑर्बिट ने नई फंडिंग जुटाने की काफी कोशिश की, लेकिन उसे इसमें सफलता नहीं मिली।

मस्क ने ट्विटर की चिड़िया के लोगो को कुत्ते से क्यों बदला

वॉशिंगटन। ट्विटर के मालिक एलन मस्क इस माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के फीचर्स से लेकर इसकी पूरी शक्ल तक बदलने में जुटे हैं। इसी कड़ी में मस्क ने ट्विटर के चिर-परिचित बर्ड लोगो यानी चिड़िया के ट्रेडमार्क चिह्न को बदल दिया है। ट्विटर के डेस्कटॉप यूजर्स को अब नीली चिड़िया की जगह कुत्ते की तस्वीर नजर आ रही है। खुद एलन मस्क ने इसे लेकर अपने ट्विटर हैंडल पर एक कार्टून ट्वीट किया है, जिसमें यह कुत्ता एक ट्रैफिक पुलिस वाले को अपना आईडी कार्ड दिखा रहा है और इसमें लगी ट्विटर की चिड़िया को पुरानी तस्वीर बता रहा है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर एलन मस्क ने यह बदलाव क्यों किया इसके अलावा यह कुत्ता है कौन, जिसे मस्क की तरफ से लगातार प्रमोट किया जाता रहा है यह कुत्ता अपने आप में इतना चर्चित कैसे है ट्विटर लोगो में जिस कुत्ते की तस्वीर इस्तेमाल की गई है, उसका असली नाम काबोसु है। यह कुत्ता एक चर्चित मीम का हिस्सा रहा है। यह कुत्ता कितना लोकप्रिय रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इससे जुड़े मीम्स को डोज मीम्स कहा जाता है।

खत्म होंगे डायल-अप और लीज्ड लाइन इंटरनेट पहुंच सेवा के नियम, ट्राई ने की घोषणा

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने डायल-अप और लीज्ड लाइन इंटरनेट पहुंच सेवाओं की गुणवत्ता सेवा पर नियमों को खत्म करने के लिए मसौदा जारी किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा, अब कोई डायल-अप उपभोक्ता नहीं है।उच्च गति वाली ब्रॉडबैंड सेवाएं ऑप्टिकल फाइबर, वायरलेस प्रौद्योगिकी के जरिये उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसलिए डायल-अप और लीज्ड लाइन इंटरनेट पहुंच सेवा, 2001 (2001 का 4) की सेवा गुणवत्ता पर नियम को इसकी अधिसूचना की तारीख से रद्द करने का फैसला किया गया है। इस संबंध में मसौदे पर 17 अप्रैल तक राय मांगी गई है। डायल-अप कनेक्शन उस समय लगता है, जब दो या अधिक संचार उपकरण इंटरनेट सेवा प्रदाता से कनेक्ट करने के लिए सार्वजनिक स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क (पीएसटीएन) का उपयोग करते हैं।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया

फाइनेंशियल ईयर-2024 में इंडिया की जीडीपी ग्रोथ 6.3प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली।
वर्ल्ड बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2024 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। अपनी लेटेस्ट रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि स्लोअर इनकम के चलते कंज्मप्शन में कमी आई है, जिसके कारण भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.3प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

एफवाय -24 में रिटेल इन्फ्लेशन 6.6प्रतिशत से घटकर 5.2प्रतिशत हो जाएगी - वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में कहा कि पिछले फाइनेंशियल ईयर की दूसरी छमाही में कुछ नरमी के बावजूद भारत की जीडीपी ग्रोथ के फ्लेक्सिबल रहने की उम्मीद है। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में भारत की रिटेल इन्फ्लेशन 6.6प्रतिशत से घटकर 5.2प्रतिशत हो जाएगी। वहीं करेंट अकाउंट डेफिसिट के भी फाइनेंशियल ईयर-24 में 5.2प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6प्रतिशत से 6.3प्रतिशत किया -o वर्ल्ड बैंक ने अपने एफवाय 2023-24 के जीडीपी ग्रोथ फोरकास्ट को रिवाइज कर 6.6प्रतिशत (दिसंबर 2022) से 6.3प्रतिशत कर दिया है। स्लोअर कंज्मप्शन ग्रोथ और चैलेंजिंग एक्सटर्नल कंडीशन के चलते जीडीपी ग्रोथ के कम होने की उम्मीद है। बढ़ती बॉरोइंग कॉस्ट और स्लोअर इनकम ग्रोथ, प्राइवेट कंजम्पशन ग्रोथ पर असर डालेगी। वहीं महामारी से जुड़े फिस्कल सपोर्ट मेजर्स को वापस लेने के कारण सरकारी कंजम्पशन के भी धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में रिकॉर्ड हाई पर थी सर्विसेस एक्सपोर्ट्स ग्रोथ - एनालिस्ट और इकोनॉमिक्ट्स के अनुसार, भारत के सर्विसेस एक्सपोर्ट्स में ग्रोथ, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गई थी। इससे इकोनॉमी को बाहरी जोखिमों से बचाने की उम्मीद है, क्योंकि स्लो ग्लोबल इकोनॉमी देश के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट्स पर असर डाल सकती है। सर्विस एक्सपोर्ट अब सिर्फ आईटी सर्विसेज के जरिए ऑपरेट नहीं किया जा रहा है। बल्कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट और कंसल्टिंग जैसे ज्यादा अट्रैक्टिव ऑफरिंग्स के द्वारा भी ऑपरेट किया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी किए गए

आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही में भारत का सर्विसेस एक्सपोर्ट्स 24.5प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 83.4 बिलियन डॉलर रहा था। सर्विसेस सरप्लस, जो कैटेगरी में किसी भी इम्पोर्ट्स में कटौती करता है, वो भी 39.21प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 38.7 बिलियन डॉलर हो गया था। यह मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट में गिरावट के साथ मिलकर करंट अकाउंट डेफिसिट की उम्मीद से ज्यादा 18.2 बिलियन डॉलर या जीडीपी का 2.2प्रतिशत तक कम हो गया।

सर्विसेस एक्सपोर्ट्स बढ़कर 375 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगा - सर्विसेस एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन सुनील तलाती ने कहा, हमें उम्मीद है कि मार्च 2024 तक सर्विसेस एक्सपोर्ट्स बढ़कर 375 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगा, जबकि मार्च 2023 को खत्म फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में यह 320-350 बिलियन डॉलर रहा था।

एफवाय 2022-23 में सरकार का घाटा जीडीपी का 6.4प्रतिशत रहने की उम्मीद - सुनील ने कहा कि सर्विसेस एक्सपोर्ट्स मार्च 2025 तक गुड्स एक्सपोर्ट को पार कर जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक के लेटेस्ट डेटा के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट्स 105.6 बिलियन डॉलर रहा था। इस बीच फरवरी के आखिरी में केंद्र सरकार का फिस्कल डेफिसिट पूरे साल के लक्ष्य 82.8प्रतिशत तक पहुंच गया था। पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में सरकार को डेफिसिट यानी घाटा 17.55 लाख करोड़ या जीडीपी का 6.4प्रतिशत रहने की उम्मीद है। चिंता वाले एरियाज पर प्रकाश डालते हुए वर्ल्ड बैंक ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान छंटनी करने वाले मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर्स ने ग्रोथ रेट को काफी प्रभावित किया है। हालांकि, लेबर मार्केट के रिजल्ट्स में महामारी के बाद काफी सुधार हुआ है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि स्ट्रांग डोमेस्टिक डिमांड, हायर इनकम ग्रुप्स और हायर पब्लिक इन्वेस्टमेंट के मजबूत कंज्यूमर स्पेंडिंग ग्रोथ के मुख्य सपोर्टर थे। हालांकि, स्लो इनकम ग्रोथ के कारण लो-इनकम ग्रुप्स की कंज्यूमर स्पेंडिंग कम रही थी।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इकोनॉमी की साल-दर-साल ग्रोथ घटकर 4.4प्रतिशत रही - अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय इकोनॉमी की साल-दर-साल ग्रोथ घटकर 4.4प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 11.2प्रतिशत और पिछली तिमाही में 6.3प्रतिशत रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की सर्विसेस एक्सपोर्ट ग्रोथ, जो अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गई थी। इससे ग्लोबल रिस्क के बावजूद इकोनॉमी के आगे बढ़ने की उम्मीद है।

अक्टूबर-दिसंबर 2022 में भारत का सर्विस एक्सपोर्ट साल-दर-साल 24.5प्रतिशत बढ़ा - पिछले हफ्ते शुक्रवार को जारी किए गए आरबीआई के डेटा के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर 2022 में भारत का सर्विस एक्सपोर्ट साल-दर-साल 24.5प्रतिशत बढ़ा, जो रिकॉर्ड 83.4 बिलियन डॉलर था। सर्विस सरप्लस, जिसमें इम्पोर्ट सेक्शन शामिल नहीं है, इसमें भी 39.21प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई, जो रिकॉर्ड 38.7 बिलियन डॉलर थी।

महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट' में निवेश दिलाएगा ज्यादा फायदा: इसमें मिल रहा 7.5प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली।
सरकार ने 1 अप्रैल से महिलाओं के लिए स्पेशल स्कीम 'महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम शुरू की है। इसमें 7.5प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस स्कीम में 2 साल के लिए 2 लाख रुपए तक निवेश किया जा सकता है। इसमें सिर्फ महिला ही निवेश कर सकती है। हम आपको इस योजना से जुड़ी हर जरूरी बातें बता रहे हैं।

इसमें मिल रहा 7.5प्रतिशत ब्याज

इस स्कीम में 7.5प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसमें कम से कम 1000 रुपए से लेकर अधिकतम 2 लाख रुपए का निवेश किया जा सकता है। इसमें 2 साल के लिए निवेश करना होता है।

2 साल से पहले भी निकाल सकेंगे पैसा

कई खास परिस्थितियो में ये अकाउंट बंद 2 साल से पहले भी बंद किया जा सकता है। अकाउंट को 6 महीने बाद ही बंद किया जा सकता है। हालांकि ऐसा करने पर आपको 7.5प्रतिशत की जगह 5.5प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। ये ब्याज आपके प्रिंसिपल अमाउंट (मूलधन) पर दिया जाएगा। इसके अलावा आप 1 साल बाद 40प्रतिशत रकम निकाल सकते हैं।

बच्ची के नाम पर भी कर सकते हैं निवेश

इस स्कीम के तहत महिला खुद के लिए अकाउंट खुलवा सकती हैं। इसके अलावा मामा-पिता (गार्जियन) अपनी बेटी (नाबालिग) के नाम पर भी 'महिला सम्मान सेविंग्स सर्टीफिकेट' में निवेश कर सकते हैं। यानी इसमें नाबालिग लड़की के नाम पर भी निवेश किया जा सकता है।

कहां और कैसे खोल सकते हैं इसमें अकाउंट

आप किसी भी डाकघर और अधिकृत बैंकों में खाता खोल सकते हैं। खाता खोलने के लिए आपको इसके फॉर्म के साथ ही केवाईसी डॉक्यूमेंट्स (आधार और पैन कार्ड), नए खाताधारक के लिए केवाईसी फॉर्म और पे-इन-स्लिप जमा राशि या चेक जमा कराना होगा।

इसमें निवेश करना कितना सही

इसमें 7.5प्रतिशत दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में ज्यादा है। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई इस समय 2 साल की एफडी पर 7प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

विदेश व्यापार नीतिः धोखाधड़ी व सही जानकारी नहीं देने के मामले माफी योजना के दायरे से बाहर

नई दिल्ली।
धोखाधड़ी की चल रही जांच और पूंजीगत वस्तुओं की सही जानकारी नहीं देने के मामलों को आम माफी योजना के दायरे से बाहर रखा गया है। नई विदेश व्यापार नीति में इस योजना की घोषणा की गईहै।

सरकार ने 31 मार्च को जारी नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए उन निर्यातकों को राहत दी है, जो अपनी निर्यात बाध्यताएं पूरी नहीं कर पाए। इसमें अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत उत्पाद (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत निर्यात बाध्यताओं में चूक को लेकर एकमुश्त निपटान के लिए आम माफी योजना शुरू की गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने सार्वजनिक नोटिस में कहा, जांच के तहत चल रहे मामले या धोखाधड़ी, सामान या पूंजीगत वस्तुओं से संबंधित गलत घोषणा से जुड़े मामलों को माफी योजना से बाहर रखा जाएगा।

लाभ उठाने के लिए30 जून तक पंजीकरण अनिवार्य

सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि ईपीसीजी योजना का लाभ उठाने के लिए के इच्छुक सभी प्राधिकरण धारकों को 30 जून, 2023 से पहले विदेश व्यापार महानिदेशालय के साथ अपना पंजीकरण कराना होगा। साथ ही, उन्हें 30 सितंबर, 2023 तक सीमा शुल्क और ब्याज का भुगतान पूरा करना होगा। योजना का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए पूंजीगत वस्तुओं के आयात को सुविधाजनक बनाना है।

विनिर्माणगतिविधियां तीन महीने के शीर्षपर एक साल में पहली बार नौकरियों में कटौती

नई दिल्ली।
नए ऑर्डर एवं उत्पादन में विस्तार, जुझारू मांग और लागत का दबाव घटने से देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मार्च, 2023 में तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। हालांकि, कारोबार में मामूली वृद्धि की वजह से कंपनियों ने पिछले एक साल में पहली बार नौकरियों में कटौती की।

जारी मासिक सर्वे के मुताबिक, एसएंडपी ग्लोबल भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में बढ़कर 56.4 पर पहुंच गया। यह 2023 में अब तक परिचालन परिस्थितियों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है। फरवरी, 2023 में विनिर्माण पीएमआई 55.3 रहा था।

आंकड़ों के मुताबिक, समग्र परिचालन में लगातार 21वें महीने

सुधार हुआ है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा संकुचन को दिखाता है।

कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने से लागत संबंधी महंगाई घटी

सर्वे में कहा गया है कि आपूर्ति शृंखला पर दबाव घटने और कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने से लागत संबंधी महंगाई मार्च में ढाई साल के अपने दूसरे सबसे निचले स्तर पर आ गई। 96 फीसदी कंपनियों का मानना है कि फरवरी के बाद से लागत दबाव में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

लीमा ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में कीमतें और बढ़ीं। हालांकि, महंगाई दर फरवरी जितनी ही रही। बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

भारतीय सामानों की मजबूत मांग

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा, मार्च में भारतीय सामानों की आधारभूत मांग मजबूत रही। उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

ओपेक प्लस को अब बिल्कुल परवाह नहीं है अमेरिकी मर्जी की

टोक्यो।
रोजाना कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती का अचानक फैसला लेकर ओपेक प्लस के सदस्य देशों ने अमेरिका को तगड़ा झटका दिया है। इसे पश्चिम एशिया और अमेरिका के बीच बढ़ रही खाई का एक और संकेत माना गया है। विश्लेषकों के मुताबिक ओपेक प्लस के इस फैसले से जहां अमेरिका और पश्चिमी देशों में महंगाई बढ़ेगी, वहीं इससे रूस को फायदा होगा।

ओपेक तेल निर्यातक देशों का संघ है। जब से रूस इससे जुड़ा इस संगठन को ओपेक प्लस के नाम से जाना जाता है। तेल उत्पादन घटाने के एलान के तुरंत बाद विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ गई। इससे रूस समेत तमाम तेल उत्पादक देशों की आमदनी बढ़ेगी। ओपेक प्लस के सदस्य देशों- सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया, ओमान और गैबॉन ने रोजाना 11 लाख 60 हजार बैरल कम कच्चे तेल का उत्पादन करने का फैसला किया। यह मात्रा दुनिया में तेल की रोजमर्रा की मांग के एक फीसदी के बराबर है। यह फैसला इस वर्ष मई के अंत तक लागू रहेगा। इस वर्ष अक्तूबर से रोजाना 20 लाख बैरल की कटौती की जाएगी।

ओपेक प्लस ने कहा है कि यह फैसला तेल

बाजार में स्थिरता लाने के मकसद से किया गया है। लेकिन अमेरिका ने इस निर्णय पर एतराज किया है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा है- 'मेरी राय में अभी बाजार में जैसा अनिश्चय है, उसे देखते हुए उत्पादन में कटौती उचित नहीं है।' जबकि ओपेक प्लस ने रूस के रोजाना तेल उत्पादन में पांच लाख बैरल की कटौती के लिए पिछले फरवरी में लिए गए फैसले पर भी अपनी मुहर लगा दी है। दो हफ्ते पहले पहले रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक और सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान के बीच रियाद में मुलाकात हुई थी। तब दोनों देशों ने 'तेल बाजार में सहयोग' करने का इरादा जताया था। रणनीति विशेषज्ञों की राय है कि सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए हुए समझौते से पश्चिम एशिया में अमेरिका का प्रभाव घटा है। जापान के थिंक टैंक एनएलआई रिसर्च इंस्टीट्यूट से जुड़े विशेषज्ञ त्सुयोशी उएनो ने कहा- 'ऐसा लगता है कि अब उस क्षेत्र के देश फैसला लेने से पहले अमेरिका से राय-मशविरा करने की जरूरत नहीं महसूस कर रहे हैं।' रूस ने पिछले साल फरवरी में यूक्रेन में अपनी विशेष सैनिक कार्रवाई शुरू की थी।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स पूरी तरह से समाप्त किया, पिछले साल जुलाई में लगाया गया था कर

नई दिल्ली। सरकार ने ने कच्चे तेल पर पर लगने वाले अप्रत्याशित कर यानी विंडफॉल टैक्स को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। सरकार का यह फैसला प्रभावी हो गया है। बता दें कि सरकार के इस फैसले से पहले कच्चे तेल पर 3,500 रुपये (42.56 डॉलर) प्रति टन की दर से विंडफॉल टैक्स लग रहा था। इसके अलावे सरकार ने सरकार ने एटीएफ और पेट्रोल पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्सपोर्ट ड्यूटी भी हटा दी है। फिलहाल डीजल पर प्रति लीटर एसएसईडी 50 पैसे है। भारत ने 1 जुलाई 2022 को कच्चे तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित कर और गैसोलीन, डीजल व विमानन ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। उस दौरान सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया था क्योंकि निजी रिफाइनर इसे घरेलू स्तर पर बेचने के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत मार्जिन के साथ बेचकर लाभ कमाने चाहते थे। पेट्रोलियम पदार्थों को जमीन और सीबेड के नीचे से निकालकर परिष्कृत किया जाता है और पेट्रोल, डीजल व एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। बता दें कि दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो गुजरात के जामनगर में दुनिया की सबसे बड़ी एक स्थाना पर स्थित तेल रिफाइनरी परिसर का संचालन करती है।

हम डरे हुए नहीं थे: सिद्धार्थ आनन्द

-पठान के बेशरम रंग विवाद पर पहली बार बोले निर्देशक

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर शाहरुख खान की कमबैक फिल्म पठान के एक गाने बेशरम रंग को लेकर उठे विवाद को लेकर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने अब पहली बार प्रतिक्रिया दी है। पठान की सफलता के बाद, निमार्ताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की मेजबानी की जिसमें प्रमुख तिकड़ी, शाहरुख, दीपिका और जॉन अब्राहम के साथ-साथ निर्देशक ने मीडिया को संबोधित किया और यथासंभव अधिक से अधिक सवालों के जवाब दिए। इवेंट में, टीम ने फिल्म और यहां तक कि दीपिका की नारंगी बिकनी के आसपास के विवाद को भी संबोधित किया। सिद्धार्थ आनंद हाल ही में एक समिट में शामिल हुए जहाँ उनसे बिकनी विवाद के बारे में पूछा गया। पहली बार उसी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, हम डरे हुए नहीं थे। हम जानते थे कि हमारी फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। जब हम स्पेन में थे, मैंने उस पोशाक को यादच्छिक रूप से चुना। हमने कभी इस पर बहुत अधिक विचार नहीं किया। रंग अच्छा लग रहा था। धूप थी, घास हरी थी और पानी नीला था और नारंगी रंग अच्छा लग रहा था। हमने सोचा कि जब दर्शक इसे देखेंगे तो वे समझेंगे कि हमारा इरादा गलत नहीं था। सिद्धार्थ आनंद ने आगे कहा, लेकिन मैं दर्शकों को दोष नहीं दे सकता क्योंकि उन्होंने तब तक फिल्म नहीं देखी थी। वे साथ जा रहे थे, अच्छा इन्होंने ये किया, वो किया... लेकिन दर्शकों का यह काबिले तारीफ रहा कि जब फिल्म रिलीज हुई तो वे सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। उन्होंने पूरे बहिष्कार आंदोलन को गलत साबित कर दिया। और जब आप किसी स्टार या फिल्म के बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं, तो आप यह नहीं देख रहे हैं कि कितने लोगों की आजीविका उस विशेष फिल्म पर निर्भर है, खासकर अगर यह काम करती है।

हर दिन कम से कम तीन सौ लोग एक फिल्म पर काम करते हैं और जब शूट खत्म हो जाता है तो कई वीएफएक्स कलाकार पोस्ट प्रोडक्शन पर काम करते हैं। बहिष्कार कहना बहुत आसान है, वह भी बिना किसी कारण के। सिद्धार्थ आनंद इन दिनों अपने होम प्रोडक्शन की फिल्म फाइटर में व्यस्त हैं। इस फिल्म में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि पठान के तरह यहाँ भी दीपिका के कई एक्शन सीन हैं। फाइटर के साथ सिद्धार्थ आनन्द निमार्ता के तौर पर अपना करियर शुरू करने जा रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान की कमबैक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला पाती, फिल्म कई कारणों से विवादों में घिर गई। यह सब तब शुरू हुआ जब निमार्ताओं ने पहला गाना बेशरम रंग को जारी किया और नफरत करने वालों ने बहिष्कार का आह्वान किया। गाने के एक शॉट के बाद फिल्म और इसके निमार्ताओं को भारी आलोचना मिली, जिसमें दीपिका पादुकोण ने नारंगी रंग की मोनोकिनी पहनी हुई थी।

राजनीति सें दूर रहेगें ऋषभ शेट्टी

कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी ने कहा है कि वह राजनीति में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने प्रशंसकों से उनके सिनेमा का समर्थन करने की भी अपील की। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर राजनीति में शामिल होने पर अपना रुख स्पष्ट किया है। पत्रकार के ट्वीट पर ऋषभ शेट्टी ने प्रतिक्रिया देते हुए कि वह राजनीति में शामिल हो रहे हैं, कहाः यह झूठी खबर है। स्पष्ट रूप से कहें कि आज 1 अप्रैल है। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने मुझे एक खास पार्टी के समर्थक के रूप में पेश किया है। मैं कभी भी राजनीति में नहीं जाऊंगा। उनके एक प्रशंसक ने प्रतिक्रिया दी थी कि उन्हें राजनीति में शामिल होना चाहिए और वह उनका समर्थन करेंगे। ऋषभ शेट्टी ने कहा कि उन्हें राजनीति में उनके समर्थन की जरूरत नहीं है। कृपया मेरे सिनेमाघरों का समर्थन करें, यह पर्याप्त से अधिक है।

कांतारा फिल्म की रिलीज के बाद अफवाहें फैलीं कि वह एक राजनीतिक दल में शामिल होंगे। कांतारा फिल्म में दिखाई गई भगवान की चीखों का उपहास न करने के लिए फिल्म देखने वालों से उनकी अपील और उनकी मंदिर यात्राओं ने भी संकेत दिया कि वह राजनीति में आएंगे। उनके करीबी सूत्रों ने कहा कि ऋषभ कांतारा फ्रेंचाइजी पर गंभीरता से काम कर रहे हैं क्योंकि अखिल भारतीय स्तर पर उम्मीदें बहुत अधिक हैं।

अंबानी के कार्यक्रम में चांदी की थाली में परोसे गए शाही पकवान, तस्वीरें आईं सामने

- एक्ट्रेस महीप कपूर ने इस इवेंट की कुछ खास तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की

हाल ही में मुंबई में नीता मुकेश अंबानी के कल्चरल सेंटर केंद्र के ओपनिंग समारोह में हॉलीवुड और बॉलीवुड अभिनेताओं का जमावड़ा रहा। इस शाही समारोह में बॉलीवुड किंग शाहरुख खान से लेकर रणवीर सिंह तक सभी ने दमदार परफॉर्मेंस दी। एक्ट्रेस शनाया कपूर से लेकर सोनम कपूर तक कई एक्ट्रेसेस ने महंगे डिजाइनर ड्रेसेस में अपना जलवा दिखाया। इस बार अंबानी परिवार ने इस बात का भी ख्याल रखा कि इस शाही समारोह में कोई कमी न रह जाए। मेहमानों के लिए शाही भोज भी आयोजित किया गया। एक्ट्रेस महीप कपूर ने इस इवेंट की कुछ खास तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में शाही भोज की झलक भी दिखाई। तस्वीरों में चांदी की थाली में तरह-तरह के पकवानों की दावत देखी जा सकती है। चांदी की थाली में नौ अलग-अलग तरह की दाल और सब्जियां परोसी गई हैं। साथ ही इस थाली में गुजिया, मिठाई, पापड़, रोटी, परांठे भी शामिल थे। अंबानी की पार्टी में इस शाही धूमधाम को देखकर हर कोई दंग रह गया। नीता मुकेश अंबानी के कल्चरल सेंटर केंद्र के उद्घाटन का कार्यक्रम मुंबई में दो दिनों तक चला। पहले दिन सितारों ने डैशिंग लुक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, तो इवेंट के दूसरे दिन शाहरुख खान, रणवीर सिंह, वरुण धवन जैसे सितारों ने डांस परफॉर्मेंस देकर इस इवेंट को यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में प्रियंका चोपड़ा, निक जोनास, करण जौहर, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, ऐश्वर्या राय, सलमान खान और लगभग पूरा बॉलीवुड और हॉलीवुड मौजूद था।

बेल्लमकोंडा ने बालीवुड डेब्यू के लिए फिल्म छत्रपति को चुना

-छत्रपति का धमाकेदार टीजर हुआ जारी

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म स्टार बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास अपने बिग बॉलीवुड डेब्यू के लिए सुपरस्टार प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्म छत्रपति को चुना है। अपकमिंग फिल्म छत्रपति का टीजर जारी किया गया। बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास इस फिल्म के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। एसएस राजामौली ने फिल्म का निर्देशन किया था। यह फिल्म प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल रही है। इस फिल्म की कथा-पटकथा एसएस राजामौली के पिता के.वी. विजयेन्द्र प्रसाद ने लिखी थी। सुपरस्टार प्रभास की ब्लॉकबस्टर तेलुगु फिल्म छत्रपति को इसी नाम के साथ एक्टर बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास हिंदी दर्शकों के लिए लेकर आ रहे हैं। फिल्म बनकर तैयार हो चुकी हैं। जिसके लिए मेकर्स ने अब इसके प्रमोशन की कमान अपने हाथ में ले ली है। बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास तेलुगु स्टार हैं। तेलुगू सिनेमा में उन्हें ज्यादा लोकप्रियता हासिल नहीं हुई है, लेकिन हिन्दी भाषी क्षेत्रों में उनकी अपनी एक अलग फैन फॉलोइंग है। उनकी हिन्दी में डब फिल्मों को सर्वाधिक दर्शकों द्वारा देखा और सराहा जाता है। उनकी हिन्दी में डब खूंखार नामक फिल्म ने वैश्विक स्तर पर नया इतिहास लिखा है। यह फिल्म यूट्यूब में हिन्दी में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म है। इसी वजह से बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास ने सीधे हिंदी मार्केट में उतरने का फैसला किया है। इसके लिए उन्होंने प्रभास की फिल्म छत्रपति को ही चुना। यह एक भरपूर एक्शन ड्रामा फिल्म है। जिसमें बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आए हैं। छत्रपति को निमार्ता12 मई के दिन सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज करने की तैयारी में हैं। फिल्म में बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास के साथ लीड रोल में अदाकारा नुसरत भरुचा नजर आने वाली हैं। फिल्म के निर्देशक वीवी विनायक हैं। जबकि, इसे जयंतीलाल गाडा के पैन स्टूडियो ने प्रोड्यूस किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह एक खालिस हिंदी फिल्म है। जिसे साउथ के ही निमार्ता-निर्देशकों ने तैयार किया है। फिल्म को तेलुगु, तमिल या किसी और साउथ भाषा में रिलीज नहीं किया जा रहा है।

अब बदली हुई उर्फी नजर आएगी

अपने ड्रेसिंग सेंस के लिए मॉडल उर्फी जावेद ने सभी से माफी मांगी है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वह अब से बदली हुई उर्फी होंगी। कपड़ों की अपनी पसंद के लिए बदनाम उर्फी की बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने उनके स्टाइल स्टेटमेंट के लिए प्रशंसा की थी। हालांकि, अभिनेत्री अपने असामान्य फैशन सेंस के कारण अक्सर विवादों में रहती हैं। जैसे हाल ही में उन्हें ग्रीन प्रैक्टिस नेट से बने को-ऑर्ड सेट पहने देखा गया और इसके साथ ही उन्होंने बालों में गजरा भी पहना था। अगर एक समय वह सबका ध्यान खींचती हैं तो कई लोग उनके बोल्ड अंदाज पर सवाल भी उठाते हैं। उन सभी लोगों से माफी मांगते हुए, जिन्हें उसके पहनावे से समस्या है, उर्फी ने कहाः मैं जो पहनती हूं, उसे पहनकर सभी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगती हूं। अब से आप लोग एक बदले हुए उर्फी को देखेंगे। बदले हुए कपड़े। माफी। उनके ट्वीट पर कई उर्फी फॉलोअर्स ने तुरंत प्रतिक्रिया दी।

हिप-हॉप से हटके है बादशाह की एक प्लेलिस्ट

हिप-हॉप से हटके, बादशाह की एक प्लेलिस्ट है जिसमें अमित त्रिवेदी जैसे रैपर के लिए चॉइस शामिल हैं। उसकी प्लेलिस्ट कैसी दिखती है? इसका जवाब देते हुए बादशाह ने बताया, मेरी और करण औजला की प्लेयर्स, रे की एस्केपिज्म, एमसी स्टेन की एक दिन प्यार, अमित त्रिवेदी की घोड़े पे सवार और किंग की मान मेरी जान। 37 वर्षीय रैपर की लेटेस्ट रिलीज उनका एल्बम 3:00 एएम सेशंस है, जिनका गाना सनक इस समय सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। स्ट्रीमिंग वेबसाइट यूट्यूब पर केवल दो हफ्तों में ट्रैक को 8,515,027 व्यूज मिले। बता दें कि मर्सी, डीजे वाले बाबू और गेंदा फूल जैसे चार्टबस्टर हिट गाने के लिए मशहूर रैपर बादशाह की एक अनूठी प्लेलिस्ट है, जिसे वह सुनते हैं। बादशाह का असली नाम आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया है।

की एंड का ने किए हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सात साल पूरे

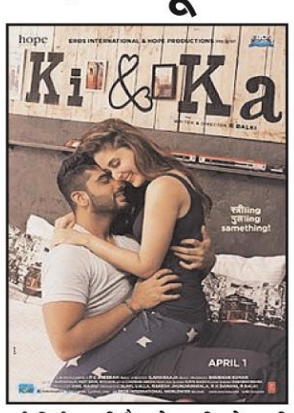

बालीवुड फिल्म की एंड का ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सात साल पूरे कर लिए है। यह फिल्म है अर्जुन कपूर और करीना कपूर खान की। इस अवसर पर एक्टर ने करीना के साथ एक फोटो शेयर की। बता दें, करीना द बर्मिंघम मर्डर्स, द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स और द क्रू में नजर आएंगी। वहीं अर्जुन की फिल्म द लेडीकिलर जल्द ही रिलीज होगी। अर्जुन ने ट्विटर पर अमृता अरोड़ा के जन्मदिन पर करीना के साथ एक फोटो शेयर की। फोटो में दोनों कलाकार ब्लैक कलर की ड्रेस में पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। अर्जुन ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, जब की मेट का अगेन! 2016 में रिलीज हुई की एंड का का निर्देशन आर बाल्की ने किया है। यह फिल्म एक महत्वाकांक्षी महिला किआ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कबीर से शादी करती है, एक ऐसा व्यक्ति जो एक घरेलू पति की भूमिका को पसंद करता है। वे अपने अपरंपरागत रिश्ते का आनंद लेते हैं, लेकिन संघर्ष और ईर्ष्या जैसी चुनौतियां उनके रिश्ते में खटास डालने का काम करती है।

शिल्पा राव और फरीदकोट आए एक साथ

-अलग तरह का म्यूजिक शोकेस करते आ रहे हैं नजर

मुंबई (ईएमएस)। अपने नए ट्रैक नुमानी के साथ गायिका शिल्पा राव और पॉप रॉक जोड़ी फरीदकोट एक अलग तरह का म्यूजिक शोकेस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने को भूषण कुमार द्वारा निर्मित किया गया हैं जिसे मिस करना म्यूजिक लवर्स के लिए बेहद मुश्किल होगा। क्योंकि फरीदकोट बैंड के इंद्रप्रीत सिंह और राजश्री सान्याल द्वारा रचित यह गीत श्रोताओं के कानों को सुकून देते हुए सभी कलाकारों के अंदाज को दशार्ता है। ये टी-सीरीज के साथ इनका का पहला सहयोग है। शक्ति हसीजा द्वारा निर्देशित इस गाने में फरीदकोट की जोड़ी और शिल्पा राव नजर आ रही हैं। ये गाना नेचर की खूबसूरती को एक्सप्लोर करता है जो इसे सिंपल और रियल बनाता है। वीडियो को पेड़ों से भरी सड़कों, जंगलों और बीचेज के बैकग्राउंड के साथ शूट किया गया है - म्यूजिक और लीकिस्ट पर फोकस करते हुए। इस गाने के बारे में बात करते हुए, शिल्पा राव ने कहा, मैं खासकर के नुमानी का इंतजार कर रही हूं क्योंकि यह टी-सीरीज और फरीदकोट के साथ मेरा पहला सहयोग है जो दो आत्माओं के बीच एक खूबसूरत रिश्ते को दशार्ता है। मुझे उम्मीद है कि श्रोताओं को यह उतना ही प्यारा और मजेदार लगेगा जितना कि हमें लगा था। इस पर फरीदकोट करते हैं, इस ट्रैक पर शिल्पा राव के साथ काम करना एक समृद्ध और रोमांचक अनुभव था। वह इसके साथ एक अनूठी और खास तरह की साउंड लेकर आई हैं, और हमारे वोकल्स को सिंक्रनाइज करना एक खुशी की बात थी। हम इस गाने को लेकर सुनने वालों की राय जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। टी-सीरीज आपके लिए नुमानी के साथ शिल्पा राव एक्स फरीदकोट के बीच अपनी तरह का पहला सहयोग लेकर आया है। शक्ति हसीजा द्वारा निर्देशित इस ट्रैक का म्यूजिक वीडियो अब टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। वहीं निर्देशक शक्ति हसीजा कहते हैं, हम इसे सिंपल और नैचुरल रखते हुए म्यूजिक और लीरिक्स के सार को बनाए रखना चाहते थे। जिस तरह से म्यूजिक वीडियो सामने आया है, हम उससे खुश हैं।

टैगोर की काबुलीवाला में मिथुन मुख्य भूमिका निभाएंगे

कोलकाता। बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती रवींद्रनाथ टैगोर की सर्वकालिक क्लासिक रचना "काबुलीवाला" पर बन रही फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म अफगानिस्तान के काबुलीवाले की एक छोटी लड़की के बीच पैतृक संबंधों पर आधारित है। मिथुन ने कहा कि वह काबुलीवाले जैसे सर्वकालिक पसंदीदा कहानी में भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। वह इसे अपने तरीके से निभाएंगे। अभिनेता ने कहा, "हां, मैं रेहमत की भूमिका निभाऊंगा, जिसे टैगोर के लेखन ने अमर कर दिया है। मैंने नोट्स बनाना शुरू कर दिया है। मेरी मानसिक तैयारी शुरू हो गई है। बंगाली भाषा में मिथुन की आखिरी रिलीज "प्रजापति" रिलीज के 100 दिन बाद भी हाउसफुल चल रही है। काबुलीवाला की कहानी एक मध्यवर्गीय बंगाली परिवार की छोटी लड़की के लिए एक मध्यम आयु वर्ग के अफगान व्यक्ति के स्नेह और पैतृक प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके घर वह कभी-कभार सूखे मेवे बेचने जाता था।

इब्राहिम के साथ अपने अफेयर पर पलक तिवारी ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। वह सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। डेब्यू से पहले से ही पलक तिवारी और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ लिंक-अप की चर्चा चल रही है। पिछले साल पलक को इब्राहिम के साथ कई बार स्पॉट किया गया था। पलक और इब्राहिम ने अब तक इन अफवाहों पर कोई कमेंट नहीं किया है, लेकिन हाल ही में पलक तिवारी ने मीडिया को एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान पलक से एक सवाल पूछा गया कि क्या वह और इब्राहिम अली खान एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "दो फिल्मों की शूटिंग को लेकर मैं लाइफ में काफी बिजी हूं और मैं संतुष्ट हूं। मेरा उद्देश्य काम करना है और यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष है। मैं इन अफवाहों पर ध्यान नहीं देती। पलक तिवारी ने प्यार के बारे में कहा, "प्यार कभी जानबूझकर नहीं होता और ना ही इसे मापा जा सकता है।

प्यार कब, कहां और किससे प्यार हो जाए, यह भी नहीं बताया जा सकता।" पलक पंजाबी सिंगर और एक्टर हार्डी संधू के गाने 'बिजली बिजली' से सुर्खियों में आई थीं। पलक के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चा कई सालों तक रही। अब फाइनली वह सलमान की फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं।

सूडोकु नवताल- 6391

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6390 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7138

या	ज	गा	रा	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	ज	या	उ	ड़ि	या	स	ज	ड़
बं	ह	या	स्था	र्म	छ	स	या	न	य	म
क	गा	ल	नी	दे	हिं	दी	ता	ल	ल	क
ती	इ	ली	म	सं	व	ल	श	या	ला	ल
आ	ता	म	ई	र	ब	क	ल	लो	श	ज
सा	बा	चे	रा	ई	क	म	री	ग	प	न
मी	र	मी	प	ठी	ज	ना	र्द	न	प	त
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ज	प	मि
क	प	ल	प	द	या	स	मा	ब	प	ल
का	श्तो	चे	न्न	ई	गु	ज	रा	ती	प	ग

शब्द जाल में उन 10 भाषाओं के नाम ढूंढिए जो भारत में बोली जाती हैं. नाम उपर से नीचे, एवं तिरछे भी हैं.

राजस्थानी, मराठी, गुजराती, तमिल, हिंदी, पश्तो, बंगाली, उड़िया, आसामी, मलयालम.

शब्दजाल - 7137 का हल

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	टो	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6091

3	6		4	7	2	
	35	5	31		27	
	2			1	6	
1	33	6	32		31	2
	6		1	5	3	
4	33	3	30		35	6
7		2			1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6090 का हल

5	7	2	4	3	6	1
3	33	1	25	6	28	2
4	6	5	3	1	2	7
1	32	6	35	4	32	4
2	1	7	4	5	6	3
7	33	3	33	7	41	6
6	3	4	1	2	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान, दो नए चेहरे शामिल

नई दिल्ली।
न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरे पर पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे सीरीज का आगाज 26 अप्रैल से होगा। टॉम लैथम पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे।

पता हो कि न्यूजीलैंड को इस सीरीज में अपने नियमित स्टार खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिलेंगी क्योंकि आईपीएल के कारण खिलाड़ी इस समय भारत में हैं। कीवी टीम को केन विलियमसन, टिम साउथी, लोकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर और फिन एलेन की सेवाएं नहीं मिल रही हैं।

हालांकि, टॉम लैथम को डैरिल मिचेल, मैट हेनरी, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स और ईश सोढ़ी के अनुभव का फायदा मिलेगा। न्यूजीलैंड ने दो नए चेहरे बेन लिस्टर और कोल मैकोनकी को शामिल किया है। उम्मीद की जा रही है कि इन दोनों खिलाड़ियों को डेब्यू करने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड के हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा, हमने घर और बाहर सीमित ओवर क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ कई शानदार मैच खेले। वो एक कड़ी टीम है। इस साल विश्व कप होना है और इस सीरीज के जरिये खिलाड़ियों को तैयारी करने में काफी मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच 26 अप्रैल से पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है – टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, चाड बोव्स, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, कोल मैकोनकी, एडम मिलने, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

डगआउट पर ऋषभ की जर्सी टांगने पर बीसीसीआई नाखुशः कहा - खिलाड़ी के सिर्फ चोटिल होने पर जर्सी टांगना ठीक नहीं, आगे से ऐसा न करे

नई दिल्ली । आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स का ऋषभ पंत को ट्रिब्यूट देने पसंद नहीं आया। दरअसल पहले मैच में पंत के सम्मान में उनकी जर्सी को पवेलियन के ऊपर टांग दिया था। दिल्ली कैपिटल्स का सम्मान देने के लिए यह तरीका पसंद नहीं आया। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि, इस तरह का सम्मान किसी बड़ी घटना या रिटायरमेंट के बाद दिया जाता है। पंत के केस में दोनों में से कुछ नहीं हुआ है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स को आगे से ऐसा नहीं करना चाहिए। ऋषभ पंत दिल्ली में होने वाले गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबला देखने आ सकते है। इसके लिए फ्रेंचाइज को बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट से इजाजत लेनी होगी। इजाजत मिलने पर ऋषभ डगआउट में भी बैठ सकते है। आईपीएल के एक सोर्स ने बताया कि, ऋषभ हमेशा से ही दिल्ली कैपिटल्स के लिए टीम का एक अभिन्न हिस्सा रहे है। उम्मीद है की गुजरात के खिलाफ वह टीम में अवेलेबल रहेंगे। वह टीम के मालिक के साथ वीआईपी बॉक्स में होंगे, लेकिन संभावना है कि वह कुछ देर के लिए डगआउट में भी आ सकते है। आईपीएल के हर सीजन में दिल्ली कैपिटल्स अलग जर्सी के साथ खेलती है। इस सीजन भी टीम आईपीएल में एक मैच के दौरान हर जेर्सी पर पंत के नंबर के साथ खेलेगी। इसके साथ ही टीम की जेर्सी का कलर भी अलग होगा। हालांकि, नंबर जेर्सी के एक कोने में छोटे अक्षर में होगा यह खिलाड़ियों के नंबर रूल का उल्लंघन नहीं करेगा। पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए अब तक खेले 98 मैचों में 34.61 की औसत से 2,838 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और 15 अर्धशतक लगाए हैं। दरअसल 31 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग में इस बार ऋषभ पंत खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। पिछले साल 31 दिसंबर को दिल्ली से अपने घर रुड़की जाते वक्त पंत के कार का एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उन्हें गंभीर चोटें आई थी। उनके घुटने का ऑपरेशन हुआ है। उनके फिट होने में अभी टाइम लगेगा। फिलहाल वह अभी रिहैब हो रहे हैं।

फीफा ने पेरू से अंडर 17 विश्व कप के मेजबानी अधिकार छीने

जेनेवा । विश्व फुटबॉल की नियंत्रण संस्था फीफा ने पेरू से 2023 अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी के अधिकार छीन लिए हैं क्योंकि पेरू टूर्नामेंट के लिए वांछित आधारभूत ढांचा पूरा करने में विफल रहा। फीफा ने यह फैसला लेने से पहले पेरू फुटबॉल महासंघ से व्यापक बातचीत की है। फीफा टूर्नामेंट का आयोजन 10 नवम्बर से दो दिसंबर 2023 तक करेगा। फीफा ने कहा, फीफा का ब्यूरो परिषद निर्धारित अवधि में नए मेजबान की घोषणा करेगा। फीफा ने कहा कि पेरू के पास निवेश लाने और आवश्यक कार्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।

इस सत्र क्ले और ग्रास कोर्ट पर नहीं खेलेंगी मुगुरुजा

नई दिल्ली। पूर्व नंबर एक गरबाइन मुगुरुजा ने घोषणा की है कि वह इस सत्र में क्ले और ग्रास कोर्ट पर नहीं खेलेंगी। स्पेन की मुगुरुजा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, परिवार और दोस्तों के साथ समय गुजारना शानदार था और मैं इस समय को गर्मियों तक बढ़ा रही हूं। इसलिए मैं इस सत्र में क्ले और ग्रास कोर्ट पर नहीं खेल पाउंगी। 2016 में फ्रेंच ओपन और 2017 में विम्बलडन में विजेता रही मुगुरुजा फरवरी में लियोन में युवा खिलाड़ी लिंडा नॉस्कोवा से पहले दौर में हारने के बाद से नहीं खेली हैं। मुगुरुजा ने पिछले वर्ष सितम्बर में टोक्यो में दूसरे दौर में डेस्पीना पापामिचैल को हराने के बाद से कोई मैच नहीं जीता है। उनकी विश्व रैंकिंग इस सप्ताह गिरकर 132 पहुंच गयी है।

बिक गई वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट, एंडेवर ग्रुप से डील पूरी, यूएफसी के साथ मिलकर बनेगी नई कंपनी

नई दिल्ली ।
वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट जिसे हम डब्ल्यूडब्ल्यूई के नाम से भी जानते हैं, अब अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप के साथ मिलकर एक नई पब्लिकली लिस्टेड कंपनी बनाएगी। दरअसल, डब्ल्यूडब्ल्यूई ने यूएफसी की पैरेंट कंपनी एंडेवर ग्रुप होल्डिंग्स से मल्टी मिलियन डॉलर डील साइन की है। इस डील के बाद एंडेवर ग्रुप की डब्ल्यूडब्ल्यूई कंपनी में 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई है, जबकि डब्ल्यूडब्ल्यूई के शेयर होल्डर्स के पास 49 प्रतिशत की हिस्सेदागी होगी। इस डील की पुष्टि खुद एंडेवर ग्रुप ने अपने वेबसाइट पर की है।

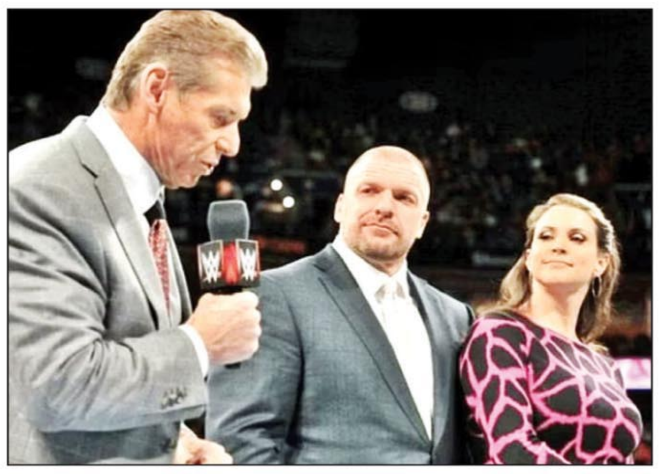

अरबपति विंस मैकमेहन के स्वामित्व वाला डब्ल्यूडब्ल्यूई, पिछले काफी समय से बिकने को लेकर खबरों में रहा है। नए सौदे के बाद, डब्ल्यूडब्ल्यूई का मूल्य 9.3 अरब डॉलर होगा, जबकि यूएफसी जिसका स्वामित्व एंडेवर के पास है, का मूल्य 12.1 अरब डॉलर है। अभी, मैकमहेन डब्ल्यूडब्ल्यूई के चेयरमैन हैं, जबकि डाना व्हाइट यूएफसी की प्रभारी हैं। नई डील दोनों व्यक्तित्वों की स्थिति को प्रभावित कर सकता है, लेकिन किसी भी बदलाव के संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एंडेवर के सीईओ एरी इमानुएल ने एक ऑफिशियल रिलीज में विलय की खबर की घोषणा की। इमानुएल ने कहा- यह एक ग्लोबल लाइव स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट प्योरप्ले बनाने का एक दुर्लभ अवसर है। दशकों से विंस और उनकी टीम ने इनोवेशन और शेयरहोल्डर्स के वैल्यू क्रिएशन को लेकर काफी काम किया है और हमें विश्वास है कि एंडेवर यूएफसी और डब्ल्यूडब्ल्यूई को एक साथ लाकर शेयरहोल्डर्स के लिए महत्वपूर्ण एडिशनल वैल्यू प्रदान कर सकता है।

रिलीज में आगे कहा गया है कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के 11 सदस्य - यूएफसी द्वारा चुने गए छह और डब्ल्यूडब्ल्यूई द्वारा पांच - बाद की तारीख में नामित किए जाएंगे और उन्हें नए प्रोडक्ट की जिम्मेदारी दी जाएगी। रिलीज में कहा गया है- यूएफसी ब्रांड को विकसित करने के लिए एरी और एंडेवर ने जो अविश्वसनीय काम किया है। पिछले सात वर्षों में इस ग्रुप ने अपने रेवेन्यू को लगभग दोगुना कर दिया है। हमें कई नए वेंचर्स के साथ काम कर अपार सफलता मिली है। हमारा मानना है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ डील निस्संदेह हमारे शेयरहोल्डर्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए सबसे अच्छा परिणाम है।

आईपीएल 2023 के बीच बड़ी खबर! मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली । देश में कोरोना की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आए दिन नए मरीजों के मामले में इजाफा हो रहा है। इसी बीच अब कोरोना की एंट्री आईपीएल में हो चुकी है। आईपीएल के बीच एक दिग्गज कोरोना की चपेट में आ गए हैं। जानकारी के अनुसार पूर्व भारतीय ओपनर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने यह जानकारी खुद अपने फैंस को दिए हैं। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चौनल पर इस बात की भी जानकारी दी है कि वह कोरोना के चलते आईपीएल 2023 में कुछ दिन कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। उन्होंने अपने कम्यूनिटी पोस्ट में लिखा है कि रुकावट के लिए खेद है। कोविड ने फिर स्ट्राइक किया है। कुछ दिनों के लिए कमेंट्री बॉक्स में नजर नहीं आऊंगा। इधर भी कंटेंट थोड़ा कम आ सकता है। गला खराब है तो आवाज का लोचा होगा। थोड़ा देख लेना भाई लोगों। बुरा मत मानना। भगवान का शुक्र है। लक्षण हल्के हैं।' आपको बता दें कि आईपीएल 2023 का आगाज शूरु हो चुका है। अबतक इस सीरीज में 6 मैचे खेल चुके है।

उधार ली गई हॉकी स्टिक से जूनियर टीम की कप्तान बनी प्रीति

नई दिल्ली ।
भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की कप्तान प्रीति का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। हरियाणा के सोनीपत की प्रीति के घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। प्रीति 10 साल की उम्र से मैदान में हॉकी खेलने जाती थीं। वही से प्रीति को हॉकी में दिलचस्पी बढ़ गई और उसने परिवार को बिन बताए उधार ली गई हॉकी स्टिक से खेलना शुरु कर दिया।

इसी का परिणाम है कि वह आज भारतीय टीम तक पहुंची है। प्रीति का सपना है कि देश के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना। पिता शमशेर सिंह का कहना है कि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन प्रीति छुपकर भी बाहर खेलने गई है। वह आकर ही बताती थी कि वह मैदान पर खेलने के लिए गई थी पर उसकी मेहनत रंग लाई और उसका चयन जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में हुआ। प्रीति की कोच व पूर्व महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीतम सिवाच का कहना है कि हमारे मैदान की बेटियां जब अच्छा खेलते हुए टीम में चयनित होती हैं, तो हमें बहुत खुशी होती है। इस मैदान से तीन खिलाड़ियों का सिलेक्शन जूनियर हॉकी टीम में हुआ है। जिनमें से प्रीति जूनियर हॉकी टीम की कप्तान बनी है। प्रीति के अनुसार बचपन में उसके माता-पिता नहीं चाहती थी कि वह खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन वह आपने मां-पापा से झूठ बोलकर मैदान पर खेलने के लिए जाती थीं, उसे बचपन से ही खेलने का शौक था, लेकिन जब उसके आस पड़ोस के बच्चे मैदान पर खेलने के लिए जाते थे तो वह भी उनके साथ छुपकर खेलने आ जाती थी। प्रीति ने कहा कि कभी उसके पासा आहार के लिए भी पूरे पैसे नहीं होते थे। इस कारण उसके माता पिता ने रात भर काम किया है। वहीं प्रीति ने कहा कि आज परिवार की मेहनत से मैं यहां मुकाम तक पहुंची हूं। प्रीति अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच प्रीतम सिवाच और अपने माता-पिता को दे रही है।

धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स बॉलर्स से कहा, वाइड-नो बॉल मत फेंकोः ये मेरी चेतावनी है, वरना नए कप्तान के साथ खेलने को तैयार रहना

चेन्नई ।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 12 रन से जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने अपनी ही टीम के गेंदबाजों को चेतावनी दी है। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान धोनी ने कहा कि, हमें तेज गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सामने वाली टीम क्या कर रही है, यह भी देखना महत्वपूर्ण है। जरूरी है कि टीम के प्लेयर नो बॉल नहीं डालें और वाइड बॉल कम करें। हम एक्स्ट्रा रन बहुत ज्यादा दे रहे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मेरी दूसरी चेतावनी होगी और उसके बाद टीम को नए कप्तान के साथ खेलना होगा।

विकेट देखकर सरप्राइज हूं: धोनी- धोनी बोले- चेपॉक स्टेडियम की पिच देख कर मैं हैरान हूं। उन्हें लगा की मैच कम रन का होगा, लेकिन मैच हाई स्कोरिंग रहा। 5 या 6 साल में पहली बार मैदान खचाखच भरा हुआ था। आगे देखना होगा की विकेट कैसा रहेगा।

धोनी के 5,000 आईपीएल रन पूरे - महेंद्र सिंह धोनी ने चेपॉक में 3 बॉल पर 2 छक्कों की मदद से 12 रन बनाए। इसके साथ ही उनके आईपीएल में 5,000 रन भी हो गए। वह ऐसा करने वाले 5वें भारतीय और ओवरऑल 7वें खिलाड़ी बने। धोनी ने इसके लिए 237 मैच लिए। धोनी ने अपनी पारी में दोनों छक्के 20वें ओवर में ही लगाए। आईपीएल के 20वें ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में वे पहले नंबर पर हैं। उनके नाम कुल 55 छक्के हैं। धोनी के बाद कायरन पोलार्ड के नाम 33, रवींद्र जडेजा के नाम 26 और हार्दिक पंड्या के नाम 25 छक्के हैं। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा 23 छक्कों के साथ इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं।

चेन्नई 4 साल बाद होम ग्राउंड पर खेली - चेन्नई सुपर किंग्स करीब चार साल बाद अपने होम ग्राउंड चेपॉक पर खेल रही थी। यहां यलो आर्मी ने पिछले 22 मैचों में 19वीं जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही हेड टु हेड में चेन्नई की टीम लखनऊ की बराबरी पर आ गई है। यह दोनों के बीच दूसरा मैच था। पहला मैच लखनऊ ने जीता था।

कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन वेटलिफ्टर संजीता चानू पर चार साल का प्रतिबंध, वजह जान चौंक जाएंगे

नई दिल्ली ।

कॉमनवेल्थ गेम्स में दो बार की चैंपियन वेटलिफ्टर संजीता चानू पर चार साल का बैन लगा है। संजीता पर पिछले साल डोप परीक्षण में असफल रहने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है। संजीता पिछले साल सितंबर-अक्तूबर में गुजरात में नेशनल गेम्स के दौरान परीक्षण में एनाबॉलिक स्टेरॉयड - ड्रोस्तानोलोन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव पाई गई थीं, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में शामिल है। भारतीय रेसलिंग फेडरेशन (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुष्टि की कि संजीता को प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा- हां, संजीता पर नाडा ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है। यह संजीता के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने नेशनल गेम्स में रजत पदक जीता था,

जिसे छीन लिया गया है। हालांकि, इस मामले पर उन्होंने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। संजीता ने 2014 में ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में 53 किग्रा भार वर्ग में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। मणिपुर की संजीता के पास अभी फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है, लेकिन यह तय नहीं है कि वह ऐसा करेंगी या नहीं। संजीता ने जनवरी में एक बयान में कहा था- मुझे पहले भी इसका अनुभव है तो फिर मैं फिर से क्यों डोप लूंगी। मैं नहीं जानती कि मैं अपील करूंगी या नहीं क्योंकि दोनों मामलों में मेरी हार होगी। अगर मैं अपील करती हूं तो मेरा नाम पाक साफ होने में समय लगेगा और मेरे पास ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए क्वालिफाई करने का मौका नहीं रहेगा। अगर मैं हार जाती हूं तो मुझे निलंबित कर दिया जाएगा। यह पहली बार नहीं है, जब 2011 की एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता संजीता को डोपिंग से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले नवंबर 2017 में अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप से पहले एनाबॉलिक स्टेरॉयड टेस्टोस्टेरोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर इंटरनेशनल रेसलिंग फेडरेशन ने 2018 में उन्हें प्रतिबंधित किया था। विश्व संस्था ने हालांकि 2020 में उन्हें आरोप मुक्त कर दिया था। संजीता ने कहा था- मैं पहले भी इस तरह की स्थिति से गुजर चुकी हूं, लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह कैसे हुआ। इस घटना से पहले तक मैं अपने खाने और हर काम को लेकर काफी सतर्क थी। मैंने अपनी डाइट को लेकर भी सतर्कता बरती थी और मैंने पूछा था क्या वह डोप मुक्त हैं, लेकिन मैं डोप में फंस गई।

आईपीएल में नहीं खेलेंगे शाकिब अल हसन

इंटरनेशनल क्रिकेट और व्यक्तिगत कारणों की वजह से बाहर; लिटन दास 10 अप्रैल से जुड़ेंगे

कोलकाता।

इस साल आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स को दिक्कतों का सामान करना पड़ रहा है। पहले टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया। अब टीम के स्टार ऑलराउंडर भी आईपीएल में टीम के साथ नहीं होंगे। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब ने इसकी जानकारी दी। शाकिब के मुताबिक, उन्हें अभी बांग्लादेश की ओर से आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। इसके बाद व्यक्तिगत कारणों की वजह से वह इस साल टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं लेंगे। दूसरी ओर केकेआर और बांग्लादेश टीम के खिलाड़ी लिटन दास भी आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने के बाद ही केकेआर के कैंप को जॉइन करेंगे।

1.5 करोड़ रुपए में बिके थे शाकिब - आईपीएल 2023 की नीलामी में केकेआर ने शाकिब अल हसन को 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेंचाइज और शाकिब के बीच सीजन के पहले से ही अटकले चल रही थी। बीसीबी यानी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शाकिब और लिटन दस को रिलीज करने से इंकार कर दिया है। ताकि, दोनों मीरपुर टेस्ट का हिस्सा बन सके। हालांकि शुरुआत में फ्रेंचाइज को लगा की शाकिब और दास टेस्ट मैच स्किप कर केकेआर हिस्सा बन सकते है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

लिटन दास 1 मई तक ही होंगे - बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि, बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच 9 मई से 3 वनडे की सीरीज होनी है। इस कारण लिटन दास 1 मई तक ही टीम के साथ जुड़ सकते है। लिटन दस को केकेआर ने 50 लाख रुपए के बेस प्राइज पर खरीदा था। लिटन ने केकेआर मैनेजमेंट को सूचित कर दिया है कि वह लीग के लिए खेलेंगे। वे 10 अप्रैल को कोलकाता पहुंच जाएंगे। केकेआर 6 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन में फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी वाली आरसीबी से भिड़ेगी।

यह प्लेयर्स ले सकते है शाकिब की जगह - शाकिब की जगह कोलकाता टीम में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल या ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ले सकते है। तीनों शानदार इंटरनेशनल ऑलराउंडर है।

पाकिस्तान के उसामा ने एक ओवर में बनाए 34 रनः डोमेस्टिक टूर्नामेंट में एक ओवर में लगाए 5 छक्के और 1 चौका

नई दिल्ली । पीएसएल में शानदार बॉलिंग परफॉरमेंस करने के बाद उसामा मीर चर्चा में है। लेकिन, इस बार उन्होंने पाकिस्तान के डोमेस्टिक टूर्नामेंट घनी रमजान टूर्नामेंट में बल्ले से कमाल दिखाया और एक ओवर में 34 रन बनाए। इसमें उन्होंने 5 छक्के और एक चौका लगाया। कराची वारियर्स के खिलाफ 2 अप्रैल को हुए मुकाबले में इस बल्लेबाज ने 20 बॉल में 66 रन बनाए। उसामा की पारी और कराची वारियर्स के बीच मैच के दौरान आई। दोनों टीमें घनी रमजान टूर्नामेंट का हिस्सा है। टूर्नामेंट रमजान के महीने के दौरान आयोजित किया जाता है। इसमें आठ टीमें हिस्सा लेती है, और हर टीम को दो विदेशी खिलाडी के साथ खेलने की इजाजत होती है। घनी रमजान टूर्नामेंट में कुछ समय से पाकिस्तान के नेशनल टीम के खिलाड़ियों की हिस्सेदारी भी देखने को मिल रही है। इसमें बाबर आजम, शादाब खान, इहसानउल्लाह, आजम खान, उस्मान कादिर, उमर अकमल, अहसान अली और आबिद अली जैसे बड़े खिलाडी भी हिस्सा ले रहे है। टूर्नामेंट को प्राइवेट क्रिकेट इंस्टीट्यूट इस टूर्नामेंट का आयोजन करती है।

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

ब्रिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मौत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपव्द्रेशन हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इंफेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरेन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिज्नी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

बेहद खतरनाक है क्रॉस लेग पोजीशन में बैठना

क्या आप भी बैठते वक्त अक्सर अपने पैरों को क्रॉस पोजीशन में रखते हैं। यदि हां, तो सावधान हो जाएं। ये आदत आपकी सेहत के लिये बेहद खतरनाक हो सकती है। अक्सर महिलाएं खासतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर बैठने की इस मुद्रा का इस्तेमाल करना पसंद करती है। लेकिन ताजा अध्ययन के मुताबिक ये बेहद खतरनाक है। इस तरह बैठने से आपकी शारीरिक बनावट पर असर पड़ता है।

सब्जियों के छिलकों में छुपे हैं ये सारे गुण

हम हमेशा सब्जी के छिलकों को उतार कर फेंक देते हैं पर ये छिलके आपकी दमकती त्वचा, स्वस्थ शरीर और शारीरिक मजबूती का कारण बन सकते हैं। इनको फेंकने के बजाए इनसे सूप, सलाद, जूस या स्मूदी बना कर फायदा उठा सकते हैं।

तरबूज के बीज

तरबूज के बीजों में आयरन, जिंक और कॉपर बहुतायत होता है। इससे प्रजनन क्षमता मजबूत होगी और दिल स्वस्थ रहेगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज का छिलका, सफेद या हरा रंग का होता है जो कि सिट्रोनेल्ला नामक पर्दाथ से मिलकर बनता है। इसमें अमीनो एसिड की मात्रा काफी होता है जिससे शरीर में रक्त का संचार अच्छी तरह होता है और रक्त वाहिकाओं की क्रिया सुचारू रूप से चलती है।

कीवी का छिलका

डार्क ब्राउन रंग के बालों वाले कीवी के छिलके, फाइबर और पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है।

गाजर और शलजम के पत्ते

गाजर और शलजम के पत्तों में कैल्शियम, मैग्नीशियम, नियासिन, लोहा, जस्ता, विटामिन बी व के और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो कि कैंसर जैसी घातक बीमारी से लने की शक्ति प्रदान करते हैं और आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है।

ब्रोकली के पत्ते और डंठल

ब्रोकली बनाते समय हम उनके डंठल और पत्ते को फेंक देते हैं। इनमें विटामिन ए की मात्रा बहुतायत में होती है।

प्याज के छिलके और लहसुन की परत

इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो शरीर को सूजन और एलर्जी से बचाता है।

आजवाइन की पत्तियां

आजवानइन की पत्तियों में इसके तने या बीज से पांच गुना ज्यादा कैल्शियम और मैग्नीशियम होता है। इसमें विटामिन सी की मात्रा भी बहुत होती है। यह आपके दिल को स्वस्थ रखता है और बढ़ती उम्र के लक्षणों को बाहर आने से बचाता है। इससे आपका रक्तचाप नियंत्रित रहता है और कैंसर विरोधी गुण भी इसमें होते हैं।

आलू के छिलके

आलू के छिलकों में कैल्शियम, विटामिन बी कॉम्पलेक्स, विटामिन सी, आयरन आदि होते हैं। ये सब हमारे शरीर के लिए लाभदायक होते हैं।

इन बातों का रखेंगे ध्यान तो नहीं करेगी गर्मी बेहाल

मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। गर्मी की चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होती हैं। इसलिए आपको सबसे ज्यादा ध्यान अपने खानपान पर देना चाहिए। सुबह ऑफिस निकलने के पहले आप नाश्ता जरूर कर के जाएं, गर्मी में चाय कम पीएं। इस मौसम में सेहत के प्रति छोटी लापरवाही भी आपको मुश्किल में डाल सकती है। गर्मी में डिहाइड्रेशन की समस्या ज्यादा होती है इसलिए पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं। आइए जानते है इस मौसम में सेहत को फिट रखने के कुछ टिप्स...

इन बातों पर ध्यान दें

- आप अल्कोहल के इस्तेमाल से भी बचें। क्योंकि इन दोनों की तासीर गर्म होती है जो सेहत के लिए हानिकारक होता है।
- इस मौसम में हरी चटनियां जैसे धनिया, पुदीना, आंवला प्याज आदि की चटनी खा सकते हैं यह मौसम के अनुकूल भी है और साथ ही खाने का स्वाद भी बढ़ता है।
- इस मौसम में गन्ने का रस पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्मियों में तेज मिर्च-मसाले का कम मात्रा में खाएं।
- धूप से आने के बाद तुरंत पानी न पीएं और न ही तुरंत कपड़े उतारें।

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए यह भी जानना जरूरी है कि कौन सा पेय पदार्थ लें और कौन सा नहीं। आप वैसा पेय पदार्थ लें जिसको पीने के बाद गैस की समस्या उत्पन्न न हो, खासकर चाय पीना कम कर दें। अगर आप चाय पीते भी हैं तो सुबह शाम में ही पीएं। दिन में कम से कम 5 से 6 बॉटल पानी पीएं। इस मौसम में शरीर से पसीना बहुत ज्यादा निकलता है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर में पानी का स्तर ठीक रहता है।

मौसमी फलों का ज्यादा सेवन करें

गर्मी के मौसम में मिलने वाली तरबूज, खरबूज, खीरा और ककड़ी आदि का सेवन आप भरपूर मात्रा में करें। अगर आपको पित्त की समस्या है तो खीरे के जूस में सेंधा नमक डाल कर पीने से फायदा मिलता है। यही नहीं यह गैस की समस्या में भी फायदेमंद होता है।

इनका करें उपयोग

गर्मी के मौसम में नारियल पानी पीना अमृत के समान है। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा जौ भी सेहत के लिए गुणकारी होता है। जौ के सत्तू को दही में डाल कर खाएं या इसे उबाल कर टमाटर और खीरा आदि के साथ नमक मिलाकर खाएं। आप चाहें तो गर्मी के मौसम में गेंहू और जौ के आटे का उपयोग भी कर सकती हैं। जौ की रोटी शरीर को ठंडा भी रखेगी और पेट के लिए लाभकारी भी है।

नाश्ते से रात के खाने तक का रखें ध्यान

सुबह के नाश्ते में तरल पदार्थों से बचें, हो सके तो नारियल पानी, फल आदि को नाश्ता में प्रमुखता दें। सुबह नाश्ते में पोहे भी ले सकती हैं। अगर दोपहर में भूख नहीं लगी है तो आप काले चने की चाट का लुत्फ उठा सकती हैं। अगर आपको दोपहर में ज्यादा भूख लगी है तो रोटी, सब्जी, रायता, दही या छाछ को शामिल करें। गोभी इस मौसम में कम खाएं। आप बीन्स, पालक, सेम की फली और बैंगन आदि का सेवन कर सकती हैं। आप शाम के नाश्ते में मुरमुरे, भेलपुरी या सलाद भी ले सकते हैं। यदि शरबत पीना चाहती हैं तो नींबू पानी और छाछ आदि ले सकते हैं। रात का खाना हल्का खाएं रोटी कम, सलाद और सब्जी ज्यादा मात्रा में खाएं। सोने के समय चाय कॉफी बिल्कुल भी न पीएं। इससे अनिद्रा की समस्या हो सकती है।

बच्चों का रखें खास खयाल

इस मौसम में बच्चों को खाने में ऐसी चीजें न दें जो उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव डाले। जंक फूड, नूडल्स आदि बिल्कुल भी न दें। बच्चों को खाने के बाद नींबू पानी या फल या उसका जूस जरूर पिलाएं, दोपहर के समय बच्चों को खेलने के लिए घर से बाहर न जाने दें।

सोने से पहले ऐसा करें... कम हो जाएगी तोंद

अपनी बढ़ी हुई तोंद से परेशान हैं, तो टेंशन न लें। हैरत होगी यह जानकर कि इसे कम करना आसान है। इसके लिए यह पीकर सोएं...फर्क कुछ दिनों में नजर आ जाएगा...

खीरा

सोने से पहले खीरे का जूस पीएं। यह पेट साफ करता है। यह फैट नहीं बढने देता। एक खीरे में मात्र 45 कैलोरी होती है। इसमें 96 प्रतिशत पानी और फाइबर पाया जाता है, जो कि बिना कैलोरी के होता है, इसे खाने से आपका वजन नहीं बढ़ेगा। अगर आप खीरे से तैयार सलाद बना कर खाएंगे, तो 3 दिन में लगभग 2 किलो वजन तो कम हो ही जाएगा।

नींबू पानी

नींबू पानी मोटापा कम करने में कारगर है। सही है नींबू पानी पीएं और वजन घटाएं। नींबू पेट की चर्बी करने में सहायक है। नींबू के 25 ग्राम रस में करेले का 15 ग्राम रस मिलाकर पीने से मोटापा नष्ट होता है। अगर जल्द मोटापा कम करना हो, तो हर भोजन के बाद गरम पानी में शहद और नींबू का रस डालकर पीने से एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न होती है।

अदरक का रस

एक चम्मच अदरक का रस तोंद कम कर सकता है। यह फैट बर्न करता है। एक गिलास कुनकुने पानी में आधे नींबू का रस, दस बूंद अदरक का रस एवं दस ग्राम शहद मिलाकर रोज पीने से मोटापा कम किया जा सकता है।

एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस, अमृतबूटी समान होता है, हर मर्ज में यह काफी लाभकारी होता है। हर दिन एक ग्लास एलोवेरा जूस पीने से वजन घट जाता है और सही रहता है। इसे पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

यह ड्रिंक है गजब

एक जग में दो लीटर पानी लें। उसमें दस-बारह पुदीना का पत्ते, एक छोटा चम्मच पिसा हुआ अदरक, एक मध्यम आकार का स्लाइस किया हुआ खीरा और एक नींबू स्लाइस किया हुआ सब एक एक करके डालें। इन सब चीजों को जग में डालकर रात भर के लिए यूं ही छोड़ दें। एक महीने तक यह ड्रिंक पीएं। पेट की चर्बी काफी हद तक कम हो जाएगी।

विवेक और धैर्य ही मनुष्य के सच्चे मार्गदर्शक

भगवान से मिलती है लाइफ मैनेजमेंट की सीख

भगवान शिव को त्रिनेत्रधारी भी कहते हैं। लाइफ मैनेजमेंट की दृष्टि से देखा जाए तो शिव का तीसरा नेत्र प्रतीकात्मक है। जीवन में कई बार ऐसे संकट भी आ जाते हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते। ऐसे समय में विवेक और धैर्य ही एक सच्चे मार्गदर्शक होते हैं।

भगवान शिव जितने रहस्यमयी हैं, उनकी वेश-भूषा व उनसे जुड़े तथ्य उतने ही विचित्र हैं। आज महाशिवरात्रि के पर्व पर हम आपको भगवान शिव से जुड़ी ऐसी ही रोचक बातें व इनमें छिपे लाइफ मैनेजमेंट के सूत्रों के बारे में बता रहे हैं,धर्म ग्रंथों के अनुसार सभी देवताओं की दो आंखें हैं, लेकिन एकमात्र शिव ही ऐसे देवता हैं जिनकी तीन आंखें हैं। तीन आंखों वाला होने के कारण इन्हें त्रिनेत्रधारी भी कहते हैं। लाइफ मैनेजमेंट की दृष्टि से देखा जाए तो शिव का तीसरा नेत्र प्रतीकात्मक है। आंखों का काम होता है रास्ता दिखाना और रास्ते में आने वाली मुसीबतों से सावधान करना। जीवन में कई बार ऐसे संकट भी आ जाते हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते। ऐसे समय में विवेक और धैर्य ही एक सच्चे मार्गदर्शक के रूप में हमें सही-गलत की पहचान कराता है। यह विवेक अतःप्रेरणा के रूप में हमारे अंदर ही रहता है। बस जरुरत है उसे जगाने की। भगवान शिव का तीसरा नेत्र आज्ञा चक्र का स्थान है। यह आज्ञा चक्र ही विवेक बुद्धि का स्त्रोत है।

जैसा देश वैसा भेष

हमारे धर्म शास्त्रों में जहां सभी देवी-देवताओं को वस्त्र-आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है वहीं भगवान शंकर को सिर्फ मृग चर्म (हिरण की खाल) लपेटे और भस्म लगाए बताया गया है। भस्म शिव का प्रमुख वस्त्र भी है क्योंकि शिव का पूरा शरीर ही भस्म से ढंका रहता है। शिव का भस्म रमाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक कारण भी हैं। भस्म की एक विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसका मुख्य गुण है कि इसको शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्मी त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम करती है। भस्मी धारण करने वाले शिव यह संदेश भी देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको ढालना मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है। भगवान शिव के हाथ में त्रिशूल यानी तीन प्रवृत्तियां- हर मनुष्य में ये तीनों प्रवृत्तियां पाई जाती हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इनकी मात्रा में अंतर होता है। त्रिशूल के तीन नुकीले सिरे इन तीनों प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सक्सैस के लिए परफेक्शन-पैशन जरुरी

तेजी से बदलते जमाने और टेक्नोलॉजी के इस दौर में अपनी जगह व पहचान बनाने के लिए अपनी पसंद के क्षेत्र में पैशन होना बेहद जरूरी है, तभी आप परफेक्शन के साथ अपने टास्क पूरे करते हुए कामयाबी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। जानिए अपनी रुचि के क्षेत्र में पैशन होना क्यों है जरूरी है...

अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पैशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कभी भी भटकाव या दुविधा के शिकार नहीं होते। दरअसल, अपनी रुचि के क्षेत्र में पूरी तरह डूबकर ही वे अपनी मंजिल को आसान बना पाते हैं। जो दूसरों को देखकर उनकी राह का अनुकरण करने का प्रयास करते हैं, वे अपने भीतर छिपे गुणों को देख नहीं पाते। यही कारण है कि वे अपने मन की राह पर चलने की बजाय भटकाव के चौराहे पर पहुंच जाते हैं। जहां पहुंच कर उन्हें यह सूझता ही नहीं कि अब किस राह पर वे आगे बढ़ें।

सेल्फ एनालिसिस

दूसरों की तरफ देखने की बजाय सबसे पहले तो आप यह देखें कि आपको क्या अच्छा लगता है, आपकी रुचियां किस तरह की हैं, किस तरह के काम करने में आपको मजा आता है और क्या करना अच्छा नहीं लगता? इस प्रक्रिया में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र जानने-समझने में सहायता मिल सकती है। एक बार अपने मन का क्षेत्र चुन लेने के बाद आप उस पर कदम आगे बढ़ाएं। इसके लिए जरूरी कोर्स करें या ट्रेनिंग हासिल करें। थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी जोर दें।

सही समय, सही निर्णय

अब वह समय नहीं रहा कि आप निरुद्देश्य पढ़ते जाएं और किसी मंजिल पर न पहुंचे। आज जबकि करियर के अनगिनत नए क्षेत्र सामने आ चुके हैं, ऐसे में बिना मतलब हायर एजुकेशन लेते जाने को उचित नहीं कहा जा सकता। अपने करियर की दिशा दसवीं से बारहवीं तक जरूर तय कर लें।

खुद करें पहल

आप जो भी कोर्स कर रहे हैं, उससे जुड़ी प्रैक्टिकल बातों की अधिकतम जानकारी हासिल करने के लिए जब भी समय मिले, बाहर निकलें। संबंधित क्षेत्र के सर्विस सेंटर्स, शोरूम्स, फैक्ट्रीज आदि से संपर्क करें। वहां संबंधित अधिकारियों से विनम्रतापूर्वक काम सिखाने का अनुरोध करें। एक जगह काम न बने, तो संयम खोये बिना दूसरी या तीसरी... जगह जाएं।

रेसिपी

पनीर कुल्चा

सामग्री

कुलचा के आटे के लिए, 1 1/2 कप मैदा, 4 टेबल-स्पून दही, नमक स्वादअनुसार, मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए, 3/4 कप कसा हुआ पनीर, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, एक चुटकी गरम मसाला, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, मैदा , डस्ट करने के लिए, घी , ब्रश और पकाने के लिए

विधि

कुलचा के आटे के लिए आटे और नमक को एक बाउल में एक साथ छान लें। दही डालकर, थोड़े गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। गीले सूती कपड़े से ढ़ककर, 2-3 घंटे कले लिए एक तरफ रख दें। भरवां मिश्रण को 10 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। आटे को 10 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर छोटे गोल आकार में बेल लें। गोले के बीच में भरवां मिश्रण के एक भाग को रखें। किनारों को साथ लाकर अच्छी तरह बंद कर लें। थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर, दुबारा 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। कुलचा को घी से हलका चुपड़ लें और गरम तवे पर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। इसे दोहराकर 9 और कुलचे बनाएं। थोड़ा घी लगाकर गरमा गरम परोसें।

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टोमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तेल , तलने के लिए, परोसने के लिए, टोमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टोमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर, टोमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**